धनबाद
शनिवार 04.07.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-132 पृष्ठ- 12
आषाढ़ कृष्ण पक्ष-5
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

सरकारी जमीन पर बने होटल पर होगी जांच के बाद कार्रवाई : उपायुक्त

डीसी ने जनता दरबार में होटल भूमाफिया की सुनी दास्तान

धनबाद (छासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने आज जनता दरबार का आयोजन कर कतरास, चिरकुंडा, निरसा, बाघमारा, तोपचांची, धनबाद, झरिया, कलियासोल सहित जिले के विभिन्न क्षेत्र से आए आमजनों की शिकायत सुनीं।

जनता दरबार में हाउसिंग कॉलोनी से आए व्यक्ति ने उपायुक्त को बताया कि वहीं के एक यूट्यूबर, जो अपने को मीडिया कर्मी भी बताता है, धौंस जमा कर कॉलोनी के सार्वजनिक नाले का अतिक्रमण कर उसपर अवैध निर्माण कर रहा है। शिकायतकर्ता ने साक्ष्य के रूप में कई फोटोग्राफ भी

प्रस्तुत किए। मामले पर त्वरित संज्ञान लेकर उपायुक्त ने हाउसिंग बोर्ड को तत्काल इसकी जांच करके कारवाई करने का निर्देश दिया। वहीं हीरापुर से आई एक महिला ने उपायुक्त को

बताया कि भू-माफिया द्वारा षडयंत्र कर उन्हें उनके एकमात्र निवास स्थान से बेदखल कर जमीन हड़पने का प्रयास किया जा रहा है। महिला ने बताया कि भू-माफिया द्वारा नगर निगम को गलत जानकारी देकर और दिग्भ्रमित कर उसके मकान को जबरन तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

जबकि उक्त भू-माफिया ने सरकारी जमीन पर अवैध रूप से एक चार मंजिला होटल का निर्माण कर लिया है। मामले पर संज्ञान लेकर उपायुक्त ने अनुमंडल दंडाधिकारी को इसकी जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ प्रदान करने, अबुआ आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध कराने, जन्म प्रमाण पत्र निर्गत कराने, ऑनलाइन लगान रसीद निर्गत कराने, जबरन जमीन पर कब्जा करने, बीसीसीएल द्वारा गरीब विधवा महिला की जमीन पर कब्जा करने, जमाबंदी प्रमाण पत्र निर्गत कराने, रेलवे द्वारा अधिग्रहित की गई जमीन का मुआवजा नहीं मिलने, सार्वजनिक रास्ते को अवरुद्ध करने की शिकायत प्राप्त हुई। वहीं गोविंदपुर से आए व्यक्ति ने विद्यालय के नजदीक स्थित शराब दुकान बंद कराने का आवेदन दिया।

उपायुक्त ने आमजनों से प्राप्त सभी आवेदनों के निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया।

गुजरात-एमपी में जैश के 8 आतंकी पकड़े गए

अहमदाबाद (ईएमएस): गुजरात एटीएस ने आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के आठ आतंकियों को गुजरात और मध्य प्रदेश से पकड़ा है। एटीएस के मुताबिक, वे गुजरात में जैश-ए-मोहम्मद का एक एक्टिव नेटवर्क बनाने के लिए काम कर रहे थे ताकि आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दिया सके। एटीएस ने इनसे पूछताछ शुरू कर दी है। एटीएस ने इन सभी के खिलाफ राष्ट्रविरोधी गतिविधियों और आतंकवादी नेटवर्क से जुड़े होने के गंभीर आरोपों पर आगे की कानूनी जांच और गहन पूछताछ की है। गिरफ्तार आतंकवादियों में अहमद अब्दुल्ला गाजीवाला, इब्राहिम मोहम्मद हुसैन घाघा, मुदस्सिर अब्दुल्ला गाजीवाला, ▶▶ 8

जापान अपनी गोपनीय रक्षा तकनीक नेवल रेडियो एंटीना यूनिकॉर्न भारत को देगा

दुश्मन के लिए भारतीय युद्धपोतों को खोजना और पहचाना नामुमकिन होगा

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत और जापान के बीच हाल ही में एक ऐतिहासिक रक्षा समझौता हुआ है, जो भारतीय नौसेना की ताकत को बढ़ा देगा। इस डील के तहत जापान अपनी सबसे गोपनीय रक्षा तकनीक नेवल रेडियो एंटीना यूनिकॉर्न भारत को देगा। पीएम मोदी ने इस साझेदारी को रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक नया अध्याय बताया है। नई दिल्ली में जापानी पीएम सनाए ताकाइची के साथ बैठक के बाद यह बड़ा ऐलान किया है। दोनों देश मिलकर ऐसी सैन्य प्रौद्योगिकी विकसित करेंगे, जो समुद्री सुरक्षा को मजबूत करेगी, विशेष रूप से हिंद महासागर और दक्षिण चीन सागर में जहां चीन लगातार अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। जापान की यह निंजा तकनीक भारतीय युद्धपोतों को दुश्मनों के रडार से पूरी तरह छिपा देगी, जिससे दुश्मन देशों के जासूसी नेटवर्क

भारतीय युद्धपोतों को ढूंढने में नाकाम साबित होंगे। यूनिकॉर्न का पूरा नाम यूनिफाइड कॉम्प्लेक्स रेडियो एंटीना है और यह एक बेहद उन्नत एंटीना प्रणाली है। पारंपरिक युद्धपोतों पर दर्जनों अलग-अलग एंटीना खुले में लगे होते हैं, जो रडार की लहरों को आसानी से प्रतिबिंबित करते हैं। इससे दुश्मन के रडार को युद्धपोत की लोकेशन का आसानी से पता चल जाता है। यूनिकॉर्न ▶▶ 8

पाकिस्तान के आतंकवाद पर रोक तक सिंधु जल संधि स्थगित रहेगी, भारत ने दोहराया रुख

नई दिल्ली (ईएमएस): भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि सिंधु जल संधि तब तक स्थगित रहेगी, जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देना पूरी तरह और विश्वसनीय तरीके से बंद नहीं करता। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस मुद्दे पर भारत का रुख पहले से स्पष्ट और लगातार एक जैसा रहा है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि बातचीत और आतंकवाद साथ-साथ नहीं चल सकते। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को सीमा पार आतंकवाद के समर्थन को विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से समाप्त करना होगा। इसके बाद ही संधि को लेकर आगे किसी प्रकार का विचार किया जा सकता है। भारत ने यह भी दोहराया कि वर्ष १९६० में हुई सिंधु जल संधि सद्भावना और सहयोग की भावना से की गई थी, लेकिन लगातार आतंकवादी घटनाओं और सीमा पार हिंसा ने द्विपक्षीय संबंधों को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।

सरकार का कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी आधार पर संधि को स्थगित रखने का निर्णय लिया गया है। यह बयान ऐसे समय आया है जब पाकिस्तान लगातार संधि बहाल करने की मांग उठा रहा है। हालांकि भारत ने साफ कर दिया है कि जब तक आतंकवाद के खिलाफ ठोस और स्थायी कार्रवाई नहीं होती, तब तक अपने निर्णय में कोई बदलाव नहीं ▶▶ 8

एसआईआर विवाद को लेकर 23 विपक्षी दलों ने सीजेआई को लिखा पत्र

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (ईएमएस): बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर विपक्षी दलों का केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर हमला तेज हो गया है। २३ विपक्षी दलों और एक निर्दलीय सांसद ने भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत को पत्र लिखकर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, एसआईआर प्रक्रिया और चुनावी व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चिंता जताई है। विपक्ष ने न्यायपालिका से हस्तक्षेप कर चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करने की अपील की है।

कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने शुक्रवार को २८ जून को भेजे गए इस पत्र को सार्वजनिक करते हुए कहा कि देश के चुनावी लोकतंत्र के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्यपालिका पर संविधान की मूल भावना को कमजोर करने के आरोप लग रहे हैं और ऐसे समय में लोकतंत्र की रक्षा करना न्यायपालिका की संवैधानिक जिम्मेदारी है।

वेणुगोपाल ने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की आधारशिला हैं तथा सुप्रीम कोर्ट की जिम्मेदारी है कि वह यह सुनिश्चित करे कि चुनाव न केवल निष्पक्ष हों बल्कि निष्पक्ष दिखाई भी दें। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता के हित में इस पत्र को सार्वजनिक किया गया है, ताकि चुनाव प्रक्रिया में जनता का विश्वास कायम रहे।

पत्र पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी, द्रमुक नेता तिरुचि शिवा सहित २३ विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों और एक निर्दलीय सांसद के हस्ताक्षर हैं।

पत्र में विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि हाल के वर्षों में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हुए हैं और उसके कुछ फैसले सत्तारूढ़ दल के पक्ष में दिखाई देते हैं। आयोग की नियुक्ति प्रक्रिया पर भी चिंता व्यक्त की गई है। बिहार में चल रही एसआईआर प्रक्रिया को लेकर विपक्ष ने दावा किया है कि इसे पर्याप्त आधार के बिना शुरू किया गया तथा इससे मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने की आशंका है। ▶▶ 8

संघ स्वयंसेवक होना साधना के समान यह जीवनभर का संकल्प : मोहन भागवत

नई दिल्ली (ईएमएस): राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा है कि संघ का स्वयंसेवक होना किसी पद, प्रतिष्ठा या पहचान का विषय नहीं, बल्कि एक निरंतर साधना है। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक बनने का अर्थ है जीवनभर समाज और राष्ट्र के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य करने का संकल्प लेना। उन्होंने स्पष्ट किया कि संघ का उद्देश्य सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज को संगठित, सक्षम और संस्कारित बनाना है। अपने संबोधन में मोहन भागवत ने कहा कि संघ व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक अपने व्यवहार, अनुशासन और सेवा भावना से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करता है। उनके अनुसार संघ की शाखा केवल शारीरिक गतिविधियों का केंद्र नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय चेतना का प्रशिक्षण स्थल है। उन्होंने कहा कि संघ किसी के विरोध या प्रतिस्पर्धा में ▶▶ 8

फिस्कल हेल्थ इंडेक्स में झारखंड देश के टॉप-3 राज्यों में, 'अचीवर' श्रेणी में मिली जगह

रांची (एजेंसी): नीति आयोग द्वारा जारी वित्तीय वर्ष २०२३-२४ के फिस्कल हेल्थ इंडेक्स में झारखंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश के शीर्ष तीन राज्यों में स्थान हासिल किया है। राज्य को 'अचीवर' श्रेणी में शामिल किया गया है। इस श्रेणी में झारखंड के साथ ओडिशा और गोवा भी शामिल हैं।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, झारखंड की इस उपलब्धि के पीछे मजबूत वित्तीय अनुशासन, संसाधन जुटाने की क्षमता और संतुलित खर्च प्रबंधन प्रमुख कारण रहे हैं।

राज्य ने अपने कुल राजस्व में कर से होने वाली आय का

हिस्सा ६० प्रतिशत से अधिक बनाए रखा है। साथ ही गैर-कर राजस्व बढ़ाने के प्रयासों में भी बेहतर प्रदर्शन किया है।

राज्य ने अपने राजकोषीय घाटे को सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के निर्धारित तीन प्रतिशत से नीचे बनाए रखा, जो मजबूत वित्तीय अनुशासन का संकेत है। वहीं विकास कार्यों को गति देने के लिए पूंजीगत व्यय को जीएसडीपी के लगभग चार से पांच प्रतिशत के स्तर पर बनाए रखा गया, जिससे आधारभूत संरचना और दीर्घकालिक विकास को मजबूती मिली है।

कर्ज प्रबंधन के मामले में झारखंड का प्रदर्शन संतुलित

कर्ज प्रबंधन के मामले में भी झारखंड का प्रदर्शन संतुलित रहा है। राज्य का कुल कर्ज जीएसडीपी के २५ प्रतिशत से कम है और ब्याज भुगतान का बोझ भी नियंत्रित रहा गया है, जो वित्तीय स्थिरता को दर्शाता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, फिस्कल हेल्थ इंडेक्स में झारखंड का यह प्रदर्शन राज्य की मजबूत आर्थिक स्थिति और बेहतर वित्तीय प्रबंधन का प्रमाण है। इससे आने वाले वर्षों में राज्य के विकास को और गति मिलने की उम्मीद है।

जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटे, उनका राशन बंद

पश्चिम बंगाल सरकार का आदेश

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद मतदाता सूची से नाम हटाए जाने का विवाद लगातार गहराता जा रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पहले लगभग ६३ लाख नाम अंतिम सूची से हटाए गए थे। बाद की जांच प्रक्रिया में करीब २७ लाख मतदाताओं के नाम भी अयोग्य घोषित किए गए। इनमें से लगभग २७ लाख प्रभावित लोगों ने अपीलीय ट्रिब्यूनलों का रुख किया है। जहां पर उनकी सुनवाई लंबित है।

इसी बीच राज्य सरकार के खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने निर्देश जारी कर कहा है,जिन व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची से हट चुके हैं। उनके राशन कार्ड निष्क्रिय किए जाएं। जिनकी अपील ट्रिब्यूनल में लंबित है, या अन्य निर्धारित श्रेणियों में आते हैं। उन्हें निर्णय होने तक राशन प्रदाय किया जाए। इस फैसले के बाद लाखों प्रभावित परिवारों में नाराजगी बढ़ गई है। लोगों का कहना है,अपील लंबित रहने के दौरान राशन जैसी बुनियादी सुविधा को मतदाता सूची से जोड़ना उचित नहीं है। लाखों राशन कार्ड धारकों के राशन को बंद करने के मामले में कानूनी और राजनीतिक बहस तेज हो गई है।

ई-रिक्शा की बैटरी रिमोट से बंद करने वाले 7 ऐप हटाने के निर्देश, केंद्र ने गूगल और एप्पल को भेजा नोटिस

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्र सरकार ने गूगल एंड्रॉयड और एप्पल आईओएस को नोटिस जारी कर उनके ऐप स्टोर से सात बैटरी प्रबंधन (बीएमएस) ऐप हटाने के निर्देश दिए हैं। सरकार को आशंका है कि इन ऐप्स का दुरुपयोग कर ई-रिक्शा और अन्य बैटरी चालित वाहनों की बैटरियों को दूर से बंद किया जा रहा था, जिससे चालकों और यात्रियों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर कई ऐसे मामले सामने आए, जिनमें चलते हुए ई-रिक्शा अचानक बंद हो गए। शुरुआती जांच में पता चला कि कुछ बैटरी प्रबंधन ऐप्स के जरिए बैटरी सिस्टम तक

दूरस्थ पहुंच बनाकर वाहन की बिजली आपूर्ति रोकी जा रही थी। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मामले का संज्ञान लेते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू की। सरकार ने संबंधित ऐप्स को ऐप स्टोर से हटाने के साथ-साथ इनके संचालन और उपयोग की भी जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, जिन ऐप्स पर कार्रवाई की गई है, उनमें कुछ विदेशी, विशेषकर चीनी मूल के बैटरी प्रबंधन ऐप भी ▶▶ 8

सीएम सीबीआई से सब रजिस्ट्रार द्वारा की गई सरकारी भूमि रजिस्ट्री की जांच कराएं : जे.पी.वालिया

धनबाद निबंधन कार्यालय में अनाधिकृत भैंडरों का चल रहा है काला साम्राज्य

धनबाद (छासं) : झारखण्ड मुक्ति मोर्चा (यु) के महानगर अध्यक्ष जे.पी.वालिया ने झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, उपायुक्त धनबाद द्वारा ज्ञापन देकर कहा है कि धनबाद निबंधन कार्यालय में अनाधिकृत जेंडरों का आतंक और जंगल राज कायम हो गया है।

गैर आबाद सरकारी और प्रतिबंधित सूची में दर्ज जमीनों को रैयती बताकर फर्जी तरीके से निबंधन किया जा रहा है।

भूमाफियाओं के इशारे पर श्री वालिया ने मुख्यमंत्री को दिए गए आवेदन में कहा है कि

सरकारी जमीन का बड़ा घोटाला निबंधक रामेश्वर प्रसाद सिंह के कार्यकाल में बड़े पैमाने पर हुआ है।

उन्होंने कहा कि धनबाद के सब रजिस्ट्रार ५ दलालों को सरकारी और रेल एवं बीसीसीएल की प्रतिबंधित भूमि को फर्जी ढंग से कागजात तैयार करवाकर

लाखों रुपया लेकर रजिस्ट्री करते हैं।

सरकारी जमीनों को रैयती घोषित कराने में निबंधन विभाग के भ्रष्ट अधिकारी और अवैध रूप से दलाली में लगे भेंडर हैं। श्री वालिया ने सीएम हेमंत सोरेन से एसीबी और सीबीआई से कार्रवाई की मांग की है।

संपादकीय

दिल्ली की नई ईवी नीति...

इसमें कोई दोराय नहीं कि दिल्ली में वायु प्रदूषण की गहराती समस्या के मद्देनजर इसकी मुख्य वजहों की पहचान और उनसे निपटने के लिए ठोस उपाय करना जरूरी है। मगर इस क्रम में सरकार जिन नीतियों का सहारा लेना चाहती है, वे व्यापक जनहित में हों, यह सुनिश्चित किया जाना भी वक्त का तकाजा है।

देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली में वायु प्रदूषण एक अहम समस्या के रूप में चिंता का मुद्दा बना रहता है। इसके लिए सड़क पर चलने वाले वाहनों को मुख्य रूप से जिम्मेदार माना जाता है। खासतौर पर दुपहिया वाहनों की बढ़ती संख्या न केवल सुव्यवस्थित यातायात, बल्कि प्रदूषण के लिहाज से अपेक्षया ज्यादा बहस के केंद्र में रहती है।

इन्हीं बिंदुओं के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने सोमवार को नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2.0 को मंजूरी दे दी है। नई नीति के तहत अगले वर्ष जनवरी से सिर्फ ई-ऑटो यानी इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों का ही पंजीकरण होगा। साथ ही, जनवरी 2028 से सिर्फ ई-दुपहिया वाहनों का ही पंजीकरण कराया जा सकेगा। नई नीति के तहत अब इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर सड़क-कर और पंजीकरण शुल्क में छूट की व्यवस्था भी की गई है।

जाहिर है, सरकार ने एक तरह से नीतिगत तौर पर इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के क्रम में एक ठोस फैसला किया है, लेकिन चूंकि इसका वैसे लोगों के जीवन पर व्यापक असर पड़ने की संभावना है, जिनकी रोजी-रोटी इन वाहनों से जुड़ी होती है, इसलिए फिलहाल इसके कई अन्य पहलुओं पर बहस जारी है।

हालांकि यह भी एक तथ्य है कि दिल्ली में पिछले कई वर्षों से लगातार प्रदूषण की वजह से हालात बेहद चिंताजनक होते गए हैं, तो इसमें वाहनों की खासी भूमिका रही है। मगर इसमें कारों और अन्य वाहनों के बरक्स दुपहिया और तिपहिया वाहनों की कितनी भूमिका है, इस पर भी गौर किया जाना चाहिए। खासतौर पर इसलिए भी कि दिल्ली में तिपहिया वाहन आमतौर पर सीएनजी से चलते हैं। एक समय पेट्रोल और डीजल वाहनों के धुएं से होने वाला प्रदूषण व्यापक चिंता का विषय बना था और उस समय सीएनजी वाहनों के जरिए दिल्ली की हवा को स्वच्छ करने के दावे किए गए थे। लेकिन आज भी दिल्ली में वायु प्रदूषण की हकीकत किसी से छिपी नहीं है। वहीं, इलेक्ट्रिक कचरा आज विश्वभर में पर्यावरण के सामने एक नई चुनौती बन रहा है।

यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि इस नीति के केंद्र में फिलहाल जिन दुपहिया और तिपहिया वाहनों को रखा गया है, वे बड़ी संख्या में साधारण लोगों की आजीविका और आवागमन का मुख्य सहारा रहे हैं। नई नीति की अनिवार्यता की स्थिति में अपने वाहन को इलेक्ट्रिक प्रणाली में बदलना कम आयवर्ग के लोगों के लिए अतिरिक्त आर्थिक बोझ बन सकता है। दूसरी ओर, दिल्ली की सड़कों पर सार्वजनिक परिवहन की बदहाली छिपी नहीं है। इसे बेहतर बनाने के लिए किसी भी सरकार ने ऐसे कदम नहीं उठाए हैं, ताकि लोग निजी वाहनों के बारे में न सोचें। ऐसे में आवाजाही और रोजगार के लिहाज से दुपहिया और तिपहिया वाहन एक बड़े तबके के लिए सहारा रहे हैं। बहरहाल, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की नीति के जरिए अगर दिल्ली में वायु प्रदूषण की समस्या पर काबू पाने में मदद मिलती है, तो इसे एक बेहतर उपाय माना जाएगा। मगर इसके समांतर दिल्ली में व्यापक पैमाने पर चार्जिंग स्टेशन सहित अन्य बुनियादी ढांचे का जाल खड़ा करना होगा।

बढ़ते विस्फोटों ने बहुमंजिला इमारतों की सुरक्षा पर उठाए सवाल

आज के समय में एयर कंडीशनर (एसी) को विलासिता की वस्तु के बजाय रोजमर्रा की जरूरत के सामान की तरह देखा जाने लगा है। मगर घर और कमरे के तापमान को ठंडा रखने की यह सुविधा अब जोखिम का सबब बनती जा रही है। हाल के वर्षों में एसी में विस्फोट से आग की घटनाएं एक गंभीर खतरे के रूप में उभरकर सामने आई हैं। ऐसी ही एक घटना उत्तर प्रदेश में नोएडा के सेक्टर-119 में सोमवार को सामने आई, जहां एक इमारत की इक्कीसवीं मंजिल पर स्थित फ्लैट में एसी में धमाका होने से आग लग गई। हालांकि, इस हादसे में किसी की जान नहीं गई, लेकिन इसने बहुमंजिला इमारतों में आपात स्थिति में सुरक्षा प्रबंधों पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। इतनी ऊंची इमारत में आग बुझाने में दमकल कर्मियों को कई घंटे लग गए। ऐसे में इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि विभागीय तैयारियों की मौजूदा चुनौतियों के लिहाज से गहन समीक्षा किए जाने की जरूरत है। गौरतलब है कि पिछले दो माह के भीतर देश भर में एसी में विस्फोट से आग की कई घटनाएं सामने आ चुकी

हैं, जिनमें संपत्ति के साथ मानवीय क्षति भी हुई है। खबरों के मुताबिक, इस अवधि में नोएडा में ही अब तक डेढ़ सौ से ज्यादा ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। एसी में विस्फोट के कई कारण हो सकते हैं। मसलन, लगातार चलाने से कंप्रेसर पर अत्यधिक दबाव, गैस का रिसाव या फिर एसी से जुड़े बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट से भी आग लगने का खतरा बना रहता है। फिर एसी की गुणवत्ता में गिरावट भी एक अहम सवाल है। ऐसी घटनाओं में जान-माल का नुकसान न हो, इसके लिए इमारतों में सुरक्षा के पर्याप्त बंदोबस्त होने चाहिए। मगर यह अफसोसनाक है कि इस ओर न तो शासन-प्रशासन और न ही भवन निर्माताओं का ध्यान जाता है। यही नहीं, दमकल विभाग में संसाधनों का अभाव भी किसी से छिपा नहीं है। इसका ताजा उदाहरण नोएडा में हुए हादसे के दौरान देखने को मिला, जब दमकल गाड़ियों से पानी की बौछार तेरहवीं मंजिल से ऊपर नहीं पहुंच सकी। जाहिर है कि ऐसे खतरों से निपटने के लिए व्यवस्था को हर स्तर पर अधिक सक्षम, आधुनिक और चाक-चौबंद बनाने की आवश्यकता है।

आज का कार्टून

क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

ललित गर्ग

वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय।

जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं।

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है।

आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता।

वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी?

किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है।

निर्माण क्षेत्र में बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी और लाभ-लोलुप तत्व पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना करते हुए हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक ट्विन टावरों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कोई निर्माण अवैध था, तो उसे बनने की अनुमति किसने दी? निर्माण पूरा होने तक प्रशासन मौन क्यों रहा? क्या विकास के नाम पर कुछ लोगों के आर्थिक लाभ के लिए लाखों नागरिकों के जीवन को जोखिम में डाला जा सकता है? यह केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न भी है। शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों, नगर विकास न्यासों तथा भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी केवल नक्शों पर हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं हो सकती। प्रत्येक निर्माण की तकनीकी, पर्यावरणीय और संरचनात्मक जांच अत्यंत कठोरता से की जानी चाहिए।

सुरक्षा मानकों का पालन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा का दायित्व है।

एक अन्य गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन और प्रकृति के साथ बढ़ती छेड़छाड़ है। पहाड़ों को काटकर सड़कें बनाना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करना, जंगलों का अंधाधुंध विनाश, अतिक्रमण, खनन और अनियोजित शहरीकरण ने प्रकृति के संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप भूस्खलन, अचानक बाढ़, शहरी जलभराव और जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में बार-बार आने वाली त्रासदियां हमें चेतावनी दे रही हैं कि विकास का मॉडल प्रकृति-विरोधी नहीं, बल्कि प्रकृति-संगत होना चाहिए। यह मान लेना भी खतरनाक है कि जिस क्षेत्र में पहले कभी बड़ा भूकम्प नहीं आया, वहां भविष्य में भी खतरा नहीं होगा। धरती के भीतर क्या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी मानव नहीं जान पाया है। इसलिए केवल पुराने अनुभवों के आधार पर किसी क्षेत्र को पूर्णतः सुरक्षित मान लेना आत्मघाती हो सकता है। आज भवन निर्माण केवल भूकम्प को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, तेज हवाएं, तापमान में वृद्धि और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी गंभीर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। भविष्य के शहरों को बहुस्तरीय सुरक्षा की अवधारणा के आधार पर विकसित करना समय की मांग है। आपदा आने के बाद राहत और पुनर्वास पर हजारों करोड़ रुपये खर्च करने की अपेक्षा पहले से सुरक्षा पर निवेश करना कहीं अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण और मानवीय दृष्टिकोण है। सिर्फ सरकारों की जिम्मेदारी पर्याप्त नहीं है। नागरिकों को भी आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूक होना होगा। विद्यालयों, कार्यालयों और आवासीय परिसरों में नियमित मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। आधुनिक चेतावनी प्रणालियों को गांवों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

प्राकृतिक आपदाओं को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उनसे होने वाली तबाही को काफी हद तक कम अवश्य किया जा सकता है। इसके लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक तकनीक, मजबूत निर्माण मानक, कठोर निगरानी, पारदर्शी प्रशासन और जागरूक नागरिकों का समन्वित प्रयास आवश्यक है। प्रकृति कभी यह नहीं पूछती कि इमारत कितनी महंगी है, किस बिल्डर ने बनाई है या वह किस शहर में खड़ी है। वह केवल उसकी मजबूती और मानव की दूरदर्शिता की परीक्षा लेती है। वेनेजुएला का भूकम्प एक चेतावनी है-विकास की परिभाषा बदलने की। विकसित राष्ट्र वह नहीं होगा जिसके पास सबसे ऊंची इमारतें हों, बल्कि वह होगा जिसके पास सबसे सुरक्षित इमारतें, सबसे जिम्मेदार नगर नियोजन, सबसे संवेदनशील शासन और सबसे सजग नागरिक हों। क्योंकि आपदा आने के बाद राहत देना व्यवस्था की मजबूरी होती है, लेकिन आपदा आने से पहले तैयारी करना एक दूरदर्शी राष्ट्र की संस्कृति और जिम्मेदार शासन की पहचान है।

तुगलकी रास्ते से सत्ता की चाहत का हश्र शिवसेना जैसा होगा

डर और आतंक की राजनीति करने वाली शिवसेना घुटने पर आ चुकी है। नौबत यह आ गई है कि महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री और केंद्र सरकार की मोदी सरकार को अपनी शर्तों पर नचाने का सपना देखने वाले शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे का ठिकाना छिन गया है। खुद सेना के सांसदों ने ही यह कारनामा कर दिखाया है। पार्टी के पूरी तरह से छिन्न भिन्न होने से लाचार उद्धव ने अध्यक्ष पद छोड़ने की पेशकस कर डाली। शिवसेना (यूबीटी) गुट के 6 सांसदों ने डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में शिवसेना का दामन थाम लिया।

योगेन्द्र योगी

शिवसेना यूबीटी की संख्या 9 से घटकर 3 रह गई है, जबकि शिंदे गुट की संख्या 7 से बढ़कर 13 हो गई है। किसी ने कल्पना भी नहीं की थी, जिस महाराष्ट्र में एक दौर में एकीकृत शिवसेना की तूती बोलती थी, वहां उसकी बोलती भी लगभग बंद हो जाएगी। इस हालत के लिए शिवसेना खुद जिम्मेदार है। कायदे-कानून भूल कर हर हालत में सिर्फ ताकत के बलबूते सत्ता पाने का ख्वाब देखने वाली शिवसेना यह भूल गई कि संविधान से इतर जाकर गैर लोकतांत्रिक तौर-तरीकों से सत्ता नहीं मिल सकती। देश के अन्य क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की तरह सिकुड़ती शिवसेना का इतिहास कुछ ज्यादा ही काला रहा है। देश में यदि ममता बनर्जी के बाद किसी ने संविधान और कानून कायदों को ठेंगा दिया है तो वह है शिवसेना। शिवसेना ने भी ममता की तरह अपने ही कायदे कानून चलाने में कसर बाकी नहीं रखी। शिवसेना का ख्याल आते ही, देश के आम जनमानस में महाराष्ट्र में शिवसैनिकों की छवि उभरती थी, हाथों में डंडे या हथियार लिए शिवसैनिक और माथे पर शिवसेना का कपड़ा लपेटे हुए। शिवसेना के संस्थापक बाला साहब ठाकरे के दौरान बनी छवि से यह जाहिर होता था कि किसी को कानून की परवाह नहीं है। कानून वही है जो शिवसेना बोल दे। किसी ने जरा भी विरोध करने का दुस्साहस किया तो उसकी खैर नहीं। महाराष्ट्र में चाहे सरकार किसी भी राजनीतिक दल की हो, शिवसेना का आतंक इतना जबरदस्त था कि किसी हिम्मत नहीं थी कि उनकी मनमानी के खिलाफ आवाज उठा सके। बाल ठाकरे ने बाहर से आकर मुंबई बसने वाले लोगों पर कटाक्ष करते हुए महाराष्ट्र को सिर्फ मराठियों का कहकर संबोधित किया।

खासतौर पर दक्षिण भारतीय लोगों के विरोध में उन्होंने कई भद्दे नारे भी दिए। शिवसेना का मुखपत्र माने जाने वाले 'सामना' समाचार पत्र में बिहार और उत्तर प्रदेश से मुंबई पलायन करने वाले लोगों को मराठियों के लिए खतरा बता, बाल ठाकरे ने महाराष्ट्र के लोगों को उनके साथ सहयोग ना करने की सलाह दी। साथ ही इन दो राज्यों से मुंबई बसने वाले नेताओं और अभिनेताओं की भी बाल ठाकरे द्वारा आलोचना की गई।

मोहम्मद अफजल की फांसी की सजा पर कोई फैसला ना सुनाने के लिए बाल ठाकरे ने तत्कालीन राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम पर भी अभद्र टिप्पणियां की थी। वैलेंटाइन डे को हिंदू धर्म और संस्कृति के लिए खतरा बता, दुकानों और होटलों में तोड़-फोड़ करने के अलावा प्रेमी युगलों पर हमला, उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करने के लिए जनता में

शिवसेना का ताज नहीं मिलने पर अलग हुए भतीजे राज ठाकरे ने भी बाल ठाकरे के नक्शे कदम पर चलने की कोशिश की, किन्तु दाल नहीं गली। संसद सदस्य जया बच्चन भी अपनी कथित 'मराठी-विरोधी' टिप्पणियों के कारण राष्ट्रीय विवाद में फंस गईं। एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे ने महाराष्ट्र राज्य और वहां के लोगों का राष्ट्रीय भाषा की आड़ में अपमान करने के लिए जया बच्चन से सार्वजनिक माफी मांगने का आह्वान किया। डर के मारे बच्चन और उनके पति, अभिनेता अमिताभ बच्चन ने सार्वजनिक माफी जारी करते हुए कहा कि वे हिंदी में इसलिए बोले क्योंकि वे उत्तर प्रदेश (उत्तर भारत) से आए थे।

मुंबई या महाराष्ट्र में जिसे रहना है और कारोबार चलाना है, उसे शिवसेना की सारी शर्तें पूरी करनी होती थी। शिवसेना के आगे सिर झुकाने वालों, बॉलीवुड के फिल्मी सितारे, उद्योगपति, क्रिकेटर सहित तमाम दिग्गज हस्तियां शामिल थी। मीडिया भी शिवसेना के बारे में खबर छापने या टीवी पर दिखाने से पहले कई बार सोचता था। यह सब शिवसैनिकों का खौफ था। देश के दूसरे किसी राज्य में ऐसा तांडव किसी राजनीतिक दल का कभी देखने को नहीं मिला, जैसा शिवसेना ने महाराष्ट्र में दिखाया था।

कई दशकों तक शिवसेना की दहशत की यह छाप बनी रही। बाला साहेब के बाद उनके बेटे उद्धव ठाकरे और गद्दी नहीं मिलने के कारण शिवसेना छोड़ कर अलग महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) बनाने वाले भतीजे राज ठाकरे ने भी इसी नक्शे कदम पर चलने की कोशिश की। सत्ता नहीं मिलने पर राज ठाकरे की पार्टी मनसे ने मवालियों वाला तरीका अपनाया और इसको नाम दिया मराठी मानुष और मराठी अस्मिता का। राजनीति चमकाने के लिए मनसे भाषा और संस्कृति को मुद्दा बना कर गैरकानूनी हरकतें करने में कसर बाकी नहीं रखी। इसके बावजूद किसी भी तरह के चुनावों में सफलता हासिल नहीं हो सकी। देश के राजनीतिक दलों के लिए शिवसेना और ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस का हश्र सीखने लायक सबक है। राज्य के विकास के बजाए कानून हाथ में लेकर सत्ता कायम करने की चाहत अंततः क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के लिए घातक साबित होगी।

सदर अस्पताल विस्तार के लिए अतिक्रमण हटाने की तैयारी, सीओ ने किया स्थल निरीक्षण

धनबाद (कासं) : सदर अस्पताल के प्रस्तावित ४ सौ बेड वाले नए भवन के निर्माण को लेकर जिला प्रशासन ने अस्पताल परिसर की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की प्रक्रिया तेज कर दी है। इसी क्रम में धनबाद अंचलाधिकारी रामप्रवेश राम ने सदर अस्पताल प्रबंधन के साथ रणधीर वर्मा चौक के समीप स्थित अस्पताल की जमीन का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सीओ ने अस्पताल की सरकारी जमीन पर लंबे समय से रह रहे परिवारों को मकान खाली करने का निर्देश दिया। बताया गया कि इस क्षेत्र में करीब आधा दर्जन परिवार पिछले ६० से ७० वर्षों से घर बनाकर रह रहे हैं।

निरीक्षण के दौरान एक व्यक्ति ने करीब ५ कट्ठा जमीन पर अपना रैयती अधिकार होने का दावा किया। उन्होंने कहा कि वर्ष २००६ में इस मामले में उन्हें उच्च न्यायालय से निर्णय मिला था। इस पर सीओ ने

संबंधित व्यक्ति को अपने सभी भूमि संबंधी दस्तावेज कार्यालय में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। सीओ रामप्रवेश राम ने कहा कि राज्य सरकार की योजना के तहत ४ सौ बेड का आधुनिक सदर अस्पताल बनाया जाना है। इसके लिए सरकारी भूमि को चिन्हित कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि अब तक अतिक्रमण कर रह रहे परिवारों की ओर से स्वामित्व संबंधी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया है। सभी को जमीन खाली करने का निर्देश दिया गया है और जल्द ही अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रभावित लोगों को मुआवजा या वैकल्पिक भूमि उपलब्ध कराई जाएगी या नहीं, इसका निर्णय वरीय अधिकारियों एवं राज्य सरकार के स्तर पर लिया जाएगा। वहीं, प्रभावित परिवारों का कहना है कि वे पिछले छह से सात दशकों से यहां रह रहे हैं। उनका कहना है कि यदि प्रशासन उन्हें हटाना चाहता है तो पहले रहने के लिए वैकल्पिक जमीन और आवास की व्यवस्था की जाए।

दूसरी ओर, जमीन पर दावा करने वाले डॉ. कुमार आलोक ने कहा कि उनके पास ५ कट्ठा भूमि के स्वामित्व से संबंधित दस्तावेज हैं और वर्ष २००६ में उन्हें उच्च न्यायालय से डिग्री भी मिली है। उन्होंने कहा कि वे सभी दस्तावेज सीओ के समक्ष प्रस्तुत कर अपना पक्ष रखेंगे।

विशेष बच्चों के अभिभावकों के लिए जागरूकता सत्र

धनबाद (कासं) : जीवन ज्योति संस्थान, रोटरी क्लब ऑफ धनबाद और डीएलएसए धनबाद के संयुक्त तत्वावधान में कोयला नगर स्थित सीआईएसएफ ऑडिटोरियम में विशेष बच्चों के अभिभावकों के लिए एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में बच्चों के पुनर्वास, शिक्षा और सरकारी योजनाओं पर चर्चा हुई। प्राचार्या अपर्णा दास ने अभिभावकों की शंकाओं का समाधान किया, जबकि मयंक तुषार टोपनो और उनकी टीम ने कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। मौके पर जीवन ज्योति स्कूल के सचिव राजेश पारकेरिया और रोटरी क्लब धनबाद के अध्यक्ष व सचिव मुख्य रूप से उपस्थित थे।

सबिली मस्जिद में नई कमिटी को लेकर बवाल, एक घायल

धनबाद (कासं) : रेलवे स्टेशन के समीप स्थित सबिली मस्जिद में नई कमिटी के गठन को लेकर चल रहा विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। घटना में नई कमिटी के सदस्य एवं खुद को मस्जिद की जमीन का मालिक बताने वाले वाजिद खान गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके सिर पर गहरी चोट लगी है।

घटना जुमे की नमाज के बाद हुई। घायल वाजिद खान ने आरोप लगाया कि नमाज के दौरान मौलाना द्वारा लोगों को उकसाने के बाद उन पर हमला कराया गया। उन्होंने निसार खान के पुत्र सहजान खान पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगाया है।

वाजिद खान का यह भी दावा है कि हमले के दौरान मस्जिद परिसर में उनके कमरे से करीब डेढ़ लाख रुपये नकद और लगभग चार लाख रुपये मूल्य के सामान की चोरी भी कर ली गई। वाजिद खान के अनुसार, विगत एक अप्रैल को वक्फ बोर्ड और कल्याण विभाग ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में कोर्ट के आदेश के आधार पर ११ सदस्यीय नई कमिटी को मस्जिद के प्रबंधन को सौंपा था। उस समय भी नई कमिटी का विरोध हुआ था, लेकिन प्रशासन की मौजूदगी में कमिटी को जिम्मेदारी दी गई थी। उन्होंने बताया कि वह पिछले ४० वर्षों से मस्जिद की जमीन की मालगुजारी भरते आ रहे हैं और कोर्ट के फैसले के बाद नई कमिटी की जिम्मेदारी मिली है। उनका आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर उन पर हमला कराया गया।

घटना की सूचना मिलने पर धनबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। थाना प्रभारी मनोज पांडेय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच के बाद आगे की कार्रवाई करेगी।

विधायक शत्रुघ्न ने किया नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

कतरास (ससे) : कतरास के कोलमुरना बस्ती के लोगों को लंबे समय से चली आ रही बिजली की समस्या से बड़ी राहत मिली है। बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो ने फीता काटकर और नारियल फोड़कर नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि कोलमुरना बस्ती के ग्रामीण लंबे समय से लोबोल्टेज और बारबार बिजली कटौती की समस्या से परेशान थे। लोगों की इस परेशानी को प्राथमिकता देते हुए नया ट्रांसफार्मर लगवाया गया है। इसके चालू होने से अब पूरे इलाके में बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी और बस्ती रोशनी से जगमगाएगी। उन्होंने कहा कि विकास का यह पहिया रुकने वाला नहीं है। हर गांव और हर बस्ती तक बिजली, सड़क, पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना उनकी प्राथमिकता और संकल्प है। इस मौके पर भोला राय उर्फ देहाती, शिवचरण राय, अमरनाथ राय, सूरज राय, तिल्चांद राय, अर्जुन राय, संजय राय, नागेंद्र राय, सुनील राय, बल्देव राय, सीता देवी, गांगी देवी, नंदा देवी, सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

हैप्पी चाईल्ड स्कूल में सब्जी दिवस का आयोजन

धनबाद (कासं) : हैप्पी चाईल्ड स्कूल में सब्जी दिवस का आकर्षक आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में एक मिनी वेजिटेबल मार्केट लगाया गया, जहां छात्रों ने उत्साहपूर्वक ताजी और हरी सब्जियों की खरीदारी कर वास्तविक बाजार का अनुभव प्राप्त किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यावहारिक जीवन कौशल, आर्थिक समझ तथा स्वस्थ खानपान के प्रति जागरूक बनाना था। बच्चों ने विभिन्न सब्जियों की पहचान की, उनके दाम समझे और स्वयं खरीदारी कर लेनदेन की प्रक्रिया को व्यवहारिक रूप से सीखा। गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों ने दुकानदार और ग्राहक की भूमिका निभाते हुए

संवाद कौशल, गणितीय गणना, बजट प्रबंधन तथा सामाजिक व्यवहार जैसे महत्वपूर्ण कौशलों का अभ्यास किया। इस पहल से बच्चों में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना को भी बढ़ावा मिला।

विद्यालय की प्रधानाचार्या गीता सिंह ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए। बच्चों को व्यावहारिक जीवन के अनुभवों से जोड़ना आवश्यक है। ऐसे कार्यक्रम उनमें आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को हरी सब्जियों के पोषण संबंधी लाभ तथा संतुलित आहार के महत्व की भी जानकारी दी। विद्यालय परिसर में लगाए गए स्टॉलों पर टमाटर, आलू, पालक, भिंडी, बैंगन सहित कई ताजी सब्जियां उपलब्ध थीं। कार्यक्रम में बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। कई विद्यार्थियों ने अपने अभिभावकों के लिए भी सब्जियां खरीदीं, जिससे उनमें जिम्मेदारी और पारिवारिक जुड़ाव की भावना देखने को मिली। विद्यालय प्रबंधन ने इस सफल आयोजन के लिए शिक्षकों, अभिभावकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

डीडीसी ने की शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा

धनबाद (कासं) : उप विकास आयुक्त सन्नी राज की अध्यक्षता में शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें धनबाद जिले के शहरी क्षेत्रों में संचालित राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन, १५वें वित्त आयोग के अंतर्गत संचालित योजनाओं, शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर तथा झारखंड सरकार द्वारा संचालित मदर टेरेसा एडवांस्ड हेल्थ क्लिनिक की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में विभिन्न शहरी स्वास्थ्य केंद्रों की कार्यप्रणाली, उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, मानव संसाधन, लैब सुविधा, बायोमेट्रिक उपस्थिति तथा रिक्त पदों की स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशानिर्देश दिए गए। उप विकास आयुक्त ने सभी स्वास्थ्य केंद्रों में गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने मदर टेरेसा एडवांस हेल्थ क्लीनिक का ससमय संचालन करने, चिकित्सकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वहीं शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर में मरीज के लिए निशुल्क जांच सुविधा उपलब्ध कराने तथा क्लीनिक का व्यापक प्रचार प्रसार करने का भी निर्देश दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त सन्नी राज, सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा के अलावा अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

होमगार्ड बहाली प्रक्रिया जल्द पूरी होगी : उपायुक्त

धनबाद (कासं) : होमगार्ड बहाली प्रक्रिया को शीघ्र पूरा

कराने की मांग को लेकर सफल अभ्यर्थियों का एक प्रतिनिधिमंडल धनबाद समाहरणालय पहुंचा। इस दौरान अभ्यर्थियों ने उपायुक्त आदित्य रंजन से मुलाकात कर बहाली प्रक्रिया में हो रही देरी से अवगत कराया और जल्द नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी कराने की मांग की। अभ्यर्थियों ने उपायुक्त को बताया कि धनबाद जिले में होमगार्ड बहाली की प्रक्रिया विगत ६ से शुरू होकर २७ अप्रैल तक चली थी। इस भर्ती प्रक्रिया में कुल ११९० अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए। इसके बाद विगत ८ जून को मेरिट सूची भी जारी कर दी गई लेकिन एक महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद आगे की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी है। इससे सफल अभ्यर्थियों में असमंजस और चिंता का माहौल है।

अभ्यर्थियों का कहना है कि लंबे समय से नियुक्ति का इंतजार कर रहे युवाओं का भविष्य अधर में लटका हुआ है। कई अभ्यर्थियों ने अन्य रोजगार के अवसर भी छोड़ दिए हैं और अब वे प्रशासन से जल्द नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने की मांग कर रहे हैं। उपायुक्त आदित्य रंजन ने अभ्यर्थियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि बहाली प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त के इस आश्वासन के बाद अभ्यर्थियों में उम्मीद जगी है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रशासन जल्द ही शेष औपचारिकताएं पूरी कर नियुक्ति प्रक्रिया को अंतिम रूप देगा।

पेमिया ऋषिकेश विश्वविद्यालय को झारखंड कैबिनेट से मिली स्वीकृति

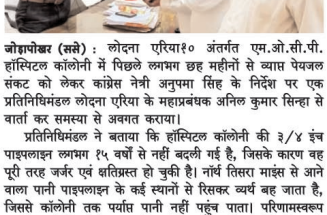

कतरास (ससे) : भेलाटांड़ बांसकपुरिया में शिक्षाप्रेमियों की बैठक में सत्तारूढ़ पार्टी के मुख्य सचेतक मथुरा प्रसाद महतो के पुत्र व यूवा नेता दिनेश कुमार महतो ने ऋषिकेश महतो मेमोरियल पब्लिक एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा प्रस्तावित पेमिया ऋषिकेश विश्वविद्यालय चंदनकियारी, बोकारो को झारखंड कैबिनेट द्वारा स्वीकृति दिए जाने को ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण क्षण बताया। कहा कि यह उपलब्धि झारखंड में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत है, जो आने वाली पीढ़ियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध एवं नवाचार के नए अवसर प्रदान करेगी। कहा कि इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं झारखंड सरकार के प्रति हम हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करते हैं। कहा कि आप सभी के सहयोग, विश्वास एवं शुभकामनाओं से हम शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता की नई ऊँचाइयों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

डीआरएम ने बरकाकाना स्टेशन व बरवाडीह केंद्रीय विद्यालय का किया निरीक्षण

धनबाद (कासं) : मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र ने बरकाकाना स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्टेशन परिसर, पार्किंग क्षेत्र, कोचिंग लाइन तथा कंट्रोल कार्यालय का जायजा लेते हुए यात्री सुविधाओं, परिचालन व्यवस्था, स्वच्छता, रखरखाव कार्यों एवं उपलब्ध आधारभूत संसाधनों की गहन समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा एवं संरक्षा मानकों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करने, यात्री सुविधाओं में निरंतर सुधार लाने तथा परिचालन दक्षता एवं कार्यकुशलता को और सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके उपरांत मंडल रेल प्रबंधक द्वारा बरवाडीह स्थित केंद्रीय विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया गया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने तथा परिसर की सुरक्षा एवं स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर मंडल के अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

पेयजल समस्या को ले प्रतिनिधिमंडल जीएम से मिले

जोड़ापोखर (ससे) : लोदना एरिया१० अंतर्गत एम.ओ.सी.पी. हॉस्पिटल कॉलोनी में पिछले लगभग छह महीनों से व्याप्त पेयजल संकट को लेकर कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह के निर्देश पर एक प्रतिनिधिमंडल लोदना एरिया के महाप्रबंधक अनिल कुमार सिन्हा से वार्ता कर समस्या से अवगत कराया।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि हॉस्पिटल कॉलोनी की ३/४ इंच पाइपलाइन लगभग १५ वर्षों से नहीं बदली गई है, जिसके कारण वह पूरी तरह जर्जर एवं क्षतिग्रस्त हो चुकी है। नॉर्थ तिसरा माइंस से आने वाला पानी पाइपलाइन के कई स्थानों से रिसकर व्यर्थ बह जाता है, जिससे कॉलोनी तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पाता। परिणामस्वरूप स्थानीय लोगों, विशेषकर महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई परिवारों को पानी के लिए नदीतालाब एवं अन्य वैकल्पिक स्रोतों पर निर्भर होना पड़ रहा है। महाप्रबंधक अनिल कुमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं एजेंट को तत्काल क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत कराने का निर्देश दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि आवश्यक कार्रवाई शीघ्र प्रारंभ कर कॉलोनी में नियमित एवं निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल ने महाप्रबंधक के सकारात्मक रुख एवं त्वरित पहल के लिए उनका आभार व्यक्त किया तथा उम्मीद जताई कि शीघ्र ही हॉस्पिटल कॉलोनी के लोगों को पेयजल संकट से राहत मिलेगी। इस अवसर पर कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह के प्रतिनिधि सतपाल सिंह, ब्रोका, भोला साहनी, सतनारायण साव, बबलू मुंडा एवं प्रीतम कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

गृह राज्य मंत्री से सीएमडी ने की शिष्टाचार भेंट

धनबाद (कासं) : भारत सरकार के गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय से सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान श्री अग्रवाल ने मंत्री के साथ बीसीसीएल की खनन गतिविधियों की सुरक्षा, कोकिंग कोयले के सुरक्षित एवं निर्बाध उत्पादन तथा इसके लिए आवश्यक सुरक्षा संबंधी उपायों पर विस्तृत चर्चा की।

बैठक के दौरान मंत्री ने सीएमडी श्री अग्रवाल को आश्वस्त किया कि अवैध खनन, कोयला चोरी तथा अन्य सुरक्षा संबंधी चुनौतियों के प्रभावी समाधान के लिए भारत सरकार हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि कोकिंग कोयला देश के लिए महत्वपूर्ण खनिज है तथा इसके सुरक्षित एवं सतत उत्पादन के लिए अनुकूल एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना भारत सरकार की

प्राथमिकताओं में शामिल है।

माननीय मंत्री ने इस बात पर भी बल दिया कि भारत की आयातित कोकिंग कोयले पर निर्भरता को कम करने में बीसीसीएल की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस्पात उद्योग के लिए आवश्यक कोकिंग कोयले का घरेलू उत्पादन बढ़ाकर बीसीसीएल 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने सुरक्षित एवं निर्बाध घरेलू कोकिंग कोयला उत्पादन को राष्ट्रीय सामरिक महत्व का विषय बताया।

बैठक के दौरान बीसीसीएल की खनन परिसंपत्तियों एवं परिचालन की सुरक्षा में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की भूमिका की भी समीक्षा की गई। दोनों पक्षों के बीच सीआईएसएफ की तैनाती को और सुदृढ़ बनाने तथा समग्र सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी करने के उपायों पर भी विचारविमर्श हुआ, ताकि अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण, राष्ट्रीय परिसंपत्तियों की सुरक्षा तथा कोकिंग कोयले का सुरक्षित, दक्ष एवं निर्बाध उत्पादन सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक सकारात्मक एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। इस दौरान बीसीसीएल की खनन गतिविधियों की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने तथा कोकिंग कोयले के सुरक्षित, सतत एवं निर्बाध उत्पादन के लिए आवश्यक उपायों पर सहमति व्यक्त की गई।

निरसाचट्टी पोस्ट ऑफिस का हाल बदहाल

निरसा (कासं) : धनबाद जिले के निरसा में निरसा चट्टी पोस्ट ऑफिस है जिसका पिन न० ८२८२०५ है। डाकघर अपने बदहाल जीवन पर आज आंसू बहा रहा है। घनी आबादी के बीच राष्ट्रीय उच्च पथ १९ पर यह डाकघर स्थित है। इसकी स्थापना आजादी के पूर्व १८५४ हुई बताई जाती है। जैसे जैसे विकास हुआ सड़कों का भी विकास हुआ। सड़कें सिर्फ चौड़ी ही नहीं हुई बल्कि उसकी ऊंचाई भी बढ़ती गई। जिसका नतीजा हुआ कि निरसाचट्टी डाकघर २० फिट नीचे हो गया।

सड़क से डाकघर में जाने आने का समुचित रास्ता तक नहीं रह गया है। सड़क से २० फिट गहराई में उतरना उम्र प्राप्त महिला व पुरुष को जान जोखिम में डालने जैसा है। बरसात का मौसम है, फिसलन भरी २० फिट गहराई में उतरना कितना जोखिम भरा होता है, अनुमान लगाया जा सकता है। अगर दुर्घटना हुई तो जिम्मेवारी कौन लेगा। क्या विभाग जिम्मा लेगा ? जबकि इस डाकघर से प्रतिदिन लाखों का ट्रांजेक्शन होता है। डाकघर का भवन भी काफी जर्जर हालत में है। छतों से पानी टपकता है, दीवार का प्लास्टर गिर रहा है। डाकघर के चारों तरफ जंगल-झाड़ उग आए हैं। दुर्भाग्य है डाक विभाग के वरीय अधिकारियों का आना जाना लगा रहता है। डाकघर की बदहाल हालत देख कर भी वे लापरवाह बने हुए हैं। क्या डाकघर की बदहाल हालत, सड़क की समुचित व्यवस्था कराने की दिशा में ठोस कार्रवाई करेंगे?

ऊंची पहाड़ी पर माँ काली की मंदिर उपेक्षा के बीच अनमोल धरोहर

केंदुआ (ससे) : कोयलांचल की धरती धनबाद अपनी खदानों और औद्योगिक पहचान के लिए जानी जाती है, लेकिन इसी धरती पर एक ऐसा धार्मिक स्थल भी मौजूद है, जहां आस्था और प्रकृति का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। बीसीसीएल के खास कुसुंडा एरिया-६ स्थित गोंदूडीह ओपी क्षेत्र में ऊंची पहाड़ी पर विराजमान माँ पहाड़ी काली मंदिर श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का केंद्र है। यह मंदिर बीसीसीएल द्वारा निर्मित वृंदावन ईको पार्क के बीच स्थित है। प्राकृतिक सौंदर्य से घिरा यह स्थान धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है, लेकिन सड़क और रख-रखाव के अभाव में आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। स्थानीय लोग वर्षों से इस क्षेत्र को धार्मिक एवं पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग कर रहे हैं। धनबाद के गोंडूडीह ओपी क्षेत्र अंतर्गत खास कुसुंडा कोलियरी में कोयला उत्पादन के दौरान निकले ओवरबर्डन (ओबी) डंप के ऊंची पहाड़ी का निर्माण हुआ। बाद में बीसीसीएल ने इस पहाड़ी को विकसित कर वृंदावन ईको पार्क का स्वरूप दिया।

हरियाली, प्राकृतिक वातावरण और ऊंचाई से दिखाई देने वाला धनबाद का मनोरम दृश्य इस स्थान को बेहद आकर्षक बनाता है। इसी पहाड़ी की चोटी पर माँ पहाड़ी काली का भव्य मंदिर स्थापित किया गया, जो आज पूरे कोयलांचल क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यह मंदिर धनबाद का संभवतः एकमात्र ऐसा काली मंदिर है, जो जमीन से करीब ४ सौ फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को माँ काली के दर्शन के साथ-साथ पूरे कोयलांचल का विहंगम दृश्य देखने का सौभाग्य मिलता है। सुबह और शाम के समय यहां का प्राकृतिक नजारा लोगों को मंत्रमुग्ध कर देता है। चारों ओर फैली हरियाली, पहाड़ियों की ठंडी हवा और शांत वातावरण श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति का अनुभव कराता है। मंदिर में पूरे वर्ष श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है, लेकिन चैत्र और शारदीय नवरात्र, काली पूजा, दीपावली तथा अमावस्या के अवसर पर यहां हजारों श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। मंदिर परिसर घंटियों की मधुर ध्वनि, मंत्रोच्चार और जयकारों से गूंज उठता है। स्थानीय लोगों और पुजारियों का मानना है कि सच्चे मन से मांगी गई हर मनोकामना यहां अवश्य पूर्ण होती है। इसी विश्वास के साथ दूर-दूर से लोग परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और सफलता की कामना लेकर यहां आते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि इतनी बड़ी धार्मिक और प्राकृतिक धरोहर आज उपेक्षा का शिकार बनी हुई है। बीसीसीएल द्वारा निर्मित ईको पार्क और मंदिर का समुचित रख-रखाव नहीं हो पा रहा है। सबसे बड़ी समस्या मंदिर तक पहुंचने वाली सड़क की है। पहाड़ी तक जाने के लिए पक्की सड़क नहीं होने के कारण बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे काफी कठिनाई का सामना करते हैं। बरसात के मौसम में रास्ता और भी खतरनाक हो जाता है, जिससे श्रद्धालुओं की संख्या प्रभावित होती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि मंदिर तक बेहतर सड़क, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, सुरक्षा, पार्किंग और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करा दी जाएं, तो यह स्थान न केवल धनबाद बल्कि पूरे झारखंड का प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन केंद्र बन सकता है। सड़क नहीं होने के कारण यहां शादी-विवाह, धार्मिक अनुष्ठान और अन्य सामाजिक कार्यक्रम भी आयोजित नहीं हो पाते, जबकि प्राकृतिक दृष्टि से यह स्थान ऐसे आयोजनों के लिए बेहद उपयुक्त माना जाता है।

स्थानीय नागरिकों ने बीसीसीएल, जिला प्रशासन और झारखंड सरकार से मांग की है कि गोंदूडीह स्थित वृंदावन ईको पार्क और पहाड़ी माँ काली मंदिर का समग्र विकास किया जाए। उनका कहना है कि यदि इस स्थल का सौंदर्यीकरण कर बेहतर सड़क, पर्यटन सुविधाएं और नियमित रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए, तो यह स्थान धनबाद की नई पहचान बन सकता है और धार्मिक पर्यटन के माध्यम से स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

धनबाद की यह ४ सौ फीट ऊंची पहाड़ी केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि आस्था, प्रकृति और सांस्कृतिक विरासत का अनूठा संगम है। जरूरत है कि बीसीसीएल, जिला प्रशासन और राज्य सरकार मिलकर इस धरोहर को नई पहचान दें, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इस दिव्य स्थल की भव्यता और प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव कर सकें। फिलहाल श्रद्धालुओं की निगाहें विकास की उस राह पर टिकी हैं, जो इस जागृत मंदिर और वृंदावन ईको पार्क को उसकी वास्तविक पहचान दिला सके।

कृषि रथ को किया गया रवाना

बलियापुर (ससे) : प्रखंड कार्यालय परिसर से कृषि रथ को बलियापुर की प्रमुख पिंकी देवी, बीडीओ प्रभाष चन्द्र दास, सीओ मुरारी नायक ने हरी झंडी दिखाकर क्षेत्र के लिए रवाना किया। कृषि रथ बलियापुर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में भ्रमण कर खरीफ के इस मौसम में किसानों को आधुनिक तरीके से खरीफ की खेती के लिए जागरूकता पैदा करने का काम करेगी। मौके पर थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार, जिला परिषद सदस्य उषा महतो, विधायक प्रतिनिधि हीरालाल मोदक, प्रमुख प्रतिनिधि विजय रजक, सुबल महतो आदि मौजूद थे।

एसएसपी के निर्देश पर चला एंटी क्राइम चेकिंग अभियान

धनबाद (कासं) : वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के पर जिले भर में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस की टीमों ने प्रमुख चौक-चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष जांच अभियान चलाया।

इस दौरान कुल १४४७ वाहनों की सघन जांच की गई। पुलिस द्वारा वाहनों के कागजातों का किया गया तथा वाहन चालकों से आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। जिन वाहनों के कागजात सही नहीं पाए गए उन्हें आवश्यक निर्देश भी दिए गए और चालान भी काटा गया।

आईएसएम में गुरु दक्षता फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम शुरू

धनबाद (कासं) : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान आईआईटी-आईएसएम धनबाद के मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर के तहत २४ दिवसीय ऑनलाइन गुरु दक्षता फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम की शुरुआत हुई। ३ से २९ जुलाई तक चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य देशभर के उच्च शिक्षण संस्थानों में नव नियुक्त शिक्षकों को प्रभावी शिक्षण के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और दक्षताओं से सशक्त बनाना है।

कार्यक्रम का ऑनलाइन उद्घाटन एमएमटीटीसी की निदेशक प्रो. मृणालिनी पांडेय ने किया। उन्होंने एमएमटीटीसी की ओर से पिछले कुछ वर्षों में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम, फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम और कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम जैसे कार्यक्रम शिक्षकों के पेशेवर विकास और संस्थागत क्षमता को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. रोहित पी. जॉन ने कहा कि यह इंडक्शन प्रोग्राम नए शिक्षकों को उच्च शिक्षा के बदलते परिवेश, राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों और विद्यार्थी-केंद्रित शिक्षण पद्धतियों से परिचित कराने के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक माहौल में शिक्षकों के लिए अपने शिक्षण, मार्गदर्शन और मेंटरिंग कौशल को लगातार बेहतर बनाना बेहद जरूरी है।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का समापन २९ जुलाई को होगा। डॉ. राजालिंगम थंगावेल ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम शिक्षकों के पेशेवर और संस्थागत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने इस पहल के सफल आयोजन के लिए शिक्षा मंत्रालय और एमएमटीटीसी के सहयोग की सराहना की। देशभर के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों से बड़ी संख्या में शिक्षक इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। अगले २४ दिनों के दौरान देश के २४ प्रमुख शिक्षण संस्थानों के २४ प्रतिष्ठित शिक्षाविद प्रतिभागियों को कुल ४८ व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम का पहला व्याख्यान प्रो. कुमार सुरेश ने दिया।

उन्होंने उच्च शिक्षा में वैश्विक रुझानों, सुधारों, चुनौतियों और संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। इस फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम में उच्च शिक्षा का इकोसिस्टम, पाठ्यक्रम डिजाइन, आउटकम बेस्ड लर्निंग, चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, टीचिंग-लर्निंग एवं असेसमेंट,एजुकेशनल टेक्नोलॉजी, पर्सनल एवं इमोशनल डेवलपमेंट, काउंसलिंग, रिसर्च, प्रोफेशनल डेवलपमेंट,केडमिक लीडरशिप, एकेडमिकइंटीग्रिटी, संवैधानिक मूल्य, मानवाधिकार, पर्यावरण संरक्षण, सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स तथा स्ट्रेटेजिक प्लानिंग एवं मैनेजमेंट जैसे दस प्रमुख मॉड्यूल शामिल किए गए हैं।

एसआईआर के सफल क्रियान्वयन हेतु स्थापित होंगे मतदाता सहायता केंद्र : उपायुक्त

गिरिडीह (ससे): भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चलाए जा रहे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के सफल एवं सुचारू क्रियान्वयन को लेकर जिला प्रशासन लगातार आवश्यक तैयारियों में जुटा हुआ है। इसी क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव के निर्देश पर जिले के सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता सहायता केंद्र स्थापित किए जाएंगे, ताकि मतदाताओं को अभियान से संबंधित सभी आवश्यक सेवाएं एवं जानकारी एक ही स्थान पर सहजता से उपलब्ध हो सके।

उपायुक्त ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ३० जून २०२६ से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत मतदाताओं को डखठ प्रक्रिया भरने, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी, मतदाता सूची में नाम खोजने , त्रुटि सुधार सहित अन्य निर्वाचन संबंधी सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सहायता केंद्र संचालित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर इन सहायता केंद्रों के संचालन एवं पर्यवेक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी अपने स्तर से प्रशिक्षित एवं अनुभवी कर्मियों की प्रतिनियुक्ति करेंगे, ताकि आम नागरिकों को त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिल सकें।

उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि सहायता केंद्रों के सुचारू संचालन के लिए कंप्यूटर सेट, प्रिंटर, इंटरनेट कनेक्टिविटी सहित अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मतदाता सहायता केंद्रों के माध्यम से मतदाताओं को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े तथा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को अधिक प्रभावी एवं जनसहभागिता आधारित बनाया जाए।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने जिले के सभी पात्र मतदाताओं से अपील की है कि वे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता निभाएं तथा आवश्यकता पड़ने पर अपने निकटतम मतदाता सहायता केंद्र से संपर्क कर उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि शुद्ध, त्रुटिरहित एवं अद्यतन मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है, जिसके निर्माण में प्रत्येक मतदाता की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू

बलियापुर (ससे) : स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से

प्रखंड स्तरीय ६५वीं सुब्रतो कप एवं लिटिल चैंप फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ। खेतटांड़ मैदान में तीन दिनों तक चलने वाले इस फुटबाल प्रतियोगिता में प्रखंड के ढाई दर्जन से भी अधिक स्कूलों की टीमें भाग ले रही है। प्रथम दिन लिटिल बच्चियों के बीच आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में उत्क्रमित मध्य विद्यालय खेतटांड़ की टीम ने बालिका मध्य विद्यालय बलियापुर की टीम को दो शून्य से पराजित कर टूर्नामेंट जीत ली। वही अंडर १७ वर्ष बालिका वर्ग की फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय बलियापुर की टीम ने उत्क्रमित उच्च विद्यालय डांगेपाड़ा की टीम को दो शून्य से पराजित किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन सिंदरी के विधायक चंद्रदेव महतो ने किया। विधायक ने छात्र-छात्राओं के लिए पठन-पाठन के साथ-साथ खेलकूद भी आवश्यक बताया। मौके पर प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी रीना कुमारी, उप प्रमुख आशा देवी, जिला परिषद सदस्य उषा महतो, मुखिया संजय गोराई, दिलीप कुमार महतो, बीपीओ राकेश प्रसाद, आदित्य प्रसाद मिर्धा, विधायक प्रतिनिधि हीरालाल मोदक, विजय रजक आदि थे। यह प्रतियोगिता आगामी ५ जुलाई तक चलेगा।

अभिभावक व शिक्षकों की संगोष्ठी आयोजित

जोड़ापोखर (ससे) : अल्कडीहा उत्क्रमित उच्च विद्यालय जीनागोड़ा कोलियरी में अभिभावक और शिक्षकों के संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका नेतृत्व प्रभारी प्रधानाध्यापक हरि महतो ने किया। सबसे पहले बच्चों के द्वारा विद्यालय के मुख्य द्वार पर सभी अभिभावकों को फूलों से स्वागत किया गया।

बैठक में आए हुए सभी अभिभावकों का अभिवादन विद्यालय के प्रधानाध्यापक हरि महतो ने किया। उन्होंने बताया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में पीटीएम बहुत ही आवश्यक है और उन्होंने अभिभावकों से कहा कि बच्चों की उपस्थिति १०० प्रतिशत करने में हमें सहायता करें। इस प्रकार विभिन्न सारे मुद्दों पर चर्चा किया गया। विद्यालय के पोषक क्षेत्र में ५ से १८ वर्ष के आयु वर्ग का कोई भी बच्चा अनामांकित न रहे। बच्चों को मिलने वाला प्रोत्साहन राशि, पोशाक आदि पर भी चर्चा हुआ।

आखिरकार मजदूर को मिला आवास

जोड़ापोखर (ससे) : लोदना क्षेत्र में वर्षों से जूझ रहे एक मजदूर को आखिरकार राहत मिलने के बाद राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ की सक्रियता एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है। एनटी-एसटी जीनागोरा में कार्यरत मैकेनिकल फिटर मो. हसनैन पिछले लगभग १० वर्षों से कंपनी आवास के लिए प्रबंधन एवं विभिन्न श्रमिक के चक्कर काट रहे थे।

इस दौरान प्रबंधन द्वारा कई बार अलग-अलग स्थानों पर उनके नाम से आवास आवंटित किया गया, लेकिन हर बार किसी न किसी कारण से उन्हें आवास का वास्तविक कैंजा नहीं मिल सका। बताया जाता है कि विरोध के कारण कई बार आवंटन रद्द भी दिया गया। दूसरी ओर, अग्नि प्रभावित क्षेत्र घोषित होने के कारण लोदना छह नंबर स्थित पुराने कंपनी आवास को खाली कर सुरक्षित स्थान पर जाने का नोटिस भी उन्हें मिल चुका था, जिससे उनके सामने रहने की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई थी।

काफी समय तक समाधान नहीं निकलने मो. हसनैन ने राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ के महामंत्री ललन चौबे से मुलाकात कर अपनी पूरी समस्या रखी। महामंत्री के निर्देश पर लोदना क्षेत्र के क्षेत्रीय सचिव धर्मेन्द्र कुमार सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रबंधन से लगातार वार्ता की और विभिन्न स्तरों पर प्रयास शुरू किए। जाता है कि कई तरह के विरोध और विवाद के बावजूद अंततः मो. हसनैन को भागा स्थित ऑफिसर्स कॉलोनी में कंपनी आवास आवंटित कराकर उसका विधिवत हैंडओवर दिलाया गया तथा उन्हें नए आवास में शिफ्ट भी कराया गया। इस पहल के बाद मजदूरों के बीच राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर संघ विशेष रूप से क्षेत्रीय सचिव धर्मेन्द्र कुमार सिंह की सक्रिय भूमिका की चर्चा तेज हो गई है।

क्षेत्र के कई मजदूरों का कहना है कि जब अन्य माध्यमों से समाधान की उम्मीद खत्म हो जाती है, तब धर्मेन्द्र कुमार सिंह मजदूरों की समस्याओं को गंभीरता से उठाकर उनके समाधान का प्रयास करते हैं। आवास, स्थानांतरण, श्रमिक हितों और अन्य मामलों में उनकी सक्रियता के कारण वे क्षेत्र में एक संघर्षशील एवं जुझारू यूनियन नेता के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। मजदूरों का मानना है कि वे हर सुख-दुख में उनके साथ खड़े रहते हैं और प्रबंधन के समक्ष उनकी समस्याओं को मजबूती से रखते है।

सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता में मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय बना चैम्पियन

डुमरी (ससे): प्रखंड स्तरीय ६५वीं सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल टूर्नामेंट के अंडर १५ बालक वर्ग के मुकाबले शुक्रवार को पीएनडी जैन उच्च विद्यालय के मैदान हुए।आज खेल के तीसरे दिन उमवि मंगलूहार,उउवि गलागी, उउवि रोशनाटुंडा,पीएनडी जैन उच्च विद्यालय,एसएम एस ओई विद्यालय डुमरी,नगरी,परसाटांड की टीमें प्रतियोगिता में भाग लिया।बीपीओ गणेश मुखर्जी और नोडल शिक्षक अनूप कुमार के दिशा-निर्देशन में सभी आठ टीमों के बीच मुकाबला कराया गया।अनूप कुमार ने बताया कि पहला मैच उत्क्रमित मध्य विद्यालय मंगलूहार और प्लस टू उच्च विद्यालय असुरबाँध के बीच खेला गया जिसमें असुरबांध की टीम ने शानदार मैदानी गोल करते हुऐ मंगलूहार की टीम को १- ० गोल से पराजित किया।पहला सेमीफाइनल मुकाबला पीएनडी जैन उच्च विद्यालय इसरी बाजार और उउवि नगरी के बीच हुआ,जिसमें जैन उच्च विद्यालय की टीम को ३-२ के पेनाल्टी गोल से नगरी की टीम से शिकस्त मिली।दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला प्लस टू विद्यालय असुरबांध और मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय डुमरी के बीच खेला गया जिसमें मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय डुमरी २-० के मैदानी गोल से विजेता घोषित हुई।फाईनल मुकाबला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय डुमरी और उउवि नगरी के बीच खेला गया।इस रोमांचक मुकाबले में मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय डुमरी की टीम १- ० के मैदानी गोल से नगरी की टीम को पराजित किया।बीपीओ एवं नोडल शिक्षक ने मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय डुमरी की टीम को विजेता का कप प्रदान किया।प्रखंड सुब्रतों कप फुटबॉल प्रतियोगिता खेल समिति सदस्य देवेश कुमार देव ने मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय के खेल शिक्षक और कोच ब्रजदीश कुमार और खिलाडियों को जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनायें दी। मैच रेफरी दयानन्द कुमार,रौशन कुमार पांडेय,नरेश महतो, शिवशंकर यादव, गणेश महतो, महेन्द्र महतो मैदान में सक्रिय रहे।जानकी हरिजन,लीलमुनी देवी, दशरथ महतो,देवेश कुमार देव,निलेश कुमार,नरेश कुमार, विजय कुमार ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। देव ने बताया कि तीन दिवसीय यह मुकाबला आज समाप्त हो गया।कल लिटिल चैम्पस के दो दिवसीय प्रतियोगिता की शुरुआत विद्यालय के प्रांगण में होगी।

बरई स्कूल में अभिभावक-शिक्षक बैठक में शिक्षा गुणवत्ता पर चर्चा

नावाडीह (बेरमो) (ससे): नावाडीह प्रखंड के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय बरई में शुक्रवार को अभिभावक शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया । बैठक में विद्यालय के साफ सफाई, पठन पाठन पर चर्चा किया गया

। साथ ही बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन, कमज़ोर विषयों में सुधार व कक्षा में उनके व्यवहार पर चर्चा करते हुए बेहतर तालमेल बनाकर बच्चे के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर देने का विचार विमर्श किया गया । सांसद प्रतिनिधि दीपू अग्रवाल ने कहा कि कम संसाधन में यह विद्यालय बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने का काम कर रहा है । शिक्षक की कमी है । विभाग को अविलंब शिक्षक पदास्थापित करने के दिशा में पहल करना चाहिए । प्रधानाध्यापक शिवकुमार गोस्वामी ने कहा सभी अभिभावक नियमित रुप से अपने अपने बच्चों को विद्यालय भेजने का काम करें ।

घर पर उनके गतिविधि पर निगरानी रखने की जरुरत है । गोस्वामी ने अभिभावकों से कहा कि यहां फिलहाल शिक्षक की कमी है । शिक्षित युवा स्वेच्छा से बच्चों का क्लास ले सकते है। यहां सहायक शिक्षक गवास्कर कुमार, सहदेव साव, सोनिया महतो, सुनैना देवी, नकुल साव, रूपा देवी, विजय महतो, धर्म महतो, सावन महतो, सुनीता देवी, गुड्डी देवी, झनवा देवी, हिना देवी, पार्वती देवी, फुलेश्वरी देवी आदि उपस्थित थे ।

शिक्षक समन्वय समिति ने किया विदाई समारोह का आयोजन

डुमरी(ससे) शिक्षक समन्वय समिति द्वारा विदाई समारोह का आयोजन कर उत्क्रमित मध्य विद्यालय लक्ष्मणटुंडा के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक मोहम्मद शफीउल्लाह को भावभीनी विदाई दी गई।विदाई समारोह कार्यक्रम की अध्यक्षता दशरथ बढ़ई ने किया।उपस्थित शिक्षकों ने सेवानिवृत्त कर्मी को फूल माला पहनाकर व उपहार देकर भावभीनी विदाई दी।साथ ही उनकी संपूर्ण सेवा काल को याद किया जबकि उनके ईमानदारी एवं कार्य कुशलता का बखान किया गया।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

पुलिस मुख्यालय में आरबीआई का जागरूकता शिविर

धनबाद (कासं) : ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी और साइबर अपराध के लगातार बढ़ते मामलों पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और धनबाद पुलिस ने संयुक्त पहल शुरू की है। इसी क्रम में जिला पुलिस में आरबीआई की ओर से प्रशिक्षण सह जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस पदाधिकारियों को वित्तीय अपराधों की बदलती प्रकृति, जांच की आधुनिक तकनीकों तथा आम नागरिकों को साइबर ठगी से बचाने के उपायों से अवगत कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर नगर पुलिस अधीक्षक ऋत्विक श्रीवास्तव, ग्रामीण पुलिस अधीक्षक एस. मोहम्मद याकूब, सीसीआर डीएसपी प्रदीप कुमार साव, कई पुलिस पदाधिकारी तथा आरबीआई के कई अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि डिजिटल लेनदेन के बढ़ते चलन के साथ ऑनलाइन वित्तीय के मामलों में भी तेजी से वृद्धि हुई है। साइबर अपराधी हर दिन नएनए तरीके अपनाकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं, जिससे आम नागरिकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। ऐसे मामलों की बढ़ती संख्या पुलिस के लिए भी बड़ी चुनौती बन चुकी है। मामले की जांच पूरी होने से पहले ही कई नए मामले सामने आ जाते हैं। ऐसे में पुलिस बल को आधुनिक वित्तीय अपराधों की समझ और तकनीकी दक्षता से लैस करना समय की आवश्यकता है।

एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि साइबर अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने के पुलिस लगातार अपनी क्षमता बढ़ा रही है। आरबीआई के सहयोग से आयोजित यह प्रशिक्षण पुलिस अधिकारियों को न केवल अनुसंधान को और अधिक प्रभावी बनाने में मदद करेगा, बल्कि वित्तीय अपराधों की रोकथाम और आम जनता को जागरूक करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्रशिक्षण सत्र में रांची से आरबीआई के अधिकारियों उदिप्त प्रकाश और अश्वनि ने पुलिस अधिकारियों को बढ़ते वित्तीय अपराधों में आरबीआई की भूमिका, वित्तीय एवं उपभोक्ता संरक्षण से जुड़े प्रावधानों तथा विभिन्न नियामकीय व्यवस्थाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिस कर्मियों को वित्तीय अपराधों की पहचान, जांच रोकथाम के लिए आवश्यक ज्ञान एवं कौशल प्रदान करना है ताकि साइबर ठगों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। आरबीआई के अधिकारियों ने प्रशिक्षण के दौरान एनबीएफसी (गैरबैंकिंग वित्तीय कंपनियों), अनिगमित निकायों तथा जमा स्वीकार करने वाली संस्थाओं से संबंधित नियमों एवं दिशा-निर्देशों की जानकारी भी दी। ही बताया कि किस प्रकार फर्जी निवेश योजनाओं और अवैध वित्तीय गतिविधियों के जरिए लोगों को ठगी का शिकार बनाया जाता है। शिविर में पुलिस अधिकारियों को साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जा रहे नवीनतम तरीकों से भी अवगत कराया गया। इसमें डिजिटल अरेस्ट, मल्टी लेवल मार्केटिंग (एमएलएम) योजनाएं, ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म, प्रतिरूपण (इम्पर्सोनेशन), वित्तीय साइबर अपराध, अवैध लोन ऐप तथा अन्य आधुनिक साइबर ठगी के तरीकों पर विस्तार से चर्चा की गई। आरबीआई के अधिकारियों ने इन अपराधों की पहचान, जांच की प्रक्रिया तथा अपराधियों तक पहुंचने के प्रभावी उपायों की भी जानकारी दी।

इसके अलावा अधिकारियों को यह भी बताया गया कि आम नागरिक स्वयं किस प्रकार सतर्क रहकर साइबर ठगी से बच सकते हैं। वित्तीय धोखाधड़ी के शिकार होने पर उपलब्ध कानूनी उपायों, शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया तथा पीड़ितों को मिलने वाली सहायता के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। के अंत में आम जनता से अपील की गई कि यदि किसी भी प्रकार की ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी या साइबर ठगी का शिकार हों तो बिना समय गंवाए राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें या १९३० हेल्पलाइन पर तुरंत संपर्क करें। समय पर शिकायत दर्ज होने से गई राशि वापस मिलने की संभावना काफी बढ़ जाती है। साथ ही लोगों से किसी भी अनजान कॉल, संदिग्ध लिंक, फर्जी निवेश योजना या अवैध लोन ऐप के झांसे में नहीं आने की भी अपील की गई। कार्यक्रम के अंत में एसएसपी प्रभात कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर जरिये मिली जानकारी को जन जन तक पहुचाने के लिए जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस की पाठशाला जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा ताकि साइबर ठगी के खतरों और बचाव से सम्बन्धित जानकारी लोगों से साझा की जा सके।

हाईटेंशन तार की चपेट में आकर युवक झुलसा

धनबाद/जोड़ापोखर (कासं) : भागा रेलवे स्टेशन पर दोपहर एक दर्दनाक हादसे में ३४ वर्षीय युवक हाईटेंशन विद्युत तार की चपेट में आने से गंभीर रूप से झुलस गया। घायल की पहचान जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के शालीमार निवासी मुकेश कुमार के रूप में हुई है। गंभीर अवस्था में उन्हें तत्काल शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल धनबाद में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज जारी है।

घायल के भाई धनिष कुमार ने बताया कि मुकेश स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी के ऊपर चढ़कर उसे पार करने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन ओवरहेड विद्युत लाइन की चपेट में आने से वे गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। परिजनों के अनुसार, मुकेश कुमार मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं और उनका पहले से उपचार चल रहा है।

करमाटांड़, पलानी व सावलापुर में ग्राम देवता की पूजा

बलियापुर (ससे) : करमाटांड़ व सावलापुर गांव में आयोजित ग्राम देवता की पूजा कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ जुटी। करमाटांड़ गांव के ग्राम थान में गांव के (लोया) पुजारी अनिल किस्कू नयन हेंब्रम, रोशन लाल बेसरा एवं राजेंद्र किस्कू ने पारंपरिक विधिविधान के साथ पूजा कार्यक्रम संपन्न कराया। गांव में अच्छी फसल एवं सुख शांति के लिए मन्नते मांगी गई। इस अवसर पर बकरा एवं मुर्गे की बलि दी। वही क्षेत्र के सावलापुर एवं ढांगी गांव में भी विधिवत ग्राम देवता की पूजा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पलानी में ग्राम देवता की पूजा धूमधाम से संपन्न हुआ। विधि विधान से श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना किया। बकरा तथा भेड़ा का बलि चढ़ा कर अपना नियम का पालन किया। लोया सनातन बेसरा, मांझी हाड़ाम विशाल कुमार बेसरा, विश्वजीत बेसरा, लक्ष्मी बेसरा, श्रीकांत बेसरा, समाजसेवी राधिका देवी, अष्टमी बेसरा आदि मौजूद थी। सांवलापुर में सुबल महतो आदि मौजूद थे।

सड़क दुघर्टना में तीन घायल

बलियापुर (ससे) : कुसमाटांड़ के मुनेश्वर महतो, कालीचरण महतो एवं निपानिया गांव के मुक्तेश्वर महतो बीती रात सड़क दुर्घटना में बुरी तरह घायल हो गए। तीनों घायलों का इलाज धनबाद स्थित शहीद निर्मल महतो मेमोरियल हॉस्पिटल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार घायल मुनेश्वर महतो की पुत्री की शादी के बाद उनके बोकारो स्थित ससुराल में आयोजित प्रतिभोज कार्यक्रम में भाग लेने के लिए तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर बोकारो जा रहे थे। बताया जाता है कि चंदनकियारी के पास उन लोगों की बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से तीनों बुरी तरह घायल हो गए। उन लोगों के पीछे से जा रहे आजसू नेता गोपाल महतो ने व तीनों घायलों को इलाज के लिए धनबाद में भर्ती करवाया गया। तीनों की हालत गंभीर बताई जाती है।

बियर बारों पुलिस की छापेमारी, नियमों की हुई सख्त जांच

धनबाद (कासं) : जिले में कानूनब्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा बार एवं रेस्तरां में नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से देर रात धनबाद पुलिस ने विशेष जांच अभियान चलाया। वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के पर डीएसपी विधिब्यवस्था प्रकाश सोय के नेतृत्व में धनबाद थाना क्षेत्र के विभिन्न बियर बारों में औचक छापेमारी की गई। अभियान में धनबाद थाना प्रभारी मनोज पांडेय सहित बड़ी संख्या में पुलिस पदाधिकारी और जवान मौजूद रहे। जांच के दौरान कुकून, डी३, यार्क, लक्सस समेत कई बियर बारों का से निरीक्षण किया गया। पुलिस टीम ने बार संचालकों के लाइसेंस, आवश्यक दस्तावेजों एवं संचालन संबंधी नियमों की जांच की। संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि बार में आने वाले प्रत्येक ग्राहक का नाम, मोबाइल नंबर, प्रवेश एवं निकास का समय अनिवार्य रूप से रजिस्टर में दर्ज किया ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तत्काल जानकारी उपलब्ध हो सके। पुलिस अधिकारियों ने विशेष रूप से नाबालिगों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगाने का निर्देश दिया। साथ ही यह भी कहा गया कि बिना पहचान सत्यापन के किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं दिया जाए। परिसर में सीसीटीवी कैमरे सुचारु रूप से कार्यरत रखने, अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा आपातकालीन सुरक्षा मानकों का पालन करने की भी हिदायत दी गई।

अभियान के दौरान पुलिस ने बारों में मौजूद ग्राहकों से भी पूछताछ की और उनकी पहचान का सत्यापन किया। संदिग्ध प्रतीत होने लोगों से आवश्यक जानकारी ली गई। अधिकारियों ने संचालकों को चेतावनी दी कि यदि भविष्य में किसी भी बार में नियमों की अनदेखी, अवैध गतिविधि, नाबालिगों की मौजूदगी अथवा सुरक्षा मानकों में लापरवाही पाई गई तो संबंधित संचालकों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डीएसपी विधिब्यवस्था प्रकाश सोय कहा कि जिले में शांति एवं कानूनब्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह के औचक निरीक्षण आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे। पुलिस का उद्देश्य लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, अपराध पर प्रभावी नियंत्रण रखना तथा सार्वजनिक स्थलों पर कानून का सख्ती से पालन कराना है।

फरार आरोपी के घर पर ढोल नगाड़ों के साथ चिपकाया इश्तेहार

जोड़ापोखर (ससे) : धनबाद न्यायालय से निर्गत इश्तेहार की तामिल के लिए जोड़ापोखर थाना के एएसआई धर्मेन्द्र कुमार सशस्त्र बल के साथ आरोपी के घर पहुंचे। ढोल नगाड़ों साथ आरोपी प्रवीण कुमार राय उर्फ यशवंत, पिता भीखन राय, निवासी जेलगोरा नंबर ७, चानक के पास, शिव मंदिर के पास, के घर के दरवाजे पर इश्तेहार चिपकाया गया।

इस दौरान आरोपी के पिता भीखन राय और आसपास के लोग मौजूद रहे। एएसआई धर्मेन्द्र कुमार ने वारंटी को अविलंब न्यायालय में उपस्थित कराने का निर्देश दिया। साथ ही चेतावनी दी कि उपस्थित नहीं होने पर अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आरोपी प्रवीण कुमार राय उर्फ यशवंत के खिलाफ धारा ४१४, ३४ भादवि तथा २५(१बी) ए, २६, ३५ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है। गिरफ्तारी वारंट जारी होने के से आरोपी फरार चल रहा है। फिलहाल जोड़ापोखर पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है।

डीएसई शालिनी डुंगडुंग ने संभाला प्रभार

धनबाद (कासं) : धनबाद की नई डीएसई शालिनी डुंगडुंग ने प्रभार

संभाल लिया है। उन्होंने निवर्तमान डीएसई आयुष कुमार से प्रभार लिया। शालिनी मनोहरपुर की क्षेत्र शिक्षा प्रसार पदाधिकारी थी। वहीं आयुष कुमार महिला जिला व प्रशिक्षण संस्थान हजारीबाग के प्राचार्य बनाए गए हैं। शालिनी डुंगडुंग के प्रभार ग्रहण के समय डीईओ अभिषेक झा, एसडीओ एजुकेशन कुमारी स्वाति, बड़ा बाबू श्यामल हलधर, विवेक कुमार, हरि प्रसाद, शालिनी कुमारी, लोकेश कुमार, लाल मोहन मंडल आदि मौजूद थे।

कोल ड्रिंक लोड मारूति वैन जब्त

पुटकी (ससे) : मुनीडीह ओपी क्षेत्र में गुप्त सूचना पर पेप्सी कंपनी के एक मारूति वैन को पकड़ कर मुनीडीह पुलिस को सुपूर्द किया, जिसमें पेप्सी कंपनी सहित अन्य ब्रांड का कोल्ड ड्रिंक लोड था। पेप्सी कंपनी के एरिया मैनेजर अभिषेक कुमार, श्याम ट्रेंड कॉम सोलूयशन के निर्देशक मोनु अग्रवाल, एरिया डिस्ट्रिक्ट विशाल सुलतानियां ने पुलिस को बताया कि चिंटु कुमार केन्दुआ बाजार निवासी मारूति वैन संख्या जेएच १० बी टी ३७७४ से पेप्सी कंपनी सहित अन्य कंपनी का कोल्ड ड्रिंक आइटम पुटकी मुनीडीह आदि क्षेत्र में गुपचुप तरीके से सप्लाई कर रहा है। जबकि वह कंपनी के द्वारा अधिकृत नहीं है। जिससे जीएसटी, सेल टेक्स आदि करों का चोरी कर रहा है। कंपनी को काफी आर्थिक छति हो रहा है। अधिकारियों ने जब्त माल ओरिजनल है की नहीं इसपर भी शंका जाहिर किया। मुनीडीह ओपी प्रभारी ने कहा कि कंपनी के अधिकारियों के द्वारा लिखित शिकायत दिया गया है। जांच पड़ताल किया जा रहा है।

नियोजन को ले एटक के बैनर तले धरनाप्रदर्शन

केंदुआ (ससे) : पीबी एरिया ७ के बीएनआर रेलवे साइडिंग के सी एच पी में चल रहे जीएसटी कंपनी का मैन्युअल लोडिंग कार्य सहित अपने ७ सूत्री मांगों को लेकर यूनाइटेड कॉल वर्क्स (एटक) ने अपने बैनर तले एटक नेता चंदन खटीक के नेतृत्व में एक दिवसीय धरना दिया गया। धरना में सैकड़ों की संख्या में पुरुष एवं महिलाएं उपस्थित हुई। कार्यक्रम के दौरान बीसीसीएल प्रबंधन एवं जीटीएस प्रबंधक के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। वही एटक नेता चंदन खटीक ने कहा बीएनआर रेलवे साइडिंग के समीप कार्य कर रही जीटीएस कंपनी स्थानीय बेरोजगारों के साथ भेदभाव कर रही है जो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कंपनी को भी सरकार के गाइडलाइंस के अनुसार ७५ प्रतिशत स्थानीय बेरोजगारों को नियोजन देना होगा।

वही एटक नेता मनोहर पासवान ने भी जीटीएस कंपनी के प्रबंधक पर लगाते हुए कहा कि कंपनी अपना मनमाना रवैया अपनाई हुई है। कुछ पुरानी मजदूरों के साथ शोषण भी कर रही जो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर जल्द ही हमारी ७ सूत्री मांगों पर विचार नहीं किया गया तो हम लोग उग्र आंदोलन करने के लिए भी बाध्य होंगे। चन्दन खटीक अध्यक्ष यूनाइटेड कोल वर्कस एरिया ७, मनोहर पासवान नेता, लीलू बाउरी नेत्री एटक, बिनोद पासवान, गणेश दास, रमेश बाउरी, आदि शामिल थे।

झाकोमयू की बैठक संपन्न

पुटकी (ससे) : दी झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन का बैठक जोनल कार्यलय में हुआ। बैठक की अध्यक्षता ए के सहाय सचिव ने किया। बैठक में पश्चिमी झरिया क्षेत्र और मुनीडीह कोलियरी संगठन की मजबूती व विस्तार पर चर्चा किया गया। सर्वसम्मति से युनियन में रिक्त पदों पर पदाधिकारी नियुक्त किया गया। जिसमें दिपक कुमार पांडेय क्षेत्रीय उपाध्याय, अजय हेम्ब्रम क्षेत्रीय उपाध्याय धीरज कुमार सिन्हा सहायक सचिव, शोभा देवी कोषाध्यक्ष मंगल दास संयुक्त सचिव, दुर्गा गुप्ता सहायक सचिव, रोहित कुमार संगठन सचिव और मुनीडीह कोलियरी कार्यकारी अध्यक्ष काली दास चटर्जी को मनोनीत किया। इस आसय का पत्र पश्चिमी झरिया महाप्रबंधक, क्षेत्रीय प्रबंधक, क्षेत्रीय श्रमायुक्त, परियोजना पदाधिकारी दिया गया है। क्षेत्रीय सचिव बिनोद सिन्हा ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ दी।

अंचल अधिकारी ने सुपरवाइजर को काम में तेजी लाने का दिया निर्देश

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर प्रखंड में अंचलाधिकारी यशवंत कुमार सिन्हा ने सभी सुपरवाइजर के साथ की अध्यक्षता में विशेष बैठक हुई। इसमें अंचल अधिकारी ने सभी सुपरवाइजर से काम में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि वह खुद प्रतिदिन पांच मतदान केंद्र में जाकर काम की प्रगति का जायजा रहे हैं। बीएलओ से संपर्क कर रहे हैं। प्रखंड विकास पदाधिकारी जहीर आलम ने कई मतदान केंद्र पहुंचकर एसआईआर कार्य का निरीक्षण किया।

प्रखंड के सभी २३१ मतदान केंद्र के विशेष गहन पुनरीक्षण २०२६ के तहत बीएलओ द्वारा घरघर जाकर गणना पत्र वितरण एवं का काम शुरू कर दिया गया है। बीडीओ जहीर आलम एवं सीओ यशवंत कुमार सिन्हा की निगरानी में यह काम पूरे प्रखंड में युद्ध स्तर पर चल रहा है। इसमें सभी पत्र नागरिकों को बीएलओ द्वारा द्वारा हर घर जाकर लोगों से संपर्क किया जा रहा है काम में २३१ ब्लू २३१ वॉलिंटियर एवं २३ सुपरवाइजर को लगाया गया है यह काम विगत ३० जून से शुरू हुआ है जो २९ जुलाई तक चलेगा। मतदान केंद्र का पुनर्गठन २९ जुलाई २०२६ तक किया जाएगा। ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन ५ अगस्त को होगा। दावा एवं आपत्तियां अगस्त से ४ सितंबर २०२६ तक दर्ज की जाएगी। नोटिस एवं दावा आपत्ति का निस्तारण ५ अगस्त से ३ अक्टूबर २०२६ तक किया जाएगा अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन ७ अक्टूबर २०२६ को होगा।

एसडीएम एसआईआर का प्रगति पर समीक्षा की

केन्दुआ (ससे) : धनबाद एसडीएम लोकेश बारंगे, पुटकी अंचलाधिकारी विकास आनंद मध्य विद्यालय कुसुंडा में स्थित पोलिंग बूथों निरीक्षण कर एसआईआर का प्रगति पर समीक्षा किए। मौके पर मौजूद सभी बीएलओ, वॉलिंटियर एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि एस आई आर कार्य को जल्द से जल्द प्रगति पर ले जाएं ताकि समय सीमा पर पूर्ण हो। मौके पर सुपरवाइजर, बीएलो, शिक्षकगण बीएलए २ मौजूद थे। जिनमें मुख्य रूप से मनोज राय, विनोद दास, संजीव मिश्रा, परविंदर पासवान, सुनील कुमार, रेशमा खानम, संगीता कुमारी आदि मौजूद थे।

कोयला उत्पादन, प्रेषण व परिचालन संबंधी को ले खान मंत्री ने सीएमडी को दिये आवश्यक निर्देश

धनबाद (कासं) : केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी से सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल ने आज नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान माननीय मंत्री और सीएमडी के बीच विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के दौरान झरिया मास्टर प्लान की कोयला उत्पादन, कोयला प्रेषण (डिस्पैच), परिवहन व्यवस्था तथा बीसीसीएल के परिचालन एवं व्यावसायिक प्रदर्शन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया।

श्री अग्रवाल ने मंत्री को झरिया मास्टर प्लान (जेएमपी) के अंतर्गत परियोजना प्रभावित एवं विस्थापित परिवारों के पुनर्वास की वर्तमान प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने पुनर्वास में की जा रही विभिन्न पहलों के साथ-साथ परियोजना प्रभावित एवं विस्थापित परिवारों के लिए आय एवं आजीविका सृजन के उद्देश्य से बीसीसीएल द्वारा किए जा रहे विभिन्न प्रयासों की भी जानकारी दी।

भेंटवार्ता के दौरान बीसीसीएल की प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति, कोयला उत्पादन एवं आपूर्ति व्यवस्था को और प्रभावी बनाने, परिचालन संबंधी चुनौतियों के समयबद्ध समाधान तथा कंपनी के समग्र प्रदर्शन को और बेहतर बनाने से जुड़े विभिन्न पहलुओं तथा भावी रणनीतियों पर भी विस्तृत चर्चा हुई।

मंत्री जी ने इस दौरान आवश्यक दिशानिर्देश दिए और अपने विचार साझा किए। यह बैठक बीसीसीएल के परिचालन प्रदर्शन और सुदृढ़ बनाने, संसाधनों के बेहतर प्रबंधन तथा कंपनी की दीर्घकालिक विकास रणनीति के विभिन्न पहलुओं पर सकारात्मक एवं रचनात्मक संवाद के रूप में संपन्न हुई।

झारखण्ड शिक्षा परियोजना,जामताड़ा
DISTRICT LEVEL OFFICE BLOCK-C NEW COMBINED BUILDING
DISTRICT- JAMTARA, PHONE/ FAX- 06433-223342, Email –ssajmt1@gmail.com

इच्छा की अभिव्यक्ति से संबंधित सूचना

राज्य परियोजना निदेशक, झा0शि0प0परि0, राँची के पत्रांक 2247 दिनांक 03.06.2026 के आदेश के आलोक में जिला स्तरीय 65वीं सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता 2026–27 का आयोजन दिनांक 08–09 जुलाई 2026 को किया जाना है। जिला स्तरीय 65वीं सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता 2026–27 से संबंधित विस्तृत जानकारी (नियम व शर्तें) झारखण्ड शिक्षा परियोजना, जामताड़ा कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

इच्छुक एजेंसी/फर्म अपना प्रस्ताव/कोटेशन झारखण्ड शिक्षा परियोजना, जामताड़ा कार्यालय, कम्बाईण्ड बिल्डिंग ब्लॉक–सी, तृतीय तल्ला, समाहरणालय, जामताड़ा में दिनांक 07.07.2026 तक हाथों–हाथ अथवा निबंधित डाक द्वारा समर्पित कर सकते हैं।

जिला शिक्षा अधीक्षक–सह–
अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,
समग्र शिक्षा, जामताड़ा

PR 383985 District(26-27).D

कार्यालय – जिला मत्स्य पदाधिकारी, जामताड़ा।
आवेदन पत्र आमंत्रण हेतु सूचना
(मछली–सह– बत्तख पालन)

एतद् द्वारा सरकार के सचिव कृशि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) झारखण्ड राँची के राज्यादेश संख्या 15 दिनांक 23.06.2026 के आलोक में तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026–27 में मछली –सह– बत्तख पालन हेतु जामताड़ा जिला को लक्ष्य प्राप्त है, जिसकी विवरणी निम्नवत है :–

क्र0 सं0	योजना का नाम	भौतिक लक्ष्य	वित्तीय लक्ष्य (लाख में)	भौतिक लक्ष्य	वित्तीय लक्ष्य (लाख में)	भौतिक लक्ष्य	वित्तीय लक्ष्य (लाख में)
		789	789	796	796	796	796
		अनुसूचित जाति	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जन जाति	अनुसूचित जन जाति	अन्य	अन्य
1	मछली–सह–बत्तख पालन	01	1.22680	02	2.45360	01	1.07345

राज्यादेश की कंडिका 12 'ख' के आलोक में इस योजना अन्तर्गत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं महिला कोटि के लाभुकों के लिए राज्य सरकार का अंशदान 80 प्रतिशत (अधिकतम मो0– 1,22,680/– रू0) होगा तथा शेश अंशदान लाभुक का होगा। अन्य सभी कोटि के लाभुकों के लिए राज्य सरकार का अंशदान 70 प्रतिशत (अधिकतम मो0– 1,07,345/– रू0) होगा, शेश सभी राशि लाभुक द्वारा स्वयं वहन किया जायेगा। इसी प्रकार 0.2 हेक्टेयर पर मछली –सह– बत्तख पालन के लिए राज्य सरकार के अंशदान की राशि समानुपातिक रूप से होगी।

चयन की अहर्ताएँ निम्नवत है :–

1. योजना कार्यान्वयन प्रस्तावित स्थल आबादी के नजदीक हो।
2. लाभुक का अपना तालाब (प्रथमिकता एक एकड़ उससे बड़े तालाब) हो अथवा वित्तीय वर्ष 2026–27 से तीन वर्शों की लीज पर हो।
3. जिला मुख्यालय के नजदीक के लाभुकों को प्राथमिकता दी जायेगी।
4. R.F.F के पास के लाभुकों के चयन में ध्यान रखा जाएगा कि R.F.F का लाभुक समूह सक्रिय हो तथा उनका बैंक खाता संचालित हो रहा हो।
5. लाभुकों का cluster में होना श्रैयस्कर होगा।
6. योजना के प्रस्तावित तालाब का फोटो एवं तालाब का कागजात देना अनिवार्य होगा।

उक्त हेतु सुयोग्य आवेदकों Block chain के माध्यम या जिला मत्स्य कार्यालय, जामताड़ा से आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 27.07.2026 को 4.00 बजे अप0 तक निर्धारित की जाती है योजना से संबंधित विशेष जानकारी कार्यालय से संपर्क कर प्राप्त की जा सकती है। जिला मत्स्य कार्यालय जामताड़ा से निशुःल्क आवेदन प्राप्त किया जा सकता है।

ह0/–
जिला मत्स्य पदाधिकारी,जामताड़ा।

PR 383883 Fish(26-27)D

कार्यालय - जिला मत्स्य पदाधिकारी, जामताड़ा

तालाब के मत्स्य पालन से अच्छादन हेतु मत्स्य अंगुलिका के क्रय में सहायता हेतु आवेदन–पत्र आमंत्रण हेतु सूचना

एतद् द्वारा सरकार के सचिव कृषि पशुपाल एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) के राज्यादेश संख्या 15 दिनांक 23.06.2026 के द्वारा तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2026–27 में मत्स्य विभाग, जामताड़ा के द्वारा जिला के प्रशिक्षित मत्स्य पालकों, जिनके पास एक एकड़ या उससे बड़े जलक्षेत्र के सदाबहार तालाब है। निजी क्षेत्र के तथा बन्दोबस्त सरकारी तालाबों के मत्स्य पालन से आच्छादन हेतु स्थानीय स्तर पर उत्पादित मत्स्य अंगुलिकायें के क्रय में 50 प्रतिशत सहायाता अर्थात अधिकतम 1875/– रू0 प्रति एकड़ औसत जलक्षेत्र (लगभग 5000 बीज प्रति एकड़) हेतु अनुदान डी0बी0टी0 के माध्यम से उपलब्ध कराया जायेगा। विभागीय प्रशिक्षण प्राप्त एवं चालू वित्तीय वर्ष में झास्कोफिश/ विभागीय फिश फीड मील से फीड प्राप्त करने वाले मत्स्य कृषकों को प्राथमिकता दी जायेगी। जिला मत्स्य कार्यालय, जामताड़ा से संबंध मत्स्य बीज उत्पादकों से मत्स्य अंगुलिका क्रय किया जाना है। विभाग के द्वारा मत्स्य स्पॉन प्राप्त करने वाले मत्स्य बीज उत्पादक एवं उनके परिवार को यह लाभ देय नहीं होगा।

इस योजना का लाभ लेने हेतु अपने तालाबों की सूची नाम, पता, मोबाईल नं0 तालाब का क्षेत्रफल के साथ तालाब की GPS फोटो एवं मत्स्य पालन प्रशिक्षण पत्र का छायाप्रति आवेदन पत्र के साथ संलग्न करते हुए अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में जमा करना आवश्यक होगा। मत्स्य पालक का चयन सुरक्षित जमा निर्धारण समिति से होने के उपरान्त ही उक्त लाभ देय होगा। आवेदक Blockchain के माध्यम या जिला मत्स्य कार्यालय, जामताड़ा में कार्यालय अवधि में दिनांक 25.07.2026 को अपराह्न 4.00 बजे तक आवेदन जमा कर सकते हैं।

ह0/–
जिला मत्स्य पदाधिकारी, जामताड़ा

PR 383876 Fish(26-27)#D

जिला परिषद, धनबाद

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना सं0 –11/2023-24/DE/ZPDH/DHANBAD/6th Call

मद : 15वें वित्त आयोग (आबद्ध) निधि

क्र.	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राकलित राशि	B.O.Q. का मूल्य	अग्रधन राशि	कार्य समय
1	बाघमारा	माटीगढ़ा पंचायत अन्तर्गत एम–3 में आर.सी.सी. नाली तथा घाट (2 स्टेप) का निर्माण	2,06,500	500	B.O.Q. का 2%	03 माह

1. वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि : दिनांक 08-07-2026
2. ई0–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : दिनांक 18-07-2026 को 5 P.M. बजे तक
3. निविदा खोलने कि तिथि एवं समय : दिनांक 20-07-2026 को 3:00 P.M. बजे।
4. केवल ई–निविदा (E-Tender) ही स्वीकार की जायेगी।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी : जिला अभियंता, जिला परिशद, धनबाद
6. ई–निविदा प्रकोश्ट का दूरभाश संख्या– 8789242462
7. जिला परिशद, धनबाद के अन्तर्गत समुचित श्रेणी से निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग लेगें।
8. परिमाण विपत्र विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। यदि खाता बन्द कर दिया जाता है तो सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
11. योजनाओं की विवरणी एवं अन्य विस्तृत जानकारी वेबसाईट https://jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

ह0/–
जिला अभियंता
जिला परिषद, धनबाद

PR 383920 Rural Development(26-27)#D

कार्यालय गिरिडीह नगर निगम।
Email – (giridihmunicipalcorporation@gmail.com)

आवश्यक सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि संयुक्त नियंत्रण कक्ष, गिरिडीह के बगल में अवस्थित जर्जर भवन को तोड़कर गिरिडीह नगर निगम के द्वारा व्यवसायीक भवन के निर्माण हेतु परियोजना तैयार किया जाना है। उक्त जर्जर भवन को गिरिडीह नगर निगम के द्वारा हटा कर उक्त स्थल की सम्पूर्ण सफाई किये जाने का निर्णय लिया गया है।

उक्त के संदर्भ में आम नागरिकों को यदि किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो गिरिडीह नगर निगम कार्यालय में सूचना प्रकाशन के सात दिनों के अंदर वे अपना आपत्ति दर्ज करेंगे। सात दिनों के उपरांत प्राप्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा तथा गिरिडीह नगर निगम द्वारा परियोजना संबंधी अग्रेत्तर कार्रवाई प्रारंभ कर दी जायेगी।

नगर आयुक्त,
गिरिडीह नगर निगम।

PR 383861 (Urban Development) 26-27 (D)

कार्यालय, जिला अभियंता जिला परिषद गिरिडीह

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

ई0–निविदा संख्या– DE/ZP/GIRIDIH/03/2026-27

ई– निविदा सूचना संख्या – DE/ZP/GIRIDIH/03/2026-27

1. कार्य की विस्तृत विवरणीः– 15वें वित्त आयोग अनाबद्ध मद्।

क्रं0	ग्रूप नं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य अवधि
1	1	Renovation & Beautification of Zila Parishad Old Building (To be Repurposed as Vivah Bhawan) Near Fire Brigade Office under Block Giridih District Giridih	65,96,200.00	1,32,000.00	10,000.00	09 माह
2	2	Construction of Boundary Wall Kitechen Toiled Complex and Main Gate (For Vivah Bhawan) Near Fire Brigade Office under Block Giridih District Giridih	45,97,500.00	92,000.00	10,000.00	06 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 08.07.2026
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय दिनांक 08.07.2026 से दिनांक 15.07.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई–निविदा खोलने का स्थान– जिला अभियंता, जिला परिषद का कार्यालय, गिरिडीह।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय– 17.07.2026 अपराह्न 3:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– जिला अभियंता, जिला परिषद, गिरिडीह।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष संख्या – 7979762672 (संबंधित जिला अभियंता, गिरिडीह का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है। तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही संवेदक की होगी।
11. जिला परिषद, गिरिडीह के समुचित श्रेणी एवं उससे एक उपर के निबंधित संवेदक ही भाग ले सकते है।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
जिला परिषद, गिरिडीह

PR 383863 Rural Development(26-27).D

बिहार में 62,000 करोड़ के घोटाले का आरोप

पटना,(ईएमएस): बिहार में ६२,००० करोड़ रुपये के घोटाले को लेकर अदाणी समूह का नाम विवाद का विषय बन गया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है, एक बड़े बिजली परियोजना के आवंटन में अनियमितताएं हुईं है। आवंटन प्रक्रिया से सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचा। विपक्ष का दावा है, परियोजना का लाभ अदाणी समूह को पहुंचाने के लिए नियमों की अनदेखी की गई है।

कार्यालय- जिला मत्स्य पदाधिकारी, जामताड़ा

आवेदन पत्र आमंत्रण हेतु सूचना

एतद् द्वारा सरकार के सचिव कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) के राज्यादेश संख्या 15 दिनांक 23.06.2026 के द्वारा तालाब तथा जलाशय मत्स्य का विकास एवं जीर्णोद्धार योजनान्तर्गत जामताड़ा जिला के मत्स्य कृषकों/केज मत्स्य पालकों को सूचित किया जाता है कि चालू वित्तीय वर्ष 2026–27 के द्वारा फीड बेस्ड फिशरीज योजना (राज्य योजना) अन्तर्गत मछली उत्पादन में बढ़ोतरी हेतु वित्तीय अनुदान पर फ्लोटिंग फिश फीड निम्नंकित शर्तों के अधीन उपलब्ध कराया जाना है :–

- 2mm अथवा इससे छोटे साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग (खुले बाजार से) क्रय पर 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम मो0 25/– रू0 मात्र प्रति कि0 ग्रा0 फीड की दर से अनुदान देय है, इसकी अधिसीमा निर्धारित है। एक लाभुक को अधिकतम कुल 700 कि0 ग्रा0 2mm अथवा इससे छोटे साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड के क्रय पर मो0 25/– रू0 मात्र प्रति कि0 ग्रा0 के समानुपातिक दर पर अधिकतम मो0 17,500/– रू0 मात्र सरकारी अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाते में डी0बी0टी0 की जाएगी।
- मत्स्य कृषकों/केज मत्स्य पालकों को मछली के उत्पादन हेतु 50 प्रतिशत् अथवा 25/– रू0 प्रति कि0 ग्रा0 अधिकतम् अनुदान पर कम से कम 24 प्रतिशत प्रोटीन गुणवत्तायुक्त 2mm से बड़े 4mm तक का फिश फीड उपलब्ध कराया जाएगा। विभाग द्वारा स्थापित फिश फीड मिल अथवा झास्कोफिश से उत्पादित फिश फीड अथवा प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना अंतर्गत सरकारी अनुदान से स्थापित फिश फीड मिल से उत्पादित फीड पर ही यह लाभ कृषकों को फीड के रूप में ही दिया जाएगा।
- केज मत्स्य पालाकों को 2mm से बड़े 4mm तक साईज के अथवा इससे छोटे साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड (खुले बाजार से) क्रय पर 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम मो0 25/– रू0 मात्र प्रति कि0 ग्रा0 फीड की दर से सरकारी अनुदान देय है, इसकी अधिसीमा निर्धारित है। एक लाभुक को अधिकतम कुल 1500 कि0 ग्रा0 2mm से बड़े 4mm तक साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड के क्रय पर भी मो0 25/– रू0 मात्र प्रति कि0 ग्रा0 के समानुपातिक दर पर अधिकतम मो0 37,500/– रू0 मात्र की राशि लाभुक के बैंक खाते में डी0बी0टी0 के माध्यम से भुगतान की जाएगी।
- रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम में दूसरे crop से मछली उत्पादन के लिए एक लाभुक को $90m^3$ के प्रति टैंक (अधिकतम 08 टैंक) के लिए अधिकतम 650 किलोग्राम प्रति टैंक की दर से 4 mm तक के साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड के क्रय पर मो0 25/– रू0 मात्र प्रति कि0 ग्रा0 के समानुपातिक दर पर अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाते में डी0बी0टी0 की जाएगी।
- बायोफ्लॉक टैंक में दूसरे crop से मछली उत्पादन के लिए एक लाभुक को $10m^3$ के प्रति टैंक (अधिकतम 50 टैंक) के लिए अधिकतम 50 किलोग्राम प्रति टैंक की दर से 4 mm तक के साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड के क्रय पर मो0 25/– रू0 मात्र प्रति कि0 ग्रा0 के समानुपातिक दर पर अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाते में डी0बी0टी0 की जाएगी।
- बायोफ्लॉक तालाब (0.1 Ha) में दूसरे crop के मछली उत्पादन के लिए एक लाभुक को अधिकतम 1500 किलोग्राम प्रति तालाब (0.1 Ha) की दर से 4 mm तक के साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड के क्रय पर मो0 25/– रू0 मात्र प्रति कि0 ग्रा0 के समानुपातिक दर पर अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाते में डी0बी0टी0 की जाएगी।

खुले बाजार से क्रय किए जाने वाले फीड का क्रय GST in निबंधित मान्यता प्राप्त अधिकृत बिक्रेता से किया जा सकता है। केज/ रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम/ बायोफ्लॉक तालाब के लाभुकों जिनके पास पिछले crop का आँकड़ा हो एवं केज गतिविधियों (यथा– मत्स्य बीज संचयन की विवरणी, संचित मत्स्य बीज की संख्या तथा उपलब्ध मछली, मछलियों के ग्रोथ, उत्तरजीविता तथा बिक्री की गई मछलियों का Data) से नियमित रूप से अधोहस्ताक्षरी के लिए सहमत होगें, को इस योजना का लाभ दिया जाएगा। उपरवर्णित श्रेणी के अधीन कार्यालय से कार्यादेश प्राप्त कर फीश फीड क्रय करने के उपरान्त अपने आवेदन के साथ प्रमाणक कार्यालय में प्रस्तुत करने के पश्चात् क्षेत्रीय प्रभारी स्तर से भौतिक सत्यापन करने के बाद सरकारी अनुदान की राशि के भुगतान की प्रक्रिया अपनायी जाएगी।

उपरोक्त तथ्यों के आलोक में जामताड़ा जिला के इच्छुक मत्स्य कृषकों/ केज मत्स्य पालकों से कार्यालय कार्य अवधि में आवेदन आमंत्रित किये जाते है। यह योजना ''पहले आओ–पहले पाओ'' के आधार पर संचालित की जा रही है। आवेदन प्रपत्र जिला मत्स्य कार्यालय, जामताड़ा में निःशुल्क उपलब्ध है। उपर्युक्त योजनान्तर्गत आवेदक कों Blockchain के माध्यम से या जिला मत्स्य कार्यालय, जामताड़ा से आवेदन जमा करेगें। जिसकी अंतिम तिथि 27.07.2026 को 4.00 बजे अप0 तक निर्धारित की जाती है।

ह0/–
जिला मत्स्य पदाधिकारी,
जामताड़ा

PR 383879 Fish (26-27)_D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय बोकारो।
इश्तेहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सेक्टर 04 थाना कांड सं0– 76/2019, दिनांक– 02.07.2019, धारा– 406/420/323 भा0द0वि0 में कांड के प्राथमिक अभियुक्त आदित्य सिंह पे0 स्व0 कल्याण सिंह, सा0– एल/517, सेक्टर–23, संजय नगर, थाना– मधुबन बापुधाम, जिला– गाजियाबाद, उ0प्र0 के विरूद्व माननीय न्यायाल ए0डी0जी0एम0, बोकारो के द्वारा इश्तिहार अधिपत्र निर्गत किया गया। जो दिनांक– 06.06.2026 को माननीय न्यायालय से निर्गत इश्तिहार का अभियुक्त के घर के बाहर चिपका कर विधिवत तामिला किया गया हैं। उक्त अभियुक्त गिरफ्तारी के डर से भागे फिर रहे हैं और न ही अनुसंधान में सहयोग कर रहे हैं।

उक्त कांड के प्राथ0 अभियुक्त आदित्य सिंह पे0 स्व0 कल्याण सिंह, सा0– एल/517, सेक्टर–23, संजय नगर, थाना– मधुबन बापुधाम, जिला– गाजियाबाद, उ0प्र0 के बारे में कुछ भी जानकारी प्राप्त होती है तो कृपया निम्नलिखित नम्बर पर सूचित करने का कश्ट करेंगे।

1. पुलिस अधीक्षक, बोकारो का मो0 नं0– 9431706418
2. सेक्टर– 04 थाना बोकारो का मो0 नम्बर– 8252188777

पुलिस अधीक्षक,
बोकारो।

PR 384003 Police(26-27)D

अधीक्षक का कार्यालय,
शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद

पत्रांक :– 1138/SNMMCH — दिनांक :– 03.07.2026

अतिअल्पकालीन ई–निविदा सूचना

शहीद निर्मल महतो चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद में वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए विभिन्न प्रकार के मेडिकल गैस Cylinder **D-Type (Jambo) O_2 Cylinder, A-TypeO_2 Cylinder, B-TypeO_2 Cylinder, Nitrus Oxide Cylinder, Carbon Dioxide Cylinder** की रिफिलिंग हेतु मानक स्तर के अधिकृत एवं अनुभवी आपूर्तिकर्त्ता से आपूर्ति हेतु 2–बोली व्यवस्था (2-bid system) के अन्तर्गत निम्नांकित शर्तो के अधीन ONLINE निविदा आमंत्रित किया जाता है। निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि– 10.07.2026 को संध्या 5.00 बजे तक होगी। निविदा में मांगी गई वांछित अभिलेख अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में स्पीड–पोस्ट अथवा हाँथो–हाँथ पहुँचने की अंतिम तिथि– 11.07.2026 के संध्या 05:00 बजे तक होगी। विलम्ब से प्राप्त निविदा पर विचार नही किया जायेगा। इच्छुक संवेदक द्वारा निविदा www.jharkhandtenders.gov.in पर देखी एवं भाग ली जा सकती है।

ह0/–
अधीक्षक
शहीद निर्मल महतो चिकित्सा
महाविद्यालय अस्पताल, धनबाद

PR 383946 Health Med Edu and Family Welfare(26-27)#D

मोटरयान निरीक्षक का कार्यालय, जामताडा़
(समाहरणालय, जामताड़ा परिसर, 815351)
mvi-jamtara@jharkhandmail.gov.in

-: जामताड़ा जिले में पंजीकृत वाहनों के वाहन स्वामियों/चालकों के लिए :-

-: आवश्यक सूचना :-

एतद द्वारा ऐसे सभी वाहन स्वामियों एवं चालकों को सूचित किया जाता कि जिला परिवहन कार्यालय,जामताड़ा में निबंधित वाहन जिनका दुरूस्ती (फिटनेस) प्रमाण पत्र की वैद्यता समाप्त हो चुकी है ,किन्तु पथकर (Road Tax) का भुगतान कर सार्वजनिक सड़कों पर उनका परिचालन किया जा रहा है ,वे मोटरवाहन अधिनियम, 1988 के प्रावधान का उलंघन कर रहे हैं।

मोटरवाहन अधिनियम, 1988 की धारा 41(7) तथा केन्द्रीय मोटरवाहन नियमावली, 1989 के नियम 52(4) के अनुसार किसी भी परिवहन वाहन का निबंधन प्रमाणपत्र (Registration Certificate) तभी तक वैद्य माना जायेगा ,जब तक उसका फिटनेस प्रमाण पत्र वैध हो। अतः वैद्य फिटनेस प्राण पत्र के अभाव में परिवहन वाहन का निबंधन प्रमाण पत्र भी वैद्य नहीं माना जायेगा।

बिना वैद्य फिटनेस प्रमाण पत्र के सार्वजनिक सड़कों पर वाहनों का परिचालन न केवल मोटर वाहन अधिनियम, 1988 का उलंघन है, बल्कि यह आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर जोखिम उत्पन्न करता है।

अतः जिन वाहन स्वामियों/चालकों के वाहनों का फिटनेस (दुरूस्ति) प्रमाण पत्र कालबाधित अथवा अवैद्य हो चुका है, वे इस सूचना प्रकाशन की तिथि से 07 (सात) दिनों के भीतर कार्यालय अवधि में जिला परिवहन कार्यालय, जामताड़ा/ मोटरयान निरीक्षक कार्यालय, जामताड़ा में उपस्थित होकर नियमानुसार फिटनेस प्रमाण पत्र प्राप्त करना तथा वाहन से सबंधित अन्य अभिलेखों को अद्यतन करना सुनिश्चित करेंगे।

निर्धारित अवधि के भीतर अनुपालन नहीं करने की स्थिति में संबंधित वाहन स्वामियों/चालकों के विरूद्ध मोटरवाहन अधिनियम, 1988 एवं झारखण्ड मोटरवाहन करारोपण अधिनियम, 2001(यथा संशोधित) के सुसंगत प्रावधानों के अन्तर्गत विधिसम्मत कार्रवाई की जायेगी। साथ ही निबंधित वाहन को ब्लैकलिस्ट (Blacklist) किए जाने सहित अन्य वैधानिक कार्रवाई की जायेगी,` जिसकी समस्त जिम्मेदारी संबधित वाहन स्वामी /चालक पर होगी।

मोटरयान निरीक्षक
जामताड़ा

PR 383873 Transport (26-27)_D

20 साल बाद राबड़ी देवी ने खाली किया 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास

पटना (एजेंसी): बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने १० सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास पूरी तरह खाली कर दिया है। करीब दो दशकों के बाद राबड़ी देवी ने यह बंगला खाली किया। यह बंगला राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के परिवार का आधिकारिक निवास होने के साथ-साथ पार्टी के कैंप कार्यालय के रूप में भी इस्तेमाल होता रहा। अब यह सरकारी आवास पूरी तरह खाली हो गया है। १० सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास खाली करने से पहले राबड़ी देवी ने भवन विभाग से सरकार द्वारा दी गई सुविधाओं की लिस्ट मांगी थी, ताकि आवास को खाली करते समय किसी तरह के विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो। उधर, विभाग ने जवाब में स्पष्ट किया कि पिछले पांच वर्षों के दौरान आवास में विभाग की ओर से कोई सामान उपलब्ध नहीं कराया गया।
साथ ही यह भी कहा गया कि विभागीय खर्च से किसी प्रकार का निर्माण या मरम्मत कार्य कराया गया। विभाग ने यह भी बताया कि जब तेजस्वी यादव उपमुख्यमंत्री थे, तब भी इस सरकारी आवास में सरकारी खर्च से कोई अतिरिक्त कार्य नहीं कराया गया। लालू प्रसाद यादव की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को देखते हुए आवास में किए गए सभी बदलाव और अतिरिक्त सुविधाओं का खर्च निजी स्तर पर वहन किया गया था।

भवन निर्माण विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि पूर्व में कभी विभाग की ओर से कोई सामान उपलब्ध कराया गया था, तो उसकी उपयोगिता अवधि अब समाप्त हो चुकी है। ऐसे में आवास खाली करते समय किसी सरकारी सामग्री की वापसी या उससे जुड़ी कोई देनदारी नहीं बनती। गौरतलब है कि बिहार में सत्ता परिवर्तन के बाद सरकारी आवास खाली करने को लेकर पहले भी फर्नीचर, उपकरण और सरकारी संपत्ति को लेकर कई विवाद सामने आते रहे हैं। ऐसे में राबड़ी देवी ने पहले ही विभाग से आधिकारिक जानकारी लेकर संभावित विवाद की आशंका को समाप्त करने की कोशिश की।

चढ़ावा चोरी पाप नहीं, महापाप : धीरेंद्र शास्त्री

अयोध्या (ईएमएस): बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे। एयरपोर्ट पर उनका संतों और श्रद्धालुओं ने स्वागत किया। यहां उन्होंने हनुमानगढ़ी के महंत राजू दास के गुरु के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि यह केवल पाप नहीं, बल्कि महापाप है। जो भी इस कृत्य में दोषी होगा, उसे कानून के तहत सजा मिलेगी। भगवान भी उसे उसके कर्मों का दंड देंगे। एसआईटी जांच, देश की कानून व्यवस्था और सरकार पर पूरा भरोसा है। जांच निष्पक्ष होगी और सभी दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बाबा बागेश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने आरोप लगाया कि देश में संतों, महंतों, मठों और मंदिरों के खिलाफ सुनियोजित षड्यंत्र रचा जा रहा है। ऐसे प्रयासों का उद्देश्य लोगों की धार्मिक आस्था और श्रद्धा को कमजोर करना है। इसलिए, समाज को सतर्क रहने की आवश्यकता है। श्रद्धालुओं को किसी भी तरह के भ्रम या दुष्प्रचार में नहीं आना चाहिए। सत्य सामने आएगा। दोषियों को कानून के साथ-साथ ईश्वर का भी दंड मिलेगा।

बिहार में भारी बारिश की चेतावनी 18 जिलों में अलर्ट जारी

पटना (एजेंसी): बिहार में मौसम विभाग ने अगले तीन से चार दिनों तक के लिए भारी बारिश की चेतावनी दी है। मानसून की सक्रियता को देखते हुए विभाग ने आज राज्य के १८ जिलों में अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में ४० से ५० किमी/घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। साथ ही वज्रपात की भी संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तर बिहार और कोसी-सीमांचल वाले क्षेत्रों में अच्छी बारिश हो रही है, वहीं दक्षिण बिहार में अब तक सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने जिन जिलों में अलर्ट जारी किया है उसमें बक्सर, भोजपुर, अरवल, औरंगाबाद, कैमूर, रोहतास, सुपौल, अररिया, किशनगंज, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर, बांका और जमुई शामिल है। मानसून एक्टिव होते ही नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी देखने को मिलने लगी है। कोसी, बागमती समेत उत्तर बिहार की कई नदियों में उफान देखा जा रहा है। ऐसे में कई राज्य के इलाकों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है। इसे देखते हुए प्रशासन की तरफ से लगातार लोगों को सतर्क रहने की अपील की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, बोकारो

लापता व्यक्ति

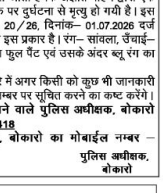

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अज्ञात वाहन द्वारा एक व्यक्ति को धनडाबर स्थित मुख्य सड़क पर दुर्घटना से मृत्यु हो गयी है। इस संबंध में चास(मु0) थाना सनहा सं0– 20/26, दिनांक– 01.07.2026 दर्ज है। उक्त अज्ञात पुरूश शव का हुलिया इस प्रकार है। रंग– सांवला, उँचाई– 5 फीट 3 इंच, पहनावा– काला रंग का फुल पैंट एवं उसके अंदर ब्लू रंग का अण्डर गार्मेंट पहने हुए है।

उक्त अज्ञात पुरूश शव के बारे में अगर किसी को कुछ भी जानकारी प्राप्त होती है तो कृपया निम्नलिखित नम्बर पर सूचित करने का कष्ट करेंगे।

1. **विज्ञापन प्रकाशित कराने वाले पुलिस अधीक्षक, बोकारो का मो0 नं0– 9431706418**
2. **थाना प्रभारी, चास(मु0), बोकारो का मोबाईल नम्बर – 9939588417**

पुलिस अधीक्षक,
बोकारो

PR 383995 (Police)26-27*D

चंपत जा सकते हैं जेल : विनय कटियार

अवोध्या,(ईएमएस) : राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच के बीच भाजपा नेता और बजरंग दल के संस्थापक विनय कटियार के एक बयान से सियासी हलचल तेज हो गई है। कटियार का दावा है, कि उन्होंने इस मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की है और आने वाले दिनों में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, गोपाल राव और अनिल मिश्रा के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो सकती है। उन्हें जेल तक जाना पड़ सकता है।

भाजपा नेता विनय कटियार का कहना है, कि प्रारंभिक तथ्यों से धन के गबन के संकेत मिलते हैं। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री से हुई बातचीत में उन्हें बताया गया कि जांच के आधार पर संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई संभव है। कटियार का दावा है कि इस मामले में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, गोपाल राव और अनिल मिश्रा हो सकता है जेल जाएं।

वहीं दूसरी ओर, मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न तो टेलीफोन पर और न ही व्यक्तिगत मुलाकात में विनय कटियार से राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले या किसी अन्य विषय पर कोई चर्चा की है। ऐसे में कटियार के बयान की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकी है।

इससे हटकर राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले के एक अन्य आरोपी राम शंकर यादव उर्फ टिल्लू यादव के भाई दिनेश यादव पहली बार मीडिया के सामने आए। यहां उन्होंने आरोप लगाया कि उनके भाई को गलत तरीके से फंसाया गया है और बड़े पदाधिकारी स्वयं को बचाने के लिए उसे बलि का बकरा बना रहे हैं। फिलहाल मामले की जांच जारी है। आरोपों और दावों की आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

30 दिन बाद भी राधास्वामी संगठन गिरिडीह शाखा बंद

गिरिडीह (ससे): राधास्वामी संगठन की गिरिडीह शाखा को बंद हुए एक माह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन कथित वित्तीय अनियमितताओं और घोटाले के मामले में अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है।

न तो प्रशासन की ओर से एफआईआर दर्ज की गई है और न ही जांच की प्रगति को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक की गई है इस मामले को लेकर प्रभावित लोगों और स्थानीय नागरिकों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। लोगों का कहना है कि यदि बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ी की आशंका है।

यूपी में दस्तकः यूपी का दलित लाल टोपी के साथ नहीं, चिराग पासवान से जुड़ा रहा

पटना,(ईएमएस): लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने आगामी उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव २०२७ में अपनी पार्टी के प्रत्याशी उतारने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने बताया कि सांसद अरुण भारती को यूपी में संगठन को मजबूत करने और रणनीति बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। चिराग पासवान ने कहा कि उनके नेता और कार्यकर्ता उत्तर प्रदेश में संगठन को बढ़ाने पर काम कर रहे हैं, और चुनाव की रणनीति का फैसला सही समय पर होगा।

जमुई से सांसद भारती ने बताया कि उनकी पार्टी सभी ४०३ सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है, हालांकि कितनी सीटों पर वास्तव में चुनाव लड़ा जाएगा, इसका फैसला बाद में लिया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में दलित आबादी, जो पहले समाजवादी पार्टी की लाल टोपी के साथ थी, अब चिराग के साथ जुड़ रही है। उनका लक्ष्य राज्य में दलितों को एकजुट करना है।

हालांकि, उत्तर प्रदेश में पासवान समुदाय की राजनीतिक ताकत बहुत सीमित है। बिहार में जहां पासवान वोट बैंक ५-६ प्रतिशत की हिस्सेदारी रखता है, वहीं यूपी में यह मात्र २.३ लाख (राज्य की कुल आबादी का ०.१ प्रतिशत से भी कम) होने का अनुमान है। यह आबादी मुख्य रूप से पूर्वांचल के जिलों जैसे वाराणसी, चंदौली, गाजीपुर, बलिया, मिर्जापुर, सोनभद्र, गोरखपुर और मऊ में बिखरी हुई है, जहां उन्हें अनुसूचित जाति का दर्जा प्राप्त है।

संख्याबल की कमी के बावजूद चिराग का उत्तरप्रदेश में उतरने का मुख्य कारण राष्ट्रीय स्तर पर दलित नेतृत्व के खाली होते स्थान को भरना है। २०१४ के बाद से दलितों की सबसे बड़ी नेता मायावती और उनकी बहुजन समाज पार्टी कमजोर हुई है, जिससे एक सर्वमान्य दलित चेहरे की कमी महसूस हो रही है। चिराग पासवान इस खाली जगह को भरने और खुद को सिर्फ पासवान समाज से आगे बढ़कर पूरे दलित समाज के नेता के रूप में स्थापित करने की कोशिश में हैं। उनके पिता, स्वर्गीय रामविलास पासवान भी १९९५-२००० के दशक में राष्ट्रीय स्तर पर दलित नेता के रूप में उभरे थे, और चिराग इसी विरासत को आगे बढ़ाना चाहते हैं। यही वजह है कि उनकी पार्टी झारखंड, पंजाब और पूर्वोत्तर के राज्यों में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही है। केंद्रीय मंत्री बनने के बाद चिराग अब अपनी स्वीकार्यता का दायरा बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं।

नावाडीह में एक दिवसीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न

नावाडीह (बेरमो) : नावाडीह स्थित विनोद बिहारी महतो ग्रामीण स्टेडियम में शुक्रवार को एक दिवसीय प्रखंड स्तरीय ६५वीं सुब्रतो कप एवं सेकेंड लिटिल चैम्प टूर्नामेंट २०२६ - २७ का आयोजन किया । टूर्नामेंट का उद्घाटन नावाडीह प्रखंड प्रमुख पूनम देवी ने फीता काटकर व खिलाड़ियों से परिचय लेकर की । साथ ही खिलाड़ियों से परिचय लेने के साथ यह टूर्नामेंट का शुरुआत की गई । लड़कों के अंडर १७ उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय पलामू बनाम उत्क्रमित उच्च विद्यालय पेक के बीच खेला गया । जिसमें पलामू की टीम बेहतर प्रदर्शन कर २ -० से विजय हुआ । वहीं लड़कियों के अंडर १७ में सीएम स्कूल ऑफ एक्सेलेंस गर्लस नावाडीह बनाम उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय पलामू में नावाडीह की टीम विजय हुई । इसी प्रकार लड़को के अंडर १२ की फुटबॉल टूर्नामेंट गोबरगड्डा बनाम पलामू में गोबरगड्डा की टीम विजय बना । जबकि लड़कों के अंदर १५ में बिरनी तथा लड़कियों के अंडर १२ में पलामू की टीम विजय हुई । इससे पहले खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए प्रमुख पूनम देवी ने खेल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए नियमित रुप से अभ्यास करने की सलाह दी । उन्होंने कहा कि खेल जगत में भी बेहतर कर भविष्य बेहतर किया जा सकता है । बीआरपी चमन जोशी ने बताया कि यहां के विजेता टीम को जिला स्तर पर खेलने का मौका मिलेगा । प्राचार्य राजीव रंजन तिवारी, प्रवीण कुमार रजवार, अमरेश सिंह, महेश्वर प्रसाद, मनोज कुमार, लालचंद महतो, चंद्रभूषण श्रीवास्तव, कमलेश कुमार आदि उपस्थित थे ।

बीएसएल में सुरक्षा सम्मान समारोह आयोजित

बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र के परियोजना विभाग के कॉन्फ्रेंस हॉल में सुरक्षा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परियोजना विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, इंजीनियर-इंचार्ज, कर्मचारी एवं ठेका श्रमिक उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों एवं श्रमिकों के बीच सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, सुरक्षित कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित करना, संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम करना तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों एवं नियमों के अनिवार्य अनुपालन को सुनिश्चित करना था. सुरक्षा सम्मान समारोह में सुरक्षा जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सभी को सर्वप्रथम सुरक्षा प्रतिज्ञा दिलाई गई तथा सुरक्षा संबंधी विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान, सुरक्षा संबंधी चुनौतियों एवं उनके प्रभावी समाधान पर भी चर्चा की गई।

क्षेत्रीय हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन

हाजीपुर (ससे): पूर्व मध्य रेल, मुख्यालय हाजीपुर में दिनांक ०१.०७.२०२६ से ०३.०७.२०२६ (तीन दिवसीय) तक क्षेत्रीय हिंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई. इसी क्रम में आज ०३.०७.२६ को अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए हिंदी वाक् प्रतियोगिता का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ. प्रतिभागियों को ऑन लाइन शिक्षा बनाम पारंपरिक शिक्षा व हिंदी और युवा पीढ़ी में से किन्ही एक विषय पर बोलना था. हिंदी वाक् प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के रूप में श्री अभिषेक कुमार, उप महाप्रबंधक (सामान्य) एवं मो इम्तियाज आलम, उप मुख्य परिचालन प्रबंधक (सवारी) थे.

इन सभी प्रतियोगितओं में विभिन्न विभागों/मंडलों/कारखानों के अधिकारियों/कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर अपनी सहभागिता सुनिश्चित की. उल्लेखनीय है कि प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय सहित ०३ प्रेरणा पुरस्कार है. इन सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी रेलवे बोर्ड स्तर पर पूर्व मध्य रेल का प्रतिनिधित्व करेंगे.

विदित हो कि इस प्रतियोगिता का शुभारंभ दिनांक ०१.०७.२०२६ को हिंदी निबंध प्रतियोगिता के साथ हुआ था. हिंदी निबंध हेतु ०२ विषय पूर्व में ही निर्धारित किए गए थे (१) डिजिटल युग में राजभाषा हिंदी का विकास (२) कार्य के दौरान होने वाले तनाव से कैसे निपटें. प्रतिभागियों को किन्हीं एक विषय का चयन कर अधिकतम २००० शब्दों में निबंध लिखना था. जिसमें मुख्यालय के विभिन्न विभागों/मंडलों/कारखानों आदि के अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया. इसी तरह ०२.०७.२०२६ को हिंदी टिप्पण व प्रारूप लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था. इस प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रतिभागियों से अनुवाद, प्रारूप लेखन, अंग्रेजी से हिंदी व हिंदी से अंग्रेजी शब्दों का रूपांतरण तथा वर्तनी शुद्धी संबंधी प्रश्न पूछे गये थे.इस प्रतियोगिता के लिए पूर्व मध्य रेल के सभी विभागों/मंडलों/कारखानों को पूर्व में ही सूचित किया गया था.

नए प्राचार्य, दिलीप कुमार सिंह ने संभाला पदभार

गिरिडीह (ससे): बी.एन.एस. डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, बुलाकी रोड में दिलीप कुमार सिंह ने नए प्राचार्य के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया। उनके आगमन से विद्यालय परिवार में उत्साह का माहौल है और शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को उनके नेतृत्व से नई उम्मीदें हैं। श्री दिलीप कुमार सिंह इससे पूर्व देवघर स्थित जी.डी. डी.ए.वी. विद्यालय में प्राचार्य के रूप में सफलतापूर्वक अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने लोहरदगा में भी प्राचार्य के रूप में उल्लेखनीय योगदान दिया है। शिक्षा के क्षेत्र में उनके लंबे अनुभव, प्रशासनिक दक्षता और अनुशासनप्रिय कार्यशैली के कारण उन्हें एक कुशल शिक्षाविद् के रूप में जाना जाता है।

पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा नैतिक मूल्यों के संवर्धन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि विद्यालय को शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के क्षेत्र में भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने टीम भावना के साथ विद्यालय के समग्र विकास की दिशा में कार्य करने का संकल्प भी व्यक्त किया। विद्यालय परिवार ने नए प्राचार्य का गर्मजोशी से स्वागत किया और विश्वास जताया कि उनके कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में विद्यालय नई उपलब्धियां हासिल करेगा। शिक्षकों और कर्मचारियों ने उम्मीद जताई कि उनके अनुभव और दूरदर्शी सोच से विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और प्रतिष्ठा को नई मजबूती मिलेगी।

बीएसएल के मिल क्षेत्रों में ग्राहक-केंद्रित कार्य संस्कृति पर कार्यशाला आयोजित

बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र के कोल्ड रोलिंग मिल-खखख में मिल ऑपरेटर से प्रोडक्ट मैनेजर विषय पर उद्योग-शिक्षा जगत सहयोग के तहत एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों में यह समझ विकसित करना था कि किसी भी उद्योग की सफलता केवल अधिक उत्पादन पर नहीं, बल्कि ग्राहकों की जरूरतों को समझकर उन्हें बेहतर गुणवत्ता का उत्पाद और सेवा उपलब्ध कराने पर निर्भर करती है।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) द्वारा किया गया। यह पहल मुख्य महाप्रबंधक (सीआरएम-खखख) के नेतृत्व में आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य विनिर्माण प्रक्रियाओं को ग्राहकों की अपेक्षाओं एवं व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुरूप अधिक प्रभावी बनाना रहा।

इस अवसर पर साउथ एशियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली के प्रबंधन संकाय के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. रमेश रोशन दास गुरु ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार साझा किए। उन्होंने सरल उदाहरणों के माध्यम से बताया कि संयंत्र में कार्यरत प्रत्येक विभाग, चाहे वह अनुरक्षण, उत्पादन, गुणवत्ता या अभियांत्रिकी हो, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से ग्राहकों की संतुष्टि से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि मशीनों का बेहतर रखरखाव, उत्पादन प्रक्रिया की विश्वसनीयता और अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद ग्राहकों का विश्वास मजबूत करते हैं तथा संस्थान की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान इस बात पर भी विशेष जोर दिया कि सेल और सीआरएम-खखख की सफलता अंततः ग्राहकों के विश्वास और संतुष्टि पर निर्भर करती है।

डॉ. दास गुरु ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे केवल उत्पादन लक्ष्य तक सीमित न रहें, बल्कि इससे आगे बढ़ते हुए अपने प्रत्येक कार्य को ग्राहक मूल्य सृजन तथा सतत् व्यावसायिक विकास के व्यापक परिप्रेक्ष्य से जोड़कर काम करें।

यह पहल बोकारो इस्पात संयंत्र में सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देने तथा कर्मचारियों को ग्राहकों की अपेक्षाओं के प्रति और अधिक जागरूक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ईएसएल स्किल स्कूल में प्रमाण पत्र, ऑफर लेटर एवं समापन समारोह का आयोजन

बोकारो (ससे):: ईएसएल स्टील लिमिटेड द्वारा संचालित ईएसएल स्किल स्कूल में प्रमाण पत्र, ऑफर लेटर वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले युवाओं का सम्मान करना तथा उन्हें रोजगार से जोड़ने की दिशा में उनकी उपलब्धियों का उत्सव मनाना था. यह पहल स्थानीय युवाओं को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है.

समारोह में कुल ५२ प्रशिक्षुओं ने भाग लिया. इस अवसर पर १६ प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण पूर्णता प्रमाण पत्र, १८ युवाओं को विभिन्न संस्थानों से नियुक्ति (ऑफर) पत्र, जबकि एसपीवीआई एवं एफटीओएच बैच के ४७ प्रशिक्षुओं को रोजगार के लिए आवश्यक टूलकिट प्रदान किए गए.

कार्यक्रम में श्रीमती सुरैना राजन, डीडीएम-नाबार्ड; श्री प्रह्लाद रावत, मुख्य वित्तीय अधिकारी-ईएसएल स्टील लिमिटेड; श्री कुणाल दरिया, हेड-सीएसआर-ईएसएल स्टील लिमिटेड; श्री बीरेंद्र कुमार, प्रोग्राम मैनेजर-ईएसएल स्किल स्कूल; तथा श्री अरुण कुमार उपस्थित रहे.

इस अवसर पर ईएसएल स्टील लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक रवीश शर्मा ने कहा, ईएसएल स्टील का मानना है कि कौशल विकास सामाजिक और आर्थिक बदलाव का सबसे प्रभावी माध्यम है. ईएसएल स्किल स्कूल के जरिए हम युवाओं को उद्योग से जुड़े जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण देकर उन्हें सम्मानजनक रोजगार से जोड़ रहे हैं. हमारा उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना, उनकी क्षमता को निखारना और क्षेत्र के समावेशी विकास में योगदान देना है.

वहां मौजूद अतिथियों ने सभी प्रशिक्षुओं को बधाई दी और उन्हें निरंतर सीखने, अपने कौशल को और बेहतर बनाने तथा उपलब्ध अवसरों का भरपूर लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया.कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ईएसएल स्टील लिमिटेड के मुख्य वित्तीय अधिकारी -प्रह्लाद रावत ने कहा, कौशल विकास युवाओं के भविष्य में किया गया सबसे महत्वपूर्ण निवेश है.

राम मंदिर ट्रस्ट सरकारी जवाबदेही से बाहर, आरटीआई से बड़ा खुलासा

अयोध्या,(ईएमएस) : अयोध्या में राम मंदिर परिसर का प्रबंधन करने वाला श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट न केंद्र और न ही उत्तर प्रदेश सरकार के प्रति जवाबदेह है। यह बड़ा खुलासा केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के समक्ष गृह मंत्रालय (एनएचए) द्वारा दिए गए आरटीआई (सूचना का अधिकार) जवाब से हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले साल फरवरी में सीआईसी को बताया था कि ट्रस्ट अपने सभी निर्णय आंतरिक रूप से लेता है और ट्रस्ट को स्वयं फैसले लेने का पूरा अधिकार है, क्योंकि इसका मालिकाना हक, नियंत्रण या वित्तपोषण किसी भी सरकारी निकाय के पास नहीं है।

यह जानकारी तब सामने आई है जब राम मंदिर से कथित तौर पर दान की चोरी को लेकर विवादों में है, जिसकी जांच में कुछ अधिकारियों को गिरफ्तार किया गया है और दूसरों से पूछताछ जारी है। इसके बाद ट्रस्ट की यह स्वायत्त स्थिति उसकी कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालती है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय सूचना आयोग को स्पष्ट किया कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट एक स्वतंत्र निकाय है, जिसका गठन केवल सर्वोच्च न्यायालय के ९ नवंबर, २०१९ के अयोध्या फैसले का पालन करने के लिए हुआ था। मंत्रालय ने बताया कि केंद्र सरकार की भूमिका केवल सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार ट्रस्ट बनाने तक सीमित थी। मंत्रालय के अनुसार, न केंद्र और न ही राज्य सरकार का ट्रस्ट पर कोई वित्तीय, प्रशासनिक या परिचालन संबंधी नियंत्रण है और वे इस कोई फंड भी नहीं देते हैं। ट्रस्ट को अपने कामकाज और गतिविधियों के बारे में स्वतंत्र फैसले लेने का पूरा अधिकार है।

यह मामला तब केंद्रीय सूचना आयोग तक पहुंचा जब आरटीआई आवेदक नीरज शर्मा ने ट्रस्ट को सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत एक सार्वजनिक प्राधिकरण घोषित करने की मांग की। आवेदक का तर्क था कि ट्रस्ट का गठन सरकार द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद किया गया था और शुरुआती ट्रस्टियों को भी सरकार द्वारा नामित किया गया था, साथ ही करीब ७० एकड़ अधिग्रहित भूमि भी ट्रस्ट को हस्तांतरित की गई थी।

हालांकि, गृह मंत्रालय और ट्रस्ट ने इन तर्कों का खंडन किया। जानकारी की समीक्षा करने के बाद, केंद्रीय सूचना आयोग ने फैसला सुनाया कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट आरटीआई अधिनियम की धारा २(एच) के तहत सार्वजनिक प्राधिकरण की श्रेणी में नहीं आता है। आयोग ने पाया कि ट्रस्ट का निर्माण संसद या राज्य विधानसभा द्वारा बनाए गए कानून के बजाय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत हुआ था। ट्रस्ट पर सरकार का कोई विशेष या व्यापक नियंत्रण नहीं है और न ही इस सरकार से कोई बड़ी फंडिंग मिलती है।

हर विभाग लगा रहा कैंप, लेकिन आधार कार्ड की सुविधा अब भी दूर

गिरिडीह (ससे): सरकार विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रखंड और पंचायत स्तर पर लगातार विशेष शिविर (कैंप) आयोजित कर रही है। स्वास्थ्य, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा सहित कई विभागों की सेवाएं कैंप के माध्यम से लोगों को उपलब्ध कराई जा रही है।लेकिन इन सबके बीच सबसे बड़ी परेशानी आधार कार्ड को लेकर सामने आ रही है। नया आधार बनवाना हो, नाम या पता सुधारना हो, मोबाइल नंबर जोड़ना हो या बायोमेट्रिक अपडेट कराना हो-लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि प्रखंड स्तर पर आधार सेवा नियमित और सुचारु रूप से उपलब्ध नहीं है। यहीं पंचायत स्तर पर भी आधार कार्ड से संबंधित विशेष कैंप नहीं लगाए जाते, जिससे गरीब, बुजुर्ग, दिव्यांग, महिलाएं और दूर-दराज के ग्रामीणों को बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी 100 से अधिक फरियादियों की समस्याएं

गिरिडीह (ससे): समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित जनता दरबार में उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे १०० से अधिक फरियादियों की शिकायतों एवं समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर शिकायतों के निष्पादन का निर्देश दिया। कई मामलों का मौके पर ही निराकरण करते हुए उपायुक्त ने आमजनों को त्वरित राहत प्रदान की। जनता दरबार में इसके अतिरिक्त बिजली, राशन, खाद्यान्न, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, कृषि, मनरेगा, अबुआ आवास, प्रधानमंत्री आवास योजना, पेयजल, म्यूटेशन, जमाबंदी, जमीनी विवाद, पारिवारिक कलह, मारपीट सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। उपायुक्त ने सभी मामलों पर संवेदनशीलता के साथ सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि आमजनों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता दरबार शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम है, जिसके जरिए लोगों की समस्याओं का शीघ्र एवं पारदर्शी समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

साइबर खतरों से निपटने को विधायक हों तैयार, विधानसभा में साइबर सुरक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर मंथन

रांची (एजेंसी): डिजिटल युग में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराध, डिजिटल धोखाधड़ी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित जोखिमों के मद्देनजर झारखंड विधानसभा में जनप्रतिनिधियों को जागरूक करने की पहल की गई। शुक्रवार को पुराने झारखंड विधानसभा परिसर में बाल कल्याण संघ, एशिया फाउंडेशन और साइबर पीस के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला आयोजित हुई। इसका उद्देश्य विधायकों और जनप्रतिनिधियों को साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के सुरक्षित एवं जिम्मेदार उपयोग तथा डिजिटल युग में उभर रहे साइबर खतरों की जानकारी देना था।

कार्यशाला का उद्घाटन विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आज साइबर सुरक्षा केवल सूचना प्रौद्योगिकी का विषय नहीं है, बल्कि यह सुशासन, आर्थिक गतिविधियों, सरकारी अभिलेखों की सुरक्षा और नागरिकों की निजता से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण विषय बन चुका है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रशासन को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने में सहायक है, लेकिन इसके सुरक्षित और नैतिक उपयोग के प्रति जागरूक रहना भी उतना ही आवश्यक है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि बदलते डिजिटल दौर में जनप्रतिनिधियों को नई तकनीकों, साइबर अपराधों के तरीकों, डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव और साइबर सुरक्षा के उपायों की जानकारी होना समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं जनप्रतिनिधियों की क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ डिजिटल रूप से सुरक्षित और सशक्त समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।कार्यशाला में राज्यसभा सदस्य महुआ माजी, विधायक चन्द्रेश्वर प्रसाद सिंह और नवीन जायसवाल ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि डिजिटल शासन का दायरा लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में साइबर सुरक्षा की चुनौतियों को समझना और उनसे निपटने के लिए जनप्रतिनिधियों का प्रशिक्षित होना आवश्यक है।

विशेषज्ञों ने कार्यशाला के दौरान साइबर सुरक्षा की बुनियादी जानकारी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जोखिम, सरकारी प्रणालियों को सुरक्षित रखने के उपाय, साइबर सुरक्षा संबंधी दिशा-निर्देश, नागरिकों के आंकड़ों की सुरक्षा, डिजिटल सेवाओं के सुरक्षित संचालन, साइबर हमलों की पहचान और किसी भी साइबर घटना पर त्वरित प्रतिक्रिया जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी।

कार्यशाला में बाल कल्याण संघ के संस्थापक संजय कुमार मिश्रा, एशिया फाउंडेशन की देश प्रतिनिधि नंदिता बरुआ तथा साइबर पीस के प्रतिनिधि कैप्टन एस.सी. जोशी और नमन जोशी विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विधायक, विधानसभा के अधिकारी एवं कर्मचारी भी शामिल हुए।

16 जुलाई की रथयात्रा के लिए राज्यपाल को दिया गया आमंत्रण, जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति ने सौंपा न्योता

रांची (एजेंसी): भगवान श्रीजगन्नाथ महाप्रभु की १६ जुलाई को आयोजित होने वाली रथयात्रा के लिए झारखंड के राज्यपाल को औपचारिक आमंत्रण दिया गया। शुक्रवार को जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति के प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन पहुंचकर राज्यपाल से शिष्टाचार मुलाकात की और उन्हें रथोत्सव-२०२६ एवं नेत्रदान महोत्सव में शामिल होने का न्योता सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को जगन्नाथपुर मंदिर के ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ झारखंड की गौरवशाली रथयात्रा परंपरा की भी जानकारी दी। इस दौरान राज्यपाल के प्रति समिति की ओर से आभार भी व्यक्त किया गया।

जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति के सचिव प्रसन्न कुमार ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में उपाध्यक्ष सह प्रथम सेवायत, सदस्य कमल ठाकुर और सदस्य गोपाल उपाध्याय भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि राज्यपाल को १६ जुलाई को आयोजित होने वाली रथयात्रा का औपचारिक आमंत्रण दिया गया।

16वें वित्त आयोग से झारखंड की पंचायतों को मिलेंगे 14,231 करोड़

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने समय पर अनुदान देने की उठाई मांग

रांची (एजेंसी): १६वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में झारखंड की ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार से पंचायतों के लिए अनुदान राशि समय पर जारी करने और परफॉर्मेंस ग्रांट के मामलों में उदार रुख अपनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि अनुदान में देरी होने से पंचायतों की विकास योजनाएं प्रभावित होती हैं।

मंत्री ने बताया कि १६वें वित्त आयोग के तहत वर्ष २०२६-२७ से २०३०-३१ के बीच झारखंड की पंचायतों को कुल १४,२३१ करोड़ रुपये मिलेंगे। इसमें ११,३८५ करोड़ रुपये बेसिक ग्रांट और २,८४६ करोड़ रुपये परफॉर्मेंस ग्रांट शामिल हैं। उन्होंने १५वें वित्त आयोग के तहत झारखंड की बकाया राशि का जल्द भुगतान करने की भी मांग उठाई। कार्यशाला को संबोधित करते हुए दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि १६वें वित्त आयोग की अनुशंसाएं झारखंड के पंचायती राज संस्थानों को सशक्त बनाने का बड़ा अवसर हैं।

इससे ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों में स्थानीय विकास और सेवा वितरण को मजबूती मिलेगी। हालांकि उन्होंने पूर्व वित्त आयोग की अप्रयुक्त राशि के उपयोग को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं होने पर चिंता जताई और कहा कि केंद्र सरकार को इस पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने पंचायत स्तर पर कार्यरत कर्मियों के लिए पूर्व की तरह वित्तीय सहायता जारी रखने की भी मांग की। उनका कहना था कि यही कर्मी योजनाओं को धरातल पर उतारने में अहम भूमिका निभाते हैं।

मंत्री ने कहा कि झारखंड जैसे राज्यों में पंचायतों की स्वयं के स्रोतों से राजस्व जुटाने की क्षमता अभी सीमित है। इसलिए प्रदर्शन आधारित अनुदान तय करते समय राज्यों की वास्तविक परिस्थितियों को ध्यान में रखा जाना चाहिए और पंचायतों की वित्तीय व तकनीकी क्षमता बढ़ाने के लिए पर्याप्त सहयोग दिया जाना चाहिए। कार्यशाला में केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री एस.पी. सिंह बघेल तथा झारखंड की पंचायती राज निदेशक बी. राजेश्वरी भी मौजूद रहीं।

पति-पत्नी के बीच चल रहा था झगड़ा, वहां कट्टा और गोलियां लेकर क्या कर रहा था नाबालिग पुलिस भी हैरान

रांची (एजेंसी): राजधानी के पुरुलिया रोड क्षेत्र में पति-पत्नी के बीच विवाद झगड़ा चल रहा था। सूचना पाकर पुलिस पहुंची। लेकिन वहां का नजारा देख हैरान रह गई। एक नाबालिग कट्टा और गोलियां लेकर बैठा था।

पुलिस घर में पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद एवं हंगामे को शांत कराने पहुंची थी। मौके पर मौजूद एक नाबालिग की गतिविधियां संदिग्ध लग रही थीं। पुलिस ने सर्च किया तो उसके पास से एक देशी कट्टा और दो कारतूस बरामद किया गया। पुलिस ने नाबालिग को अपनी कस्टडी में ले लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि २ जुलाई की शाम पुलिस को पति-पत्नी के बीच झगड़ा और हंगामे की सूचना मिली थी। विवाद को सुलझाने और माहौल को शांत कराने के लिए पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

पुलिस वहां जांच-पड़ताल कर रही थी, तभी वहां खड़ा एक नाबालिग की हरकत थोड़ी अजीब लगी। शक पैदा होने पर पुलिस ने उसकी तलाशी ली, तो सब हैरान रह गए। उस नाबालिग के पास से एक कट्टा, दो कारतूस और एक मोबाइल फोन मिला। पुलिस ने तुरंत हथियार और मोबाइल को अपने कब्जे में ले लिया।

अब पुलिस इस बात का पता लगाने में जुटी है कि आखिर नाबालिग के पास यह खतरनाक हथियार आया कहां से? वह इसे किस काम के लिए अपने पास रखकर बैठा था। लिस इस बात की भी गहराई से जांच कर रही है कि कहीं इस नाबालिग का संबंध किसी क्रिमिनल गैंग या अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले नेटवर्क से तो नहीं है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हथियार देने वाले मुख्य आरोपी की पहचान की जा रही है और जल्द ही आगे की कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शराब घोटाला के आरोपी नवीन केडिया की लंदन यात्रा पर हाईकोर्ट ने एसीबी से मांगा जवाब

रांची (एजेंसी): झारखंड के बहुचर्चित शराब घोटाले के आरोपी नवीन केडिया के इंग्लैंड जाने के मामले में शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस अनुभा रावत चौधरी की अदालत ने इस याचिका पर एंटी करप्शन ब्यूरो को अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने एसीबी से ८ जुलाई तक जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई १० जुलाई को होगी।

सुनवाई के दौरान एसीबी की ओर से सीनियर स्टैंडिंग काउंसिल सुमित गाड़ोदिया ने नवीन केडिया की याचिका का कड़ा विरोध किया। उन्होंने दलील दी कि निचली अदालत पहले ही इस मांग को खारिज कर चुकी है। अगर आरोपी को विदेश जाने की इजाजत दी गई, तो उनके देश से भागने का खतरा बना रहेगा।

एसीबी के पास जमा है पासपोर्ट

छत्तीसगढ़ के दुर्ग निवासी नवीन केडिया पर झारखंड में खराब क्वालिटी की देसी शराब सप्लाई करने का आरोप है। इस मामले में एसीबी ने उन्हें ११ मार्च को गिरफ्तार किया था। फिलहाल वे हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद जेल से बाहर हैं। जमानत की शर्तों के मुताबिक, उन्होंने अपना पासपोर्ट एसीबी कोर्ट में जमा करा रखा है।

अब नवीन केडिया ने अपने बेटे के लंदन में होने वाले ग्रेजुएशन सेरेमनी में शामिल होने और वहां अपना हेल्थ चेकअप कराने के लिए पासपोर्ट वापस मांगा है। इससे पहले रांची की विशेष एसीबी अदालत ने उनकी इस अर्जी को नामंजूर कर दिया था, जिसके बाद उन्होंने राहत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

गौरतलब है कि इस बड़े शराब घोटाले में एसीबी ने आईएएस अधिकारी विनय चौबे समेत कई रसूखदार लोगों को गिरफ्तार किया था, जिनमें से ज्यादातर आरोपी फिलहाल जमानत पर बाहर हैं।

पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव और उनके बेटे रोहित की कम नहीं हो रहीं मुश्किलें, ईडी ने फिर भेजा समन

रांची (एजेंसी): झारखंड के पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव और उनके बेटे रोहित उरांव की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। राज्य में हुए कथित शराब घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय ने पिता-पुत्र को एक बार फिर पूछताछ के लिए बुलाया है। ईडी ने दोनों को नया समन जारी कर ६ और ७ जुलाई को रांची के एयरपोर्ट रोड स्थित अपने क्षेत्रीय कार्यालय में हाजिर होने का निर्देश दिया है। इससे पहले भी जांच एजेंसी ने दोनों को २९ और ३० जून को बुलाया था, लेकिन वे पेश नहीं हुए थे।

माध्यमिक शिक्षकों की भर्ती को ले 11 विषयों में काउंसलिंग के लिए शेड्यूल जारी, अगस्त तक मिलेंगे नियुक्ति पत्र

रांची (एजेंसी): झारखंड के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए सरकार तेजी से कदम बढ़ा रही है। प्राइमरी स्कूलों में सहायक आचार्यों की बहाली के बाद, अब मिडिल स्कूलों (माध्यमिक विद्यालयों) में 'माध्यमिक आचार्य' के पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया तेज हो गई है। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग गडडउ की हरी झंडी मिलने के बाद शिक्षा विभाग ने ११ अलग-अलग विषयों के सफल उम्मीदवारों के लिए काउंसलिंग की तारीखें घोषित कर दी है। उम्मीद जताई जा रही है कि जुलाई के आखिरी हफ्ते या अगस्त की शुरुआत तक इन सभी को जॉइनिंग लेटर थमा दिए जाएंगे। शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, यह काउंसलिंग धुर्वा स्थित एमडीआई भवन में आयोजित की जाएगी। अलग-अलग विषयों के लिए ७ से ९ जुलाई तक का समय तय किया गया है।

७ जुलाई : उर्दू, बांग्ला, मुंडारी और ओड़िया विषय के अभ्यर्थियों को बुलाया गया है। ८ जुलाई : संताली, पंचपरगनिया और कुरमाली भाषा के उम्मीदवारों का वेरिफिकेशन होगा। ९ जुलाई : नागपुरी, खोरठा, हो और कुड़ुख विषय के पास अभ्यर्थियों की काउंसलिंग की जाएगी।

फिलहाल जिन ११ भाषाओं के लिए शेड्यूल जारी हुआ है, उनमें कुल २०३ अभ्यर्थियों के नामों की सिफारिश की गई है। इसके अलावा, शिक्षा विभाग बहुत जल्द ७ अन्य मुख्य विषयों के ३१५ पदों के लिए भी काउंसलिंग की तारीखें जारी करेगा। इन बचे हुए विषयों में समाजशास्त्र (१२८ पद), गृह विज्ञान (५२), अप्लायड इंग्लिश (४४), मनोविज्ञान (३९), भूगर्भशास्त्र (२४), मानवशास्त्र (१५) और दर्शनशास्त्र (१३) शामिल हैं।

पृष्ठ एक का शेषांश

गुजरात-एमपी में---

जकारिया दुर्रानी, मुफ्ती फौजान, मोहम्मद अमीन शेरा, मोहम्मद अब्दुल रहमान सौदा और बिलाल मोहम्मद शामिल हैं।

जापान अपनी गोपनीय---

तकनीक इन सभी एंटीना को एक ही रडार डोम, जिसे रेडोम कहा जाता है, के अंदर छिपा देती है। इस डोम के अंदर सामरिक डेटा लिंक, संचार प्रणाली और दुश्मन के रडार को इंटरसेप्ट करने वाले इलेक्ट्रॉनिक सपोर्ट मेजर्स भी लगे होते हैं। इन सभी उपकरणों को एक जगह समेटने से युद्धपोत का रडार क्रॉस-सेक्शन बहुत कम हो जाता है, जिससे दुश्मन के लिए भारतीय युद्धपोतों को खोजना और उनकी पहचान करना नामुमकिन हो जाएगा। भारत अब दुनिया का दूसरा ऐसा देश बन गया है जिसे जापान अपनी रक्षा प्रौद्योगिकी दे रहा है। इससे पहले जापान ने फिलीपींस को हवाई-निगरानी रडार सिस्टम की आपूर्ति की थी। जापान ने वर्ष २०१४ में अपने हथियार निर्यात नियमों में एक बड़ा बदलाव किया था, जिसके बाद भारत के साथ यह ऐतिहासिक डील संभव हो पाई है। दक्षिण चीन सागर और हिंद महासागर में चीन का जासूसी नेटवर्क बहुत सक्रिय है। चीन की नौसेना और कोस्ट गार्ड रडार फिंगरप्रिंटिंग के जरिए दूसरे देशों के युद्धपोतों पर नजर रखते हैं और प्रत्येक युद्धपोत के सिग्नल पैटर्न का एक डेटाबेस तैयार करते हैं। यूनिकॉर्न मास्ट चीन के इसी जासूसी प्लान को पूरी तरह विफल कर देगा। जब एंटीना खुले में नहीं होंगे, तो चीन को युद्धपोत का सिग्नल पैटर्न नहीं मिल पाएगा, जिससे उसका पूरा ट्रैकिंग सिस्टम फेल हो जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जापान अपनी मोगामी-क्लास स्टील्थ फ्रिगेट्स में इस तकनीक का इस्तेमाल पहले से कर रहा है, जो युद्धपोत के रडार सिग्नल को सौ गुना तक कम कर देती है। यह रक्षा साझेदारी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए गेम चेंजर साबित होगी।

पाकिस्तान के आतंकवाद पर---

किया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने संकेत दिया कि भविष्य की किसी भी प्रगति का आधार पाकिस्तान का आतंकवाद के खिलाफ वास्तविक और प्रभावी कदम उठाना होगा।

एसआईआर विवाद को लेकर---

पत्र में यह भी कहा गया है कि प्रक्रिया को जल्दबाजी में लागू किया गया, जिससे पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल उठे हैं। विपक्ष ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का भी उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान अधिकारियों के तबादले और मतदाता सूची से नाम हटाने जैसी प्रक्रियाओं ने निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाए। पत्र के माध्यम से विपक्षी दलों ने सुप्रीम कोर्ट से चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली की न्यायिक समीक्षा कराने, एसआईआर प्रक्रिया की वैधता और निष्पक्षता की जांच कराने तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने की मांग की है।

संघ स्वयंसेवक होना---

काम नहीं करता। उसका उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलना और आपसी विश्वास को मजबूत करना है। मोहन भागवत ने कहा कि संघ का कार्य निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जिसमें प्रत्येक स्वयंसेवक अपने आचरण और सेवा के माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाता है। सरसंघचालक ने कहा कि स्वयंसेवक का जीवन अनुशासन, समर्पण और सेवा के मूल्यों पर आधारित होता है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि समाज की शक्ति ही राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत है और जब समाज संगठित होता है, तभी देश मजबूत बनता है। उन्होंने स्वयंसेवकों से समाज के हर वर्ग तक पहुंचकर सेवा और समरसता के कार्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

ई-रिक्शा की बैटरी रिमोट---

शामिल हैं। इनका उपयोग बैटरी की निगरानी और नियंत्रण के लिए किया जाता था, लेकिन इनके कथित दुरुपयोग की शिकायतें मिलने के बाद यह कदम उठाया गया। सरकार का कहना है कि डिजिटल तकनीक का उपयोग नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा के लिए होना चाहिए, न कि ऐसे कार्यों के लिए जिससे लोगों की जान-माल को खतरा पहुंचे। मामले की विस्तृत जांच जारी है और यदि किसी अन्य ऐप या संस्था की भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफ भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

भारतमाला परियोजना: गोला-बोकारो फोरलेन सड़क का 88 प्रतिशत काम पूरा, क्षेत्रीय संपर्क को मिलेगी नई रफ्तार

रांची (एजेंसी): भारतमाला परियोजना के तहत रायपुर-धनबाद आर्थिक गलियारे के महत्वपूर्ण गोला-बोकारो फोरलेन खंड का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है।

लगभग ३२ किलोमीटर लंबी इस परियोजना की लागत १००७ करोड़ रुपये है और अब तक ८८ प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। एनएचएआई के अनुसार, परियोजना पूरी होने के बाद झारखंड में सड़क संपर्क मजबूत होगा।

औद्योगिक गतिविधियों और व्यापारिक परिवहन को गति मिलेगी तथा यात्रियों को सुरक्षित और तेज यात्रा की सुविधा मिलेगी।

यातायात को सुगम बनाने के लिए दांतू, चोपादारू और मगनपुर में तीन बाईपास बनाए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय आबादी पर यातायात का दबाव कम होगा।

परियोजना के तहत सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पांच छोटे पुल और ७४ जल निकासी पुलियों का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा चार वाहन अंडरपास, आठ वाहन ओवरब्रिज, चार हल्के वाहनों के अंडरपास, पांच छोटे वाहनों के अंडरपास, दो हाथी अंडरपास तथा एक पशु ओवरब्रिज का निर्माण भी किया जा रहा है, ताकि स्थानीय लोगों और वन्यजीवों की आवाजाही सुरक्षित बनी रहे।

स्थानीय यातायात को मुख्य राजमार्ग से अलग रखने के लिए करीब ३० किलोमीटर लंबी सर्विस रोड भी बनाई जा रही है। इससे दुर्घटनाओं में कमी आएगी और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों का आवागमन अधिक सुरक्षित होगा। यात्रियों की सुविधा के लिए मार्ग पर दो आधुनिक यात्री सुविधा केंद्र भी विकसित किए जाएंगे। यहां स्वच्छ शौचालय, पेयजल, विश्राम स्थल, वाहन पार्किंग, भोजन, प्राथमिक उपचार, ईंधन और वाहन सेवा जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

इकोनामिक कॉरिडोर का महत्वपूर्ण हिस्सा

एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी संतोष कुमार आर्य ने कहा कि गोला-बोकारो खंड रायपुर-धनबाद आर्थिक गलियारे का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके पूरा होने से झारखंड की संपर्क व्यवस्था, औद्योगिक विकास और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि परियोजना का निर्माण गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों के अनुरूप समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है।

कोलेजेन फिलर्स या इंजेक्शन्स को सॉफ्ट-टिश्यु ऑगमेंटेशन के रूप में जाना जाता है। इसे त्वचा को मुलायम बनाने के लिए किया जाता है। यह प्रक्रिया रिंकल्स, फाइन लाइन्स, त्वचा डिप्रेसन्स तथा दाग धब्बे आदि को ठीक करती है।

त्वचा मुलायम बनाए कोलेजेन फिलर्स

कोलेजेन फिलर्स को पतले होठों को मोटा बनाने के लिए भी प्रयोग किया जाता है। शरीर के लिये कोलेजेन का प्राकृतिक रूप से बनना इसे कॉस्मेटिक उद्देश्यों के लिए बेस्ट फिलर बनाता है, क्योंकि शरीर इसे ज्यादा सहजता से स्वीकार कर लेता है और जोखिम बहुत कम रहते हैं।

नया रूप निखारती त्वचा

इस प्रक्रिया के दौरान जिस हिस्से को कॉस्मेटिक उद्देश्य के लिये बढ़ाया जाना है, उस पर कोई सुन्न करने वाला पदार्थ लगाकर या लोकल एनेस्थेसिया की छोटी खुराक से सुन्न किया जाता है। इसके बाद इंजेक्टेबल फिलर्स को त्वचा के उस हिस्से में इंजेक्ट किया जाता है, जिसे बढ़ाया या उभारा जाना है। इंजेक्शनों में कुछ मिनट लगते हैं, लेकिन कुछ रिंकल्स या छिपे हुए दागों के कारण कई इंजेक्शनों की जरूरत हो सकती है, जो कि उस दशा पर निर्भर होते हैं, जिसे निर्धारित ट्रीटमेंट कोर्स के जरिए ट्रीट किया जाना हो। अपनी अपेक्षाओं को अपने डॉक्टर से बताएं, जिससे आपको इस बारे में बेहतर सुझाव मिल सकेंगे कि आपको कितने अधिक ट्रीटमेंट्स की जरूरत होगी, क्योंकि दशा की गंभीरता के अनुसार अनेक इंजेक्शनों की जरूरत हो सकती है।

पोटेंशियल कस्टमर

निम्न त्वचा समस्याएं हों तो वे इंजेक्टेबल फिलर्स के ट्रीटमेंट की चाह कर सकते हैं। यह एक कॉस्मेटिक प्रक्रिया है, जो त्वचा समस्याओं को अस्थाई रूप से ट्रीट करके केवल त्वचा की दिखावट को सुधारती है।

- फेशियल क्रीजेज या रिंकल्स।
- दाग। - पतले होठों को मोटा बनाना। - चेहरे के हल्के नाक-नक्श। - शिथिल (सैगिंग) त्वचा।

इसमें है जोखिम

कोलेजेन या इंजेक्टेबल फिलर्स एक नॉन-इन्वेसिव प्रक्रिया है और यदि सुयोग्य तथा अनुभवी डॉक्टर से कराई जाए तो इसके जोखिम काफी कम होते हैं और उत्पन्न हो सकने वाली कोई समस्या शायद ही कभी सीरियस होती है।

इंफेक्शन

- सूजन
- खुले हुए जख्म
- त्वचा सतह की पीलिंग
- उभरे हुए दाने आदि बनना
- दाग रह जाना

बताए गए जोखिम केवल तभी उत्पन्न होते हैं, जब इस प्रक्रिया को किसी अकुशल डॉक्टर द्वारा किया जाता है।

एलर्जी

कोलेजेन के अलावा अन्य सिंथेटिक फिलर्स उपयोग किए जाने पर एलर्जी का खतरा सबसे ज्यादा होता है, लेकिन यदि एलर्जी टेस्ट कर लिया गया है और यह क्लीयर है तो इससे संबंधित कोई समस्या नहीं उत्पन्न होती। पदार्थ के प्रति त्वचा की सेंसेटिविटी जांचने के लिए डॉक्टर एक महीने से कम समय पहले एक त्वचा टेस्ट करते हैं।

आती है सूजन

ट्रीटमेंट के बाद कुछ सतही घूमिलता का अनुभव हो सकता है, जिसके अलावा ट्रीटेड हिस्से में सूजन, लालिमा और नाजुकपन का अहसास भी हो सकता है। इनमें से ज्यादातर समस्याएं कुछ घंटों या कुछ दिनों में खत्म हो जाती है और जल्दी ही सुधार दिखने लगता है।

पूर्व सावधानियां

चूंकि विभिन्न सिंथेटिक फिलर्स का उपयोग इंजेक्टेबल फिलर्स के तौर पर किया जाता है और यहां तक कि बोवाइन कोलेजेन भी उपयोग किया जाता है। इसलिए कुछ मेडिकल कंडीशन्स वाले लोग इनके प्रति ठीक रिएक्ट नहीं करते। ऑटोइम्यून बीमारियों वाले या हर्पीज हिस्ट्री वाले लोगों को यह प्रक्रिया नहीं करानी चाहिए। गर्भवती या दूध पिलाने वाली महिलाओं के लिए भी इन प्रक्रियाओं की सिफारिश नहीं की जाती है।

ऑफ्टर केयर

प्रक्रिया के बाद कुछ लालिमा, सूजन और नाजुकपन दिखाई पड़ता है। ट्रीटेड हिस्से को अगले कुछ घंटों तक छुएं नहीं। त्वचा पर से सूजन और लालिमा खत्म हो जाने तक ज्यादा गर्म तापमान में एक्सपोजर व सन एक्सपोजर से बचें। कुछ दवाएं जैसे कि एस्पिरिन आदि ट्रीटेड हिस्से में जलन बढ़ा सकती है। यदि लक्षण एक हफ्ते से अधिक वक्त तक बने रहें तो अपने डॉक्टर से सलाह लें।

प्लास्टिक बर्तनों से बीमारी

अगर आप घर में प्लास्टिक के बर्तन यूज कर रही हैं तो संभल जाइए। घटिया प्लास्टिक से बने बर्तन बीमारी का कारण बन सकते हैं, क्योंकि इनके द्वारा शरीर में खतरनाक पदार्थों के प्रवेश की आशंका बनी रहती है।

प्लास्टिक के बारे में थोड़ी-सी भी जानकारी रखने वाले अब तक यह तो समझ ही गए होंगे कि प्लास्टिक हमारे पर्यावरण के लिए बहुत हानिकारक होती है, क्योंकि पानी या मिट्टी में लंबे समय तक रहने के बाद भी यह न तो गलती है और न ही सड़ती है। इसके ये गुण ही पर्यावरण के दुश्मन बन गए हैं, परन्तु यह तो इसका केवल पर्यावरणीय पक्ष ही है। इसका एक दूसरा पक्ष भी है, जो कि सीधा हमारे स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है। हमारे घरों में आजकल प्लास्टिक के बर्तनों, डिब्बों और पैकेजिंग सामग्री के रूप में प्लास्टिक का राज-सा होता जा रहा है, क्योंकि प्लास्टिक के ये बर्तन आदि न तो गिर कर टूटते हैं और न ही पानी से भीग जाने पर इनके गलने, सड़ने या क्षरण का खतरा होता है। इसके अलावा ये हल्के, सस्ते व सुविधाजनक भी बहुत होते हैं। कदाचित यही वे कारण है कि आजकल प्लास्टिक हमारे जीवन का एक अभिन्न व अनिवार्य-सा अंग बन गया है।

प्रचलन बढ़ा तेजी से

प्लास्टिक के बर्तनों का प्रयोग भले ही खाना बनाने के लिए नहीं किया जाता हो, लेकिन इसका उपयोग खाने-पीने के सामान को रखने के लिए बहुत किया जाने लगा है। आजकल दूध, घी, दाले, चीनी, चाय आदि लगभग सभी तरह की वस्तुएं प्लास्टिक से बने डिब्बों, बोतलों या थैलियों वगैरह में आने लगी हैं। इसी प्रकार स्कूल जाने वाले छोटे बच्चों के लंच बॉक्स और पानी की बोतलें भी प्लास्टिक के ही दिखाई देने लगे हैं। किन्तु अगर ये चीजें घटिया प्लास्टिक से बनी हों तो ये बीमारी का कारण भी बन सकती हैं, क्योंकि इनके द्वारा शरीर में खतरनाक पदार्थों के प्रवेश की आशंका बनी रहती है।

निकलता है जहरीला पदार्थ

इस विषय में हुए विभिन्न शोधों एवं अध्ययनों में पता चला है कि जब गरम खाद्य पदार्थों को प्लास्टिक के बर्तनों आदि में रखा जाता है तो प्लास्टिक में से बिसफिनाल-ए (बीपीए) नामक एक जहरीला रसायन निकलकर खाद्य पदार्थों में मिल जाता है। इसका प्रयोग पॉली कार्बोनेट प्लास्टिक के निर्माण में होता है, जो कि रंगहीन, मजबूत व चलाऊ होती है।

कितना लें कैल्शियम

पूरक पर नहीं निर्भर

एक स्वस्थ आहार का अर्थ है दिन में 200 से 300 मिलीग्राम कैल्शियम लेना। इसमें फल और सब्जियां होनी चाहिए। जैसे-बीज, अनाज और हरी पत्तेदार सब्जियां। लेकिन 1 कप दूध से शरीर में 300 मिलीग्राम कैल्शियम की मात्रा जुड़ जाती है और दही से 150 से 200 मिलाग्राम कैल्शियम। सभी दूध के उत्पादों को अपने आहार में शामिल कर और कुछ मात्रा में फल और सब्जियां लेने से शरीर में 600 से 800 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है।

किस तरह से लेना चाहिए

कैल्शियम के पूरक कैल्शियम साइट्रेट या कैल्शियम कार्बोनेट से बने होते हैं। कैल्शियम के पूरक जिनमें पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम कार्बोनेट होती है, उन्हें खाने के बाद लेना चाहिए। क्योंकि उन्हें पेट में मौजूद एसिड को अवशोषित करने की जरूरत होती है। कैल्शियम साइट्रेट पेट में मौजूद एसिड पर निर्भर नहीं होता और इसलिए इसे दिन में किसी भी समय लिया जा सकता है।

क्या गुर्दे की पथरी हो सकती है?

अधिकतर स्थितियों में ऐसा पाया गया है कि 80 से 85 प्रतिशत स्थितियों में पथरी कैल्शियम से बनी होती है। लेकिन सदियों से हो रहे शोधों से ऐसा पता चला है कि आहार के माध्यम से अधिक मात्रा में कैल्शियम लेने से गुर्दे की पथरी का खतरा कम हो जाता है ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कैल्शियम से आक्जलेट का अवशोषण कम हो जाता है। आक्जलेट वो अणु है जो कैल्शियम से जुड़कर गुर्दे की पथरी का कारण बन सकता है। दूसरे कई शोधों से भी ऐसा ही पता चला है कि हम सभी आहार के पोषण मूल्यों को दवाओं और पूरक की तुलना में आहार से कहीं आसानी से ले सकते हैं। विशेषज्ञों का ऐसा मानना है कि दूध के उत्पाद और दही खनिज के आदर्श स्रोत हैं। इसके विरोध में कुछ शोधों के अनुसार डेयरी के आहार से कैंसर का भी खतरा हो सकता है। अंततः यह ना केवल मानी हुई बात है बल्कि यह एक राय भी है कि जिन सब्जियों में कैल्शियम अधिक मात्रा में होता है जैसे पालक, अम्लान, बोनी मछली, सहजन उन्हें अधिक मात्रा में लेना चाहिए क्योंकि इनसे शरीर में कैल्शियम की आपूर्ति होती है।

कुछ लोगों का ऐसा मानना है कि कैल्शियम के पूरक लेने से हड्डियां मजबूत और स्वस्थ होती हैं और आस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारी के दूर रहने के साथ-साथ हड्डियों के टूटने का भी खतरा कम होता है। लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि कैल्शियम के रूपक लेने से इनके अतिरिक्त प्रभाव होते हैं। इसलिए कैल्शियम से संबंधी भ्रम का समाधान निकालने के लिए यहां कई प्रकार के भ्रम का समाधान बताया जा रहा है।

किस मात्रा में लेना चाहिए

विशेषज्ञों के अनुसार एक वयस्क व्यक्ति (जिसकी उम्र 19 से 50 वर्ष हो) उसे दिनभर में लगभग एक हजार मिलीग्राम कैल्शियम लेना चाहिए और 50 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति को बारह सौ मिलीग्राम कैल्शियम की मात्रा लेनी चाहिए।

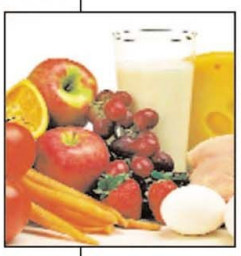

कैल्शियम से संबंधी चुनौतियां सदियों से चली आ रही है और यह स्थिति आज भी वैसी ही है। हमें दिनभर में कितनी कैल्शियम की जरूरत पड़ती है यह जानना जरूरी है।

क्या फ्रैक्चर से बच सकते है?

विशेषज्ञों का ऐसा मानना है कि बहुत अधिक मात्रा में कैल्शियम लेने का अर्थ यह नहीं है कि हमारे रक्त में अधिक मात्रा में कैल्शियम होगा। अगर रक्त में कैल्शियम अधिक मात्रा में नहीं है हड्डियों के रिजर्पशन से वो सामान्य स्थिति में आ जाती है और ऐसे में हड्डियां और कमजोर हो जाती हैं जिससे कि फ्रैक्चर का खतरा बढ़ जाता है।

महिला टी-20 विश्व कप 2026

7वें खिताब की तलाश में ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड की नजर है दूसरे ताज पर

लंदन, एजेंसी। महिला टी20 विश्व कप 2026 अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। टूर्नामेंट को दोनों फाइनलिस्ट मिल चुके हैं। पहले सेमीफाइनल में छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में मेजबान इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 40 रन से मात देकर खिताबी मुकाबले का टिकट हासिल किया। अब दोनों टीमें पांच जुलाई (रविवार) को लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर आमने-सामने होंगी। ऑस्ट्रेलिया की नजर रिकॉर्ड सातवें महिला टी20 विश्व कप खिताब पर होगी, जबकि इंग्लैंड की टीम 2009 के बाद दूसरी बार विश्व विजेता बनने के इरादे से उतरेगी। टूर्नामेंट के पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। वेस्टइंडीज ने कप्तान हेली मैथ्यूज (30) की पारी की मदद से संभली हुई शुरुआत की, लेकिन इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया।

इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 40 रन से हराया

दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर इंग्लैंड को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। मेजबान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 35 रन के स्कोर तक तीन विकेट गंवा दिए। इसके बाद कप्तान नेट शीवर-ब्रंट और अनुभवी बल्लेबाज हीदर नाइट ने पारी को संभाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 133 रन की शानदार साझेदारी की, जो महिला टी20 विश्व कप के नॉकआउट मुकाबलों के इतिहास की सबसे बड़ी चौथे विकेट की साझेदारी है। नेट शीवर-ब्रंट और हीदर नाइट दोनों ने अर्धशतक जड़े और इंग्लैंड ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 169 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

धोनी से की तुलना

विंबलडन देखने पहुंचीं दीप्ति शर्मा जोकोविच की जमकर की तारीफ

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी और 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच के बीच एक दिलचस्प तुलना की है। उन्होंने कहा कि खेल की दुनिया के इन दोनों दिग्गजों में सबसे मुश्किल हालात में भी शांत और संयमित रहने की खास काबिलियत है।

पहली बार विंबलडन देखने पहुंचीं दीप्ति ने बताया कि कैसे धोनी भी जोकोविच की तरह ही दबाव को शांति से संभालते हैं। दीप्ति ने जियो हॉटस्टार से कहा, 'जब आप जोकोविच की बात करते हैं, तो हर कोई उनकी मानसिक मजबूती की चर्चा करता है। वे ऐसे खिलाड़ी हैं जो हालात कितने भी मुश्किल क्यों न हों, कभी हार नहीं मानते। मुझे लगता है कि क्रिकेट में एमएस धोनी सर भी बिल्कुल ऐसे ही हैं। वे बहुत शांत और संयमित रहने के लिए जाने जाते हैं। जब भी दबाव वाले हालात आते हैं, तो वे उन्हें बहुत अच्छे से संभालते हैं। कभी ऐसा नहीं लगता कि वे किसी मुश्किल स्थिति में हैं। वे दबाव को बहुत आसानी से संभाल लेते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'जोकोविच और धोनी, दोनों में सबसे अहम मौकों पर शांत और मजबूत बने रहने की खास खूबी है। उन्हें देखकर हम सीखते हैं कि कैसे शांत रहा जाए और मुश्किल हालात से बाहर निकलने का रास्ता ढूंढा जाए।' भारतीय ऑलराउंडर ने यह भी बताया कि विंबलडन मैच को सामने से देखना उनकी बरसों पुरानी इच्छा थी। उन्होंने कहा, 'मेरा सपना था कि एक दिन मैं विंबलडन मैच देखने आऊं और आखिरकार यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है।

जोकोविच को बताया पसंदीदा खिलाड़ी

दीप्ति ने जोकोविच को अपना पसंदीदा खिलाड़ी भी बताया और सर्बियाई खिलाड़ी के जुझारूपन और प्रतिस्पर्धी जज्बे की तारीफ की। उन्होंने कहा, 'मेरे पसंदीदा खिलाड़ी जोकोविच हैं। मैं उनके खेल को बहुत करीब से फॉलो करती हूं। कोर्ट पर जिस तरह से वे लड़ते हैं, उनकी मानसिक मजबूती और कभी हार न मानने वाला रवैया मुझे ये सब बहुत पसंद है। उन्हें खेलते हुए देखना हमेशा प्रेरणादायक होता है।' दीप्ति ने कहा, 'मैं फेडरर और नडाल जैसे महान खिलाड़ियों को देखते हुए बड़ी हुई हूं।

41 साल की उम्र में रोनाल्डो ने बनाया खास रिकॉर्ड

20 साल में पहली बार हासिल की यह बड़ी उपलब्धि

टोरंटो, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में पुर्तगाल और क्रोएशिया के बीच टोरंटो में खेले जा रहे मुकाबले में क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने इतिहास रच दिया। 41 वर्षीय स्टार ने न केवल विश्व कप नॉकआउट चरण में अपने करियर का पहला गोल किया, बल्कि टूर्नामेंट के इतिहास में एक और बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। दूसरे हाफ के 53वें मिनट में क्रोएशिया ने इवान पेरिसिच के गोल की बदौलत 1-0 की बढ़त बना ली थी। इसके बाद 64वें मिनट में पुर्तगाल को कॉर्नर मिला। बॉक्स के अंदर निकोला व्लासिच द्वारा पुर्तगाली खिलाड़ी को रोकने की कोशिश की गई। रेफरी ने ब्रूक की मदद ली और पेनल्टी दे दी। रोनाल्डो ने बिना कोई गलती किए गेंद को गोल में पहुंचाया और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। हालांकि, इसके बाद इंजरी टाइम यानी 90+4वें मिनट में गोंजालो रामोस ने गोल दाग पुर्तगाल को 2-1 से आगे कर दिया।

विश्व कप नॉकआउट में पहला गोल

यह गोल रोनाल्डो के लिए बेहद खास रहा, क्योंकि उन्होंने पहली बार फीफा विश्व कप के नॉकआउट मुकाबले में गोल दागा। इससे पहले विश्व कप में उनके सभी गोल ग्रुप चरण में आए थे। मौजूदा टूर्नामेंट में यह उनका तीसरा गोल है। इससे पहले उन्होंने ग्रुप चरण में उज्बेकिस्तान के खिलाफ दो गोल किए थे।

अब विश्व कप में कुल 11 गोल

इस गोल के साथ रोनाल्डो के नाम अब फीफा विश्व कप में कुल 11 गोल हो गए हैं। वह विश्व कप इतिहास के सबसे सफल गोल स्कोररों में अपनी जगह और मजबूत करने में सफल रहे हैं। पेनल्टी के ठीक बाद 81वें मिनट में रोनाल्डो को सब्सटिट्यूट किया गया। उनकी जगह रुबेन नेवेस मैदान पर आए।

रोनाल्डो ने बनाया रिकॉर्ड

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में क्रोएशिया के खिलाफ मैदान पर उतरते ही एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली। 41 साल और 147 दिन की उम्र में यह फीफा वर्ल्ड कप के नॉकआउट मुकाबले में खेलने वाले इतिहास के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए।रोनाल्डो ने इस गोल के साथ एक और ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वह 40 वर्ष की उम्र पार करने के बाद फीफा विश्व कप के नॉकआउट मुकाबले में गोल करने वाले इतिहास के पहले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने अपने ही पूर्व पुर्तगाली साथी पेपे का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2022 विश्व कप में स्विट्जरलैंड के खिलाफ 39 साल और 283 दिन की उम्र में गोल कर यह उपलब्धि हासिल की थी पुर्तगाल ने फीफा विश्वकप 2026 के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है। उसने राउंड ऑफ 32 में क्रोएशिया को 2-1 से हरा दिया। टोरंटो में खेले गए इस मैच में फुल ऑन ड्रामा देखने को मिला है।

21वीं वरीयता प्राप्त मैरी ने इटली की टायरा को हराया

बोजकोवा और नवारो तीसरे दौर में क्रेजिकोवा ने एंड्रीवा को किया बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। विंबलडन 2026 के महिला एकल मुकाबलों में चेक गणराज्य की मैरी बोजकोवा और अमेरिका की एम्मा नवारो ने दूसरे दौर में जीत दर्ज कर तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया। वहीं, बुधवार को खेले गए एक बड़े उलटफेर में बारबोरा क्रेजिकोवा ने पांचवीं वरीयता प्राप्त मिरां एंड्रीवा को हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

सीधे सेटों में दर्ज की जीत

21वीं वरीयता प्राप्त मैरी बोजकोवा ने इटली की क्वालीफायर टायरा कैटरिना ग्रांट को 7-5, 6-3 से हराया। पहले सेट में शुरुआती ब्रेक गंवाने के बावजूद बोजकोवा ने शानदार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया। वह तीसरी बार विंबलडन के तीसरे दौर में पहुंची हैं। 2022 में वह यहां क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थीं।

अब सैमसोनोवा से होगी टक्कर

घास के कोर्ट पर इस सीजन बोजकोवा की यह सातवीं जीत है। तीसरे दौर में उनका सामना लयुडमिला सैमसोनोवा से होगा। सैमसोनोवा ने 15वीं वरीयता प्राप्त डायना श्नाइडर को 6-4, 4-6, 6-2 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई।

नवारो ने शानदार वापसी से जीता मुकाबला

अमेरिका की एम्मा नवारो ने पहला सेट गंवाने के बाद दमदार वापसी करते हुए ओक्साना सेलेखमेतयेवा को 3-6, 6-4, 6-1 से मात दी। नवारो लगातार तीसरे साल विंबलडन के तीसरे दौर में पहुंची हैं। वह 2024 में क्वार्टर फाइनल और पिछले साल चौथे दौर तक पहुंची थीं।

तीसरे दौर में किससे होगा सामना

नवारो ने अपने पिछले 18 टूर-स्तरीय मुकाबलों में 14वीं जीत दर्ज की है। अब उनका मुकाबला 12वीं वरीयता प्राप्त मार्टा कोस्त्युक और अन्ना ब्लिंकोवा के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा।

क्रेजिकोवा ने एंड्रीवा को किया बाहर

बुधवार को खेले गए दूसरे दौर के सबसे चर्चित मुकाबले में दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन बारबोरा क्रेजिकोवा ने मिरां एंड्रीवा को 4-6, 7-5, 6-4 से हराकर शानदार वापसी की। जीत दर्ज करने के लिए उन्हें सात मैच प्वाइंट लगाने पड़े।

ऑल-चेक मुकाबला होगा तीसरे दौर में

क्रेजिकोवा अब तीसरे दौर में अपनी हमवतन निकोला बार्टूनकोवा से भिड़ेंगी। बार्टूनकोवा ने 32वीं वरीयता प्राप्त कैटरीना सिनियाकोवा को 6-2, 6-4 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। एंड्रीवा के खिलाफ यह क्रेजिकोवा की पांच मुकाबलों में दूसरी जीत रही।

हार के बाद जर्मनी टीम में हाहाकार

विश्व कप से बाहर होते ही कोच नागेल्समैन ने छोड़ा पद

बर्लिन, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में पराग्वे के खिलाफ मिली हार के बाद, जर्मन फुटबॉल संघ (डीएफबी) और जूलियन नागेल्समैन ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। नागेल्समैन की जगह टीम का कोच पद संभालने के लिए जुर्गन क्लॉप का नाम सबसे आगे चल रहा है, जिन्होंने पहले इस पद की दौड़ से खुद को बाहर कर लिया था।

विश्व कप में फिर किया निराश-जर्मनी की हार के बाद नागेल्समैन ने कहा था कि वह कोच के रूप में आगे बढ़ना चाहते हैं। लेकिन इसमें कोई शक नहीं है कि 59 वर्षीय क्लॉप उस टीम की किस्मत बदलने के लिए पहली पसंद होंगे जो 2018 और 2022 के विश्व कप में ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी और मौजूदा फीफा विश्व कप में भी उसने एक बार फिर निराश किया है। जर्मनी टीम ने इससे पहले विश्व कप के पिछले सभी चार पेनल्टी शूटआउट जीते थे। उन्होंने ऐसी सटीक दक्षता दिखाई थी कि सोमवार से पहले तक विश्व कप शूटआउट में पेनल्टी मिस करने वाले एकमात्र जर्मन खिलाड़ी उली स्टिलिके थे, जिन्होंने 1982 के सेमीफाइनल में फ्रांस के खिलाफ ऐसा किया था। लेकिन बोस्टन की एक गर्म और उमस भरी शाम को यह सब बदल गया। राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में जर्मनी को पराग्वे के खिलाफ उलटफेर का शिकार होकर विश्व कप से बाहर होने का दर्द झेलना पड़ा।

स्पेन की एकतरफा जीत, ऑस्ट्रिया को 3-0 से हराकर पार की नॉकआउट की बाधा

लॉस एंजिलिस। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड-ऑफ-32 के मुकाबले में स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रिया को 3-0 से हराकर अंतिम-16 में जगह पक्की कर ली। लॉस एंजिलिस स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मिकेल ओयरजाबल ने दो गोल दागे, जबकि पेड्रो पोरो ने अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला गोल कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अब स्पेन का सामना छह जुलाई को डलास में पुर्तगाल और क्रोएशिया के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा।

मैच की शुरुआत से ही स्पेन ने आक्रामक रुख अपनाया। पहले ही मिनट में लामिन यमल ने गोल पर शॉट लगाकर ऑस्ट्रिया के डिफेंस को सतर्क कर दिया। इसके बाद स्पेन लगातार हमले करता रहा। मार्क कुकुरेला ने कॉर्नर पर गेंद को गोल में पहुंचाया, लेकिन गोलकीपर अलेक्जेंडर श्लेगर पर फाउल के कारण रेफरी ने गोल रद्द कर दिया। 36वें मिनट में कुकुरेला के शानदार लो-क्रॉस पर मिकेल ओयरजाबल ने फर्स्ट-टच फिनिश के साथ गेंद को नेट में पहुंचाकर स्पेन को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले हाफ के अंत तक एलेक्स बाएना की फ्री-किक क्रॉसबार से टकराई, जबकि यमल के एक और प्रयास को श्लेगर ने शानदार बचाव से रोक दिया।

दूसरे हाफ की शुरुआत में ऑस्ट्रिया ने वापसी की कोशिश की। 61वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी सासा कालाजिच को हेडर से गोल करने का मौका मिला, लेकिन वह गेंद को गोलपोस्ट के अंदर नहीं रख सके। इसके बाद स्पेन ने मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया। 66वें मिनट में एलेक्स बाएना के सटीक क्रॉस पर पेड्रो पोरो ने शानदार हेडर लगाकर स्कोर 2-0 कर दिया।

2036 ओलंपिक के लिए भारत का रोडमैप तैयार, नए चयन नियमों के साथ आगे बढ़ेगी दावेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने के लिए पूरी तरह तैयार है और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की नई मेजबान चयन प्रक्रिया को लेकर भी आश्वस्त नजर आ रहा है। भारतीय पक्ष का कहना है कि वह विभिन्न माध्यमों से आईओसी के सामने अपना पक्ष मजबूती से रखेगा।भारत ने 2024 में अहमदाबाद में 2036 ओलंपिक आयोजित करने की मंशा जताते हुए आईओसी को औपचारिक 'लेटर ऑफ इंटेंट' सौंपा था। हालांकि, 2025 में आईओसी की नई अध्यक्ष किर्स्टी कोवेंट्री ने मेजबान चयन प्रक्रिया की समीक्षा के लिए एक कार्य समूह गठित किया, जिसके बाद पूरी प्रक्रिया को अस्थायी रूप से रोक दिया गया था।

हाल ही में आईओसी सत्र में नई चयन प्रक्रिया को मंजूरी दे दी गई है। इसके तहत 2036 ओलंपिक के मेजबान का फैसला वर्ष 2029 के मध्य में किया जाएगा। भारत की ओर से इस पूरी प्रक्रिया का नेतृत्व भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) गुजरात सरकार के सहयोग से करेगा।

विभिन्न माध्यमों से मजबूत करेगा दावा

एक वरिष्ठ सूत्र ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि सरकार सीधे आईओसी सदस्यों से संपर्क नहीं कर सकती, लेकिन कई अन्य माध्यम मौजूद हैं, जिनके जरिए भारत अपने दावे को मजबूत करेगा। हालांकि उन्होंने इन माध्यमों का खुलासा नहीं किया।

मानसून सत्र में पेश होगा संशोधित राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग बिल

केंद्र सरकार आगामी मानसून सत्र में संशोधित राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है। इस संशोधन का उद्देश्य खिलाड़ियों तक प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी और आपूर्ति करने वालों के खिलाफ कड़े कानूनी प्रावधान लागू करना है।

पांच साल तक की जेल का प्रावधान

संशोधित बिल में खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थ उपलब्ध कराने या उनकी तस्करी करने वालों के लिए अधिकतम पांच साल की जेल का प्रावधान किया गया है। इतना ही नहीं, यदि कोई डॉक्टर या चिकित्सा विशेषज्ञ जानबूझकर प्रतिबंधित दवाएं लिखता है, तो उसे भी इस कानून के दायरे में लाया जाएगा। इस संशोधित विधेयक पर 18 जून तक सार्वजनिक सुझाव मांगे गए थे और अब परामर्श प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा, जिसमें इसे पेश किए जाने की संभावना है।

सरकार क्यों ला रही है यह संशोधन?

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया लगातार यह कहते रहे हैं कि प्रतिबंधित दवाओं की संगठित आपूर्ति को अपराध घोषित करना समय की जरूरत है। पिछले तीन वर्षों से भारत विश्व एंटी-डोपिंग एजेंसी (वाडा) की डोपिंग उल्लंघन करने वाले देशों की सूची में शीर्ष पर रहा है। इसी तरह का प्रस्ताव 2018 में भी लाया गया था, जिसमें दोषियों के लिए चार साल की जेल और दो लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान था। हालांकि, 2022 में पारित कानून से इन प्रावधानों को हटा दिया गया था, क्योंकि सरकार ने उस समय दंडात्मक कानून की बजाय रोकथाम आधारित कानून को प्राथमिकता दी थी। अब संशोधित बिल के जरिए फिर से कड़े दंडात्मक प्रावधान लागू करने की तैयारी की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

जर्मनी में अब बिना सबूत नहीं मिलेगी सिक लीव

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी में कर्मचारियों के लिए बीमारी की छुट्टी (सिक लीव) से जुड़े नियम जल्द सख्त हो सकते हैं। चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की

सरकार कार्यस्थल और अर्थव्यवस्था से जुड़े व्यापक सुधारों की तैयारी कर रही है। प्रस्तावित नियमों के तहत कर्मचारियों को छुट्टी के पहले ही दिन डॉक्टर का मेडिकल सर्टिफिकेट देना पड़ सकता है। अभी कई मामलों में कर्मचारी केवल बीमारी की सूचना देकर छुट्टी ले लेते हैं, लेकिन सरकार इस व्यवस्था में बदलाव करना चाहती है। बीमारी की छुट्टी से जुड़े बदलाव सरकार के 34 सूत्रीय आर्थिक सुधार पैकेज का हिस्सा हैं। इस पैकेज में पेंशन सुधार, टैक्स व्यवस्था में बदलाव, श्रम कानूनों में संशोधन और सरकारी प्रक्रियाओं में लालफीताशाही कम करने जैसे कई प्रस्ताव शामिल हैं। सरकार का दावा है कि इन सुधारों से आर्थिक विकास को गति मिलेगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता मजबूत होगी और सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था भी बेहतर बनेगी। सरकार रोजगार से जुड़े नियमों में भी अधिक लचीलापन लाने की तैयारी कर रही है। प्रस्ताव के मुताबिक, वर्ष 2030 तक कंपनियां नए कर्मचारियों को अधिकतम चार वर्ष तक फिक्स्ड-टर्म कॉन्ट्रैक्ट पर नियुक्त कर सकेंगी। साथ ही, अधिक वेतन पाने वाले कर्मचारियों को मुआवजा देकर नौकरी से हटाने के मामलों में भी कंपनियों को पहले की तुलना में अधिक स्वतंत्रता देने का प्रस्ताव रखा गया है। चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन आर्थिक सुधारों पर सहमत हो गया है और सरकार का लक्ष्य इस वर्ष के अंत तक संसद से 34 सूत्रीय पैकेज के प्रमुख प्रावधानों को मंजूरी दिलाना है। उनके मुताबिक, सरकार कारोबारों में अधिक लचीलापन लाने, लालफीताशाही कम करने, सामाजिक कल्याण व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने और टैक्स में राहत देकर कर्मचारियों तथा कंपनियों पर पड़ने वाला बोझ घटाने की दिशा में काम कर रही है।

होर्मुज पर ईरान की सख्त चेतावनी, कहा- नियम तोड़ने वाले जहाजों पर की जाएगी कड़ी कार्रवाई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सैन्य कमान ने गुरुवार को तेल टैंकरों को सख्त चेतावनी दी है। ईरान ने

कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले सभी जहाजों को उसके बताए रास्तों का ही इस्तेमाल करना होगा। अगर कोई जहाज इन नियमों को नहीं मानता है, तो उसे कठोर कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। होर्मुज का यह रास्ता पूरी दुनिया में तेल की सप्लाई के लिए बहुत जरूरी है। ईरान की यह धमकी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका और ईरान के राजनयिक कतर में बातचीत कर रहे हैं। हाल ही में अमेरिकी सेना ने बहरीन में एक बैठक की थी। इस बैठक में व्यापार के मुक्त प्रवाह की बात कही गई थी, जिससे ईरान नाराज हो गया। ईरान इस समय अपने दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की तैयारी भी कर रहा है। ईरान ने साफ कहा है कि उसके नियमों का उल्लंघन करने वाले जहाजों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। साथ ही, उसने अमेरिकी सेना के हस्तक्षेप पर भी कड़ी प्रतिक्रिया देने की बात कही है। ईरान और अमेरिका के बीच एक अस्थायी समझौता हुआ था। इसके तहत 60 दिनों तक जहाजों को बिना किसी शुल्क के गुजरने की अनुमति दी गई थी। लेकिन अब तेहरान चाहता है कि जहाजों के रास्तों पर उसका नियंत्रण हो और वह बाद में इसके लिए फीस भी वसूले। अमेरिका और कई खाड़ी देश ईरान की इस मांग का विरोध कर रहे हैं। ओमान और संयुक्त राष्ट्र ने ओमान के तट के पास एक नया रास्ता शुरू करने की कोशिश की थी।

टैरिफ की धमकी से ट्रंप ने कितने युद्ध रुकवाए? भारत-पाकिस्तान जंग पर फिर दोहराया पुराना बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध को टैरिफ की धमकी देकर रुकवाया था। ट्रंप ने कहा कि यदि दोनों देश लड़ाई जारी रखते तो वह उन पर 200 प्रतिशत टैरिफ लगा देते। हालांकि भारत पहले भी इस दावे को सिरे से खारिज कर चुका है और स्पष्ट कर चुका है कि दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम किसी तीसरे देश की मध्यस्थता से नहीं, बल्कि दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच बातचीत से हुआ था।

ट्रंप ने अमेरिकी मीडिया चैनल सीएनबीसी को दिए इंटरव्यू में कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान आठ युद्ध रुकवाए और इनमें से पांच केवल टैरिफ की चेतावनी देकर रोके गए। उन्होंने भारत और पाकिस्तान का उदाहरण देते हुए दावा किया कि दोनों परमाणु शक्ति संपन्न देश युद्ध की कगार पर थे, लेकिन आर्थिक दबाव की चेतावनी के बाद तनाव कम हो गया।

ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है, जब वह लगातार अपनी व्यापार नीति और टैरिफ को प्रभावी कूटनीतिक हथियार बता रहे हैं।

क्या बोले ट्रंप, कैसे किया भारत-पाकिस्तान का जिक्र: ट्रंप ने इंटरव्यू में कहा, 'मैंने आठ युद्ध रोके। भारत और पाकिस्तान भी उनमें शामिल हैं। अगर आप लड़ाई जारी रखेंगे तो मैं आपके देश पर 200 प्रतिशत टैरिफ लगा दूंगा। मैंने यही बात भारत से भी कही और पाकिस्तान से भी।' उन्होंने यह भी दावा किया कि दोनों देशों के बीच हालात बेहद गंभीर हो चुके थे और युद्ध किसी भी समय शुरू हो सकता था। ट्रंप ने कहा कि दोनों देश परमाणु शक्ति संपन्न हैं और टकराव की स्थिति बेहद खतरनाक हो सकती थी।

क्या पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का भी किया जिक्र?: ट्रंप ने अपने बयान में यह भी दावा किया कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उनकी भूमिका की सराहना की थी। ट्रंप के मुताबिक, शहबाज शरीफ ने उनसे कहा था कि उन्होंने इस युद्ध को रोककर कम से कम तीन करोड़ लोगों की जान बचाई। इसके अलावा ट्रंप ने यह भी दावा किया कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान 11 विमान मार गिराए गए थे और दोनों देश व्यापक युद्ध की ओर बढ़ रहे थे। हालांकि उन्होंने अपने इन दावों के समर्थन में कोई आधिकारिक साक्ष्य पेश नहीं किया।

ट्रंप के युद्ध रुकवाने वाले दावे पर भारत क्या कहता आया?

भारत सरकार पहले भी ट्रंप के ऐसे दावों को खारिज कर चुकी है। भारत का स्पष्ट रुख है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो भी सैन्य तनाव पैदा हुआ, उसके बाद संघर्ष विराम दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच सीधे संवाद से हुआ था। पाकिस्तान से जुड़े सभी मुद्दे द्विपक्षीय हैं और किसी तीसरे देश की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की जाती। इसी कारण ट्रंप के बार-बार किए जा रहे दावों को भारत ने आधिकारिक रूप से स्वीकार नहीं किया है।

क्रूज पर फैला नोरोवायरस, चालक दल समेत 125 लोग बीमार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को से कनाडा और अलास्का की यात्रा पर निकले एक लग्जरी क्रूज जहाज में नोरोवायरस का बड़ा प्रकोप सामने आया है। इस संक्रमण की चपेट में 125 लोग आए हैं, जिनमें 102 यात्री और 23 चालक दल के सदस्य शामिल हैं। घटना के बाद स्वास्थ्य एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। आखिर यह वायरस कैसे फैलता है, इसके लक्षण क्या हैं और इससे बचाव कैसे किया जा सकता है, जानिए इस एक्सप्लेनर में।

सैन फ्रांसिस्को से रवाना होकर कनाडा और अलास्का की 20 दिन की यात्रा पर निकले रूबी प्रिंसेस क्रूज में नोरोवायरस संक्रमण फैलने से 125 लोग बीमार हो गए। अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, संक्रमितों में 102 यात्री और 23 चालक दल के सदस्य शामिल हैं। घटना के बाद जहाज के सैन फ्रांसिस्को लौटते ही विशेष सफाई और संक्रमण नियंत्रण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। यह मामला इसलिए भी गंभीर माना जा रहा है क्योंकि नोरोवायरस बंद जगहों और भीड़भाड़ वाले वातावरण में बहुत तेजी से फैलता है।

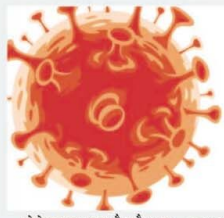

नोरोवायरस क्या है और यह इतना तेजी से क्यों फैलता है?: नोरोवायरस पेट और आंत से जुड़ा अत्यधिक संक्रामक वायरस है। यह संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने, दूषित भोजन या पानी पीने और संक्रमित सतहों को छूने से फैल सकता है। क्रूज जहाज, हॉस्टल, अस्पताल और वृद्धाश्रम जैसी जगहों पर इसके फैलने का खतरा अधिक रहता है क्योंकि वहां बड़ी संख्या में लोग सीमित जगह में रहते हैं। अधिकांश लोगों में यह संक्रमण कुछ दिनों में ठीक हो जाता है, लेकिन छोटे बच्चों, बुजुर्गों और पहले से गंभीर बीमारी से जूझ रहे लोगों के लिए यह खतरनाक साबित हो सकता है।

इस मामले में कितने लोग प्रभावित हुए और कंपनी ने क्या कदम उठाए? सीडीसी के अनुसार, रूबी प्रिंसेस क्रूज पर कुल 3,032 यात्री और 1,144 चालक दल के सदस्य मौजूद थे। संक्रमण की जानकारी 28 जून को स्वास्थ्य अधिकारियों को दी गई। हालांकि सभी संक्रमित एक साथ बीमार नहीं हुए थे। प्रिंसेस क्रूज कंपनी ने कहा कि मामले सामने आते ही जहाज पर अतिरिक्त स्वच्छता अभियान चलाया गया। जहाज को अगली यात्रा से पहले पूरी तरह साफ और कीटाणुरहित किया गया ताकि संक्रमण दोबारा न फैले। सीडीसी के मुताबिक, इस वर्ष अब तक उसके अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्रूज जहाजों पर बीमारी फैलने की सात घटनाएं दर्ज की गई हैं। इनमें अधिकांश मामलों के पीछे नोरोवायरस ही जिम्मेदार रहा है। स्वास्थ्य एजेंसियां लगातार क्रूज कंपनियों को स्वच्छता मानकों का सख्ती से पालन करने और संक्रमण के शुरुआती मामलों की तुरंत सूचना देने के निर्देश दे रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि समय पर पहचान, संक्रमित लोगों को अलग रखना और व्यापक सफाई अभियान चलाना ही ऐसे प्रकोप को नियंत्रित करने का सबसे प्रभावी तरीका है।

बौद्ध भिक्षु के वेष में था शख्स; पर्चे मिले

यूएन ऑफिस के बाहर आग लगाकर जान दी

न्यूयॉर्क सिटी एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के बाहर गुरुवार शाम एक 52 वर्षीय व्यक्ति ने खुद को आग लगा ली। गंभीर रूप से झुलसे व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों और सामने आए वीडियो के मुताबिक, वह व्यक्ति बौद्ध भिक्षु के वेश में था। घटना से पहले उसने संयुक्त राष्ट्र परिसर के पास फुटपाथ पर तिब्बती झंडा रखा और फिर खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली।

पुलिस को घटनास्थल से कुछ पर्चे मिले, जिन पर चीन को तिब्बत से निकालो लिखा था। शुरुआती जांच में इसे तिब्बत मुद्दे से जुड़ा विरोध माना जा रहा है। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक आत्मदाह के पीछे की अंतिम वजह की पुष्टि नहीं की है।

संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने बताया कि घटना के वक्त सभी आधिकारिक बैठकें खत्म हो चुकी थीं। इसलिए ह के नियमित कामकाज पर इसका कोई असर नहीं पड़ा।

अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के बाहर गुरुवार शाम एक 52 वर्षीय व्यक्ति ने खुद को आग लगा ली। गंभीर रूप से झुलसे व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों और सामने आए वीडियो के मुताबिक, वह व्यक्ति बौद्ध भिक्षु के वेश में था।

घटना से पहले उसने संयुक्त राष्ट्र परिसर के पास फुटपाथ पर तिब्बती झंडा रखा और फिर खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। पुलिस को घटनास्थल से कुछ पर्चे मिले, जिन पर चीन को तिब्बत से निकालो लिखा था। शुरुआती जांच में इसे तिब्बत मुद्दे से जुड़ा विरोध माना जा रहा है। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक आत्मदाह के पीछे की अंतिम वजह की पुष्टि नहीं की है।

संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने बताया कि घटना के वक्त सभी आधिकारिक बैठकें खत्म हो चुकी थीं। इसलिए ह के नियमित कामकाज पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। पहला चर्चित मामला फरवरी 2009 में सामने आया, जब युवा भिक्षु तपे ने खुद को आग लगा ली थी। मार्च 2011

20 साल से अमेरिका में रह रहा था शख्स

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मृतक की पहचान उसके एक दोस्त ने लोबगा रांगजेन के रूप में की है। बताया गया है कि वह करीब 20 साल से अमेरिका में रह रहा था। 2009 से अब तक 150 से ज्यादा तिब्बतियों ने आत्मदाह किया चीन के तिब्बत पर नियंत्रण के विरोध में 2009 से अब तक 150 से ज्यादा तिब्बती खुद को आग लगाकर जान दे चुके हैं। इनमें बौद्ध भिक्षु, साध्वियां, छात्र, किसान और आम लोग शामिल हैं।

में किरती मठ के 21 वर्षीय भिक्षु फुंटसोग ने आत्मदाह किया। इसके बाद 2012 और 2013 में ऐसी घटनाएं सबसे ज्यादा हुईं। चीन ने 2014 के बाद तिब्बत में सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी कड़ी कर दी।

इसके बाद आत्मदाह की घटनाओं में कमी आई, लेकिन विरोध पूरी तरह थमा नहीं। तिब्बती संगठनों का कहना है कि लोग चीन के शासन का विरोध जताने, दलाई लामा की तिब्बत वापसी, धार्मिक और सांस्कृतिक आजादी, तिब्बती भाषा और पहचान बचाने की मांग को लेकर यह कदम उठाते हैं। कई लोगों ने खुद को आग लगाने से पहले %तिब्बत को आजाद करो%, %दलाई लामा को वापस आने दो% और %चीन तिब्बत छोड़ो% जैसे संदेश भी छोड़े। चीन का कहना है कि इन घटनाओं के पीछे निर्वासित तिब्बती नेतृत्व लोगों को भड़काता है। वहीं, निर्वासित तिब्बती प्रशासन इस आरोप को खारिज करता है।

बाहरी लोग खुद की भी सुरक्षा नहीं कर सकते, अमेरिकी सेंट्रल कमांड की बैठक पर ईरानी विदेश मंत्री ने कहा

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बहरीन में एक बड़ी क्षेत्रीय सुरक्षा बैठक बुलाई। इसमें 12 देशों के सैन्य नेता शामिल हुए। इस सम्मेलन में सीरिया और लेबनान की भागीदारी ने सबको चौंका दिया। बहरीन रक्षा बल ने इस शिखर सम्मेलन की मेजबानी की। इसका मुख्य मकसद मध्य पूर्व में हवाई सुरक्षा को मजबूत करना और समुद्री व्यापारिक रास्तों को सुरक्षित बनाना था।

ईरान ने जताया कड़ा विरोध

ईरान ने इस अमेरिकी पहल की कड़ी निंदा की है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि पश्चिमी देशों का हस्तक्षेप इस क्षेत्र में स्थिरता नहीं ला सकता। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि स्थायी शांति केवल आपसी सहयोग से आ सकती है, पेंटागन के साये में नहीं। अराघची ने सवाल उठाया कि क्या ष्टश्वहृञ्जष्टहरूने इस क्षेत्र में सुरक्षा दी है या असुरक्षा? उन्होंने कहा कि ईरान की सेना ने साबित किया है कि बाहरी लोग खुद की रक्षा भी नहीं कर सकते। उनके अनुसार, बिना किसी बाहरी हस्तक्षेप के ही शांति संभव है।

होर्मुज पर ईरान का दावा

ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने भी इस बैठक पर

निशाना साधा। उन्होंने कहा कि फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षा के नियम तय करने का अधिकार अमेरिका को नहीं है। गरीबाबादी ने स्पष्ट किया कि होर्मुज का रास्ता ईरान के कमांड में आता है। उन्होंने कहा कि बहरीन में हुई सैन्य बैठक फारस की खाड़ी के लिए कोई कानूनी व्यवस्था या सुरक्षा तय नहीं कर सकती।

ईरानी राजनयिक ने जोर दिया कि विदेशी सैन्य गठबंधन लंबे समय तक स्थिरता नहीं दे सकते। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय सुरक्षा का प्रबंधन पड़ोसी देशों को खुद करना चाहिए। गरीबाबादी के अनुसार, क्षेत्र में सुरक्षा तभी आएगी जब अमेरिका यहां से बाहर निकलेगा और देशों की संप्रभुता का सम्मान होगा। उन्होंने कहा कि नई भू-राजनीतिक सच्चाइयों को स्वीकार करना जरूरी है, न कि अमेरिका की सैन्य छत्रछाया में रहना।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड और सहयोगी देशों का पक्ष

अमेरिकी सेंट्रलल कमांड ने बताया कि इस बैठक में संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर, लेबनान और सीरिया जैसे देशों के शीर्ष सैन्य अधिकारी शामिल हुए। एडमिरल ब्रैड कूपर ने इस चर्चा का नेतृत्व किया। बैठक में बहरीन, मिस्र, जॉर्डन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, सीरिया, यूएई और यमन के प्रतिनिधि मौजूद थे। इन सभी देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए व्यापार के मुक्त प्रवाह को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। नेताओं ने क्षेत्र में रक्षा सहयोग बढ़ाने के अवसरों पर भी चर्चा की। इस बैठक ने क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर चल रही खींचतान को एक बार फिर उजागर कर दिया है।

होर्मुज से वाणिज्यिक तेल टैंकरों को सुरक्षित निकाला

ट्रंप का सनसनीखेज दावा- 3 दिन तक ईरान पर किया हमला, रडार बार-बार किया तबाह

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को दावा किया कि वाणिज्यिक जहाजों पर ईरानी हमले के जवाब में अमेरिकी सेना ने लगातार तीन रातों तक ईरान पर हमले किए थे। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका ने बार-बार ईरान के रडार सिस्टम को तबाह किया और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए होर्मुज से वाणिज्यिक तेल टैंकरों को सुरक्षित निकाला।

सीएनबीसी के साथ एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा, 'हमने ईरान के रडार को ध्वस्त कर दिया। उनके पास कोई रडार नहीं था और अभी भी नहीं है। उनके पास एक बढ़िया नया रडार आया था, लेकिन बीते सप्ताह उसे भी हमने ध्वस्त कर दिया।' जब ट्रंप से आगे भी ईरान पर कार्रवाई करने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने साफ इनकार नहीं किया और कहा कि हमारे पास सभी संसाधन मौजूद हैं।

ट्रंप ने होर्मुज में ईरान की नाकेबंदी को लोहे की दीवार बताया। उन्होंने कहा, 'मैंने जो नाकेबंदी की, वह असल में

नाकेबंदी नहीं बल्कि लोहे की दीवार थी। हमारे पास महान नौसेना है। ये लोग अविश्वसनीय हैं। एक भी जहाज ईरान तक नहीं पहुंच पाया।'

'ईरान की अर्थव्यवस्था बुरी तरह से कमजोर हो गई है'

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के हमले के बाद ईरान की अर्थव्यवस्था बुरी तरह कमजोर हो गई है। वहां 300 फीसदी तक महंगाई बढ़ गई है और वे कोई कमाई नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'ईरान की सेना गायब हो चुकी है। उनके नेता गायब हो चुके हैं। दूसरे दर्जे के नेता भी मारे जा चुके हैं। और तीसरे दर्जे के नेताओं में शे भी कुछ मारे गए हैं।' ट्रंप ने कहा कि 'ईरान को भोजन की जरूरत है। उन्हें मक्का, गेहूं और सोयाबीन की जरूरत है। हम इसकी आपूर्ति करेंगे। बशर्ते हम उस स्थिति में पहुंच जाएं, जहां हमें पहुंचना चाहिए।'

ट्रंप ने कहा कि 'अगर हम होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर देते तो दुनिया में तेल की कीमतें 350 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच जातीं और दुनिया में मंदी आ जाती। इसके बजाय अमेरिकी नौसेना ने चुपचाप जलडमरूमध्य से टैंकरों को सुरक्षित निकाला। एक रात ऐसी भी थी, जब हमने 22 जहाजों को बाहर निकाला और किसी को पता भी नहीं चला।'

खामेनेई के जनाजे में शामिल नहीं होंगे मोजतबा, धमकियों के बीच बदली गई रणनीति

तेहरान, एजेंसी। ईरान में पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के जनाजे की तैयारियां चल रही हैं। इस बीच एक बड़ा घटनाक्रम सामने आया। रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई अपने पिता के जनाजे में सार्वजनिक रूप से शामिल नहीं होंगे। इसकी वजह सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताओं को बताया गया है। ईरान के भारत स्थित प्रतिनिधि आयतुल्ला हाकिम इलाही ने कहा कि इस्राइल से संभावित खतरे और निगरानी के जोखिम को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

क्या सुरक्षा खतरे के कारण लिया गया यह फैसला? आयतुल्ला हाकिम इलाही के मुताबिक, मौजूदा हालात में सार्वजनिक कार्यक्रम में मोजतबा खामेनेई की मौजूदगी सुरक्षा के लिहाज से जोखिम भरी मानी गई। उनका कहना है कि इस्राइल की ओर से संभावित हमले या निगरानी की आशंका को देखते हुए अंतिम संस्कार में उनकी उपस्थिति टालने का निर्णय लिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, अली खामेनेई का जनाजा चार जुलाई से नौ जुलाई के बीच ईरान और इराक के विभिन्न स्थानों पर किया जाएगा। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था भी बेहद कड़ी रखी जाएगी।

ईरान ने अमेरिका और इस्राइल को

क्या चेतावनी दी? ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप को चेतावनी देते हुए कहा कि वह इस्राइल को नियंत्रित करें। उन्होंने कहा कि यदि ईरान के नेतृत्व या जनता को किसी तरह की धमकी दी गई तो उसका तत्काल और शक्तिशाली जवाब दिया जाएगा। अराघची का यह बयान उस रिपोर्ट के बाद आया, जिसमें इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने कथित तौर पर मोजतबा खामेनेई को निशाना बनाए जाने जैसी टिप्पणी की थी। ईरान ने इसे गंभीर सुरक्षा चुनौती माना है। क्या पश्चिम एशिया में कूटनीतिक कोशिशें भी जारी?

तनाव के बीच कूटनीतिक प्रयास भी जारी हैं। हाल ही में कतर और पाकिस्तान ने दोहा में अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। इन बैठकों में 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक प्रगति होने की बात कही गई। कतर के विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों पक्षों ने बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई है और जनाजे की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अगली बैठक जल्द आयोजित की जाएगी। इससे संकेत मिल रहे हैं कि तनाव के बावजूद संवाद का रास्ता खुला हुआ है।

पाक सेना ने कश्मीरियों को हथियार दिए': नेता ने कहा-हमें आतंकी न कहें, पीओके में पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन तेज

रावलकोट, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तान सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन लगातार तेज होता जा रहा है। गुरुवार को आंदोलन के 24वें दिन रावलकोट के ईदगाह मैदान में करीब 80 हजार लोग जुटे। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान सरकार के खिलाफ नारे लगाए और अपने अधिकारों की मांग दोहराई। संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी के प्रमुख सरदार अमन खान ने रैली को संबोधित करते हुए पाकिस्तान सेना पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कश्मीरियों को हथियार और गोला-बारूद पाकिस्तान सेना ने ही दिए थे, लेकिन अब वही लोग उन्हें आतंकवादी कह रहे हैं। अमन खान ने दावा किया कि फरवरी 2025 में रावलाकोट में जैश-ए-मोहम्मद की एक रैली निकली थी, जिसमें लोग खुलेआम -47 और तलवारें लेकर शामिल हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय रावलाकोट के डिप्टी कमिश्नर ने न केवल इस रैली की अनुमति दी थी, बल्कि सुरक्षा भी उपलब्ध कराई थी। उन्होंने कहा, 'पहले हथियारों के साथ रैलियां कराई गईं और अब हमें आतंकवादी कहा जा रहा है। इस जमीन पर रहने वाले लोग ही इसके असली वारिस हैं'। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उनका आंदोलन 38 प्रमुख मांगों को लेकर चल रहा है।

ज्योतिष में चन्द्रमा कब बनता है शुभ और कब अशुभ?

ज्योतिषीय फलादेश के समय चन्द्रमा की विशेष स्थिति यानि चन्द्रमा के पक्ष का बल देखना अतिअनिवार्य है। चन्द्रमा की दो प्रमुख अवस्थाएँ होती हैं, एक क्षीण अवस्था और दूसरी पूर्ण अवस्था। चन्द्रमा को सामान्यत: शुभ ग्रह मानते हैं, परन्तु हर समय ऐसा नहीं होता है। क्षीण चन्द्रमा पाप ग्रह के रूप में माना जाता है, किन्तु पूर्ण चन्द्रमा शुभ ग्रह माना जाता है।

चन्द्रमा पूर्णिमा का हो अथवा सूर्य से चन्द्रमा 180ए दूर यानि सूर्य-चन्द्रमा आमने-सामने हों, तब चन्द्रमा पूर्ण और बहुत शक्तिशाली होता है। लेकिन जब चन्द्र पूर्णमासी के दिन पूर्ण चन्द्र के बिन्दु को आकाश में पार कर लेता है और सूर्य-चन्द्रमा के बीच का अंतर 180ए से कम होने लगता है तो चन्द्रमा की शक्ति दिन-प्रतिदिन घटने लगती है, साधारण भाषा में लोग इस अवस्था को घटता हुआ चांद कहते हैं। चांद तब तक घटता रहता है, जब तक वह सूर्य के साथ मिलकर पूर्ण अस्त बिन्दु तक नहीं पहुंच जाता। गणितीय भाषा में जब सूर्य और चन्द्र के भोगांश का अन्तर शून्य डिग्री हो जाता है तो उसे अमावस्या का दिन कहते हैं। इस पखवाड़े को कृष्ण पक्ष कहा जाता है।

सूर्य से चन्द्रमा के दूसरे पक्ष के गोचर की स्थिति एकदम विपरीत होती है। अमावस्या के बाद 0ए से अंतर बढ़ने लगता है, चन्द्रमा दिन-प्रतिदिन बल प्राप्त करता जाता है और सूर्य से 180ए के अन्तर पर पहुंच कर पूर्ण चन्द्रमा कहलाता है, इस पखवाड़े को शुक्ल पक्ष कहते हैं। सूर्य के भोगांश को जिस क्षण वह पार कर लेता है आगे बढता है, उसे नया चांद, पड़वा या प्रतिपदा तिथि कहते हैं।

खगोलशास्त्री एवं ज्योतिर्विदों के अनुसार शुक्ल पक्ष की अष्टमी से कृष्ण पक्ष की सप्तमी तक चन्द्रमा पूर्ण होता है तथा कृष्ण पक्ष की अष्टमी से शुक्ल पक्ष की सप्तमी तक चन्द्रमा क्षीण होता है। फलादेश की दृष्टि से चन्द्रमा जब पूर्ण हो तभी उसका फल शुभ होता है अन्यथा अशुभ रहता है। कुछ ज्योतिर्विद शुभ-अशुभ चन्द्रमा के बीच चन्द्रमा के बलाबल की एक मध्य स्थिति भी बताते हैं, शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा दशमी तक चन्द्रमा मध्य बली होता है। दशमी के बाद दस दिनों तक चन्द्रमा अति बलवान होता है। इसके बाद के अन्तिम दस दिन का चन्द्रमा बलहीन हो जाता है और पूरी तरह अशुभ फल देता है। चन्द्रमा के भावफल देखते समय हमेशा यह ध्यान रखना चाहिए कि चन्द्रमा बलहीन हो तो उसका फल अशुभ होता है, मध्यबली हो तो उसका फल सम होता है यानि ऐसी अवस्था में चन्द्रमा न शुभ फल देता है, न अशुभ, परन्तु बलवान होने पर शुभ फल देता है।

गृहारम्भ के समय भूमिपूजन एवं शिलान्यास करते समय इन बातों का रखें ध्यान

गृहारम्भ मुहूर्त के लिये निम्न नौ विंषयों पर विचार करना चाहिए, प्रथम शेषनाग की स्थिति, दूसरा पृथ्वी की शयन आदि अवस्था, तीसरा गृह मालिक की जन्म राशि के अनुसार घात चन्द्र आदि, चौथा मास, पांचवा तिथि, छठा दिन, सातवां नक्षत्र, आठवां योग एवं नौंवा शुभ लग्न। सर्वप्रथम भूमिपूजन एवं शिलान्यास करने के लिए शेषनाग की स्थिति पर विचार करना अत्यन्त आवश्यक है।

अक्सर नवीनतम भूखण्ड पर निर्माण हेतु भूमिपूजन एवं शिलान्यास करते समय लोग शेषनाग की स्थिति को नजरंदाज कर देते हैं, जिससे गलत जगह खुदाई करने पर उन्हें लाभ के बजाए अनेकानेक बाधाओं, कष्टों का सामना करना पड़ता है। अत: जब भी आप गृह निर्माण हेतु शुभ लग्न, मुहूर्त, तिथि आदि की गणना कराएँ, तो शेषनाग की स्थिति जानकर नीचे बताई गई जानकारी के अनुसार उचित जगह पर ही नींव खोदकर शिलान्यास करें। वास्तु मुहूर्त के सिद्धान्तों के आधार पर जिस दिशा में शेषनाग का वास होता है, उस दिशा में नींव की खुदाई का आरम्भ नहीं करना चाहिये।

जब शेषनाग का मुख ईशान कोण में हो- जब गोचर में सूर्य सिंह राशि, कन्या राशि या तुला राशि में हो, तो शेष नाग का मुख ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में रहता है, अत: इन महीनों में अग्नि कोण यानि दक्षिण-पूर्व दिशा में नींव खोदकर शिलान्यास करें।

जब शेषनाग का मुख वायव्य कोण में हो- जब गोचर का सूर्य वृश्चिक राशि, धनु राशि, मकर राशि में हो तो शेषनाग का मुख वायव्य कोण यानी उत्तर-पश्चिम दिशा में होता है अत: ईशान कोण यानि उत्तर-पूर्व दिशा में नींव खोदकर शिलान्यास करें।

जब शेषनाग का मुख नैऋत्य कोण में हो- जब गोचर का सूर्य कुम्भ राशि, मीन राशि, मेष राशि में हो तो शेषनाग का मुख नैऋत्य कोण यानी दक्षिण-पश्चिम दिशा में होने से वायव्य कोण यानि उत्तर-पश्चिम दिशा में नींव की खुदाई आरम्भ करें।

जब शेषनाग का मुख अग्नि कोण में हो- जब गोचर का सूर्य वृष राशि, मिथुन राशि या कर्क राशि में हो तो शेषनाग का मुख अग्नि कोण यानी दक्षिण-पूर्व दिशा में रहता है, अत: नैऋत्य कोण यानि दक्षिण-पश्चिम दिशा में नींव खोदकर शिलान्यास करें।

शेषनाग के सर पर खुदवाने से माता-पिता की हानि, पीठ पर खुदवाने से भय, रोग, पीड़ा, पूछ पर खुदवाने से कुल की हानि होती है। अत: उपरोक्त दिशाओं से, जिसमे शेषनाग का वास होता है, उससे अलग ऊपर बताई गई दिशाओं में ही नींव की खुदाई एवं शिलान्यास करना चाहिए। कुछ विद्वानों के अनुसार इन दिनों या नक्षत्रों में भी प्रारम्भ के 4, 8, 5, 3, 6, 7 घटी में ही होता है, शेष में नहीं।

गृह प्रवेश की सरल विधि, जिससे आजीवन निवास करे सुख-समृद्धि

ईश्वर की कृपा से स्वयं का घर बनवाने का जब अवसर मिले, तो गृह प्रवेश के दौरान इन विशेष बातों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए। अक्सर लोग अधूरे भवन निर्माण कार्य पर ही गृह प्रवेश कर लेते हैं, वास्तु नियम के अनुसार भवन के हर प्रकार से पूरी तरह बन जाने के बाद ही गृह प्रवेश समारोह करना चाहिए, उससे पहले नहीं। ग्राउंड प्लोर का पूरी तरह निर्माण हो जाने के बाद भी अगर दूसरी मंजिल पूरी नही हो पाई है तो गृह प्रवेश उस तारीख तक नहीं करना चाहिए, जब तक पूरा भवन न बन जाए।

- अगर वास्तु के नियमों को पूरी तरह से माने तो, गृह प्रवेश समारोह से पूर्व घर के अंदर किसी प्रकार का भोजन नहीं पकाना चाहिए अर्थात कोई चूल्हा या स्टोव नहीं जलाना चाहिए। किसी के भी द्वारा घर के अंदर स्नानागार या शौचालय का उपयोग गृह प्रवेश समारोह से पूर्व नहीं किया जाना चाहिए।
- गृह प्रवेश समारोह के लिए घर की ठीक प्रकार से सफाई करके उसे सजा देना चाहिए। विशेष रूप से प्रवेश द्वार की सज्जा केले के पौधे, आम की पत्तियों से बंधनद्वार, सुगंधित पुष्पों आदि से होनी चाहिए।
- गृह प्रवेश समारोह से पूर्व की रात्रि को वास्तु शांति अर्थात वास्तुपूजा, वास्तुहोम, वास्तुबलि, रक्षाहोम, सुदर्शन होम आदि किए जाने चाहिए। इसके पहले गाय और बछड़े को घर में प्रवेश कराकर तथा पवित्र जल से पूरे घर को शुद्ध किया जाना चाहिए।
- गृह प्रवेश के दिन एक सफेद कपड़े से, जिसे हल्दी से रंगकर सुखा लिया गया हो, मुख्यद्वार को ढांक दिया जाता है और द्वार पूजा की जाती है।
- गृह प्रवेश करने के बाद पूजा कक्ष में देवता की मूर्ति प्रतिष्ठा तथा अन्य औपचारिकताएं तथा अनुष्ठान जैसे दूध उबालना, गण-होम, नवग्रह होम, सत्यनारायण की पूजा, अतिथियों और कार्यकर्ताओं को स्वादिष्ट भोजन कराना, भवन निर्माण कार्यों में लगे कारीगरों को उपहार देना आदि कार्य पूरे किए जाते हैं।
- गृह प्रवेश समारोह के बाद पूरे घर को भली प्रकार प्रकाश से आलोकित किया जाना चाहिए और उसी दिन से परिवार उस घर में निवास करना प्रारम्भ कर दे।
- कुछ लोग गृह प्रवेश समारोह के बाद घर में ताला लगाकर अपने मूल स्थान पर चले जाते हैं, जो कि अनुचित है। यदि किसी कारणवश वे नए घर में नहीं रह सकें तो गृह प्रवेश समारोह को स्थगित कर देना चाहिए।

ऊं का उच्चारण करना शरीर और मन दोनों के लिए है लाभकारी

भारत की प्राचीन योग और ध्यान परंपरा में ऊं का विशेष महत्व माना गया है। यह तीन मुख्य ध्वनियों- अ, उ और म से मिलकर बना है। इसका उच्चारण किसी भी आयु वर्ग का व्यक्ति अपनी क्षमता और सुविधा के अनुसार कर सकता है। नियमित रूप से ऊं का उच्चारण करने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

यह कहना है प्राकृतिक चिकित्सक भानु सरकानुनगो का। उनके अनुसार ऊं का उच्चारण करते समय शरीर में कंपन उत्पन्न होता है, जिससे पेट और श्वसन तंत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। नियमित अभ्यास से पाचन क्रिया बेहतर हो सकती है और पेट की अतिरिक्त चर्बी कम करने में भी सहायता मिल सकती है। इसके साथ ही यह फेफड़ों को सक्रिय बनाता है, जिससे सांस लेने की क्षमता में सुधार हो सकता है। वहीं ऊं के उच्चारण से अस्थमा के मरीजों को भी इससे राहत मिलती है। यह फेफड़ों में जमा कफ को बाहर निकालने में मदद कर सकता है और गले की खराश को कम करने में सहायक माना जाता है। उच्चारण मन को शांत करने का एक सरल तरीका माना जाता है। इससे शरीर में मौजूद नकारात्मकता और तनाव को कम करने में मदद मिल सकती है।

एकाग्रता बढ़ती है और याददाश्त बेहतर होती है

नियमित अभ्यास करने वाले लोगों में एकाग्रता बढ़ने और याददाश्त बेहतर होने के अनुभव भी सामने आए हैं। माइग्रेन से पीड़ित लोगों को भी इससे कुछ हद तक राहत मिल सकती है। इसके अलावा उच्च रक्तचाप और थायराइड से जुड़े मरीजों के लिए भी यह लाभकारी माना जाता है, हालांकि किसी भी बीमारी में चिकित्सकीय उपचार जारी रखना जरूरी है। जब कई लोग एक साथ बैठकर ऊं का उच्चारण करते हैं तो वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव होता है। सामूहिक रूप से किया गया यह अभ्यास मानसिक शांति, आत्मविश्वास और सामाजिक जुड़ाव की भावना को भी मजबूत करता है।

मन चंगा तो कठौती में गंगा, गंगा नहाने से पहले मां गंगा की इन बातों को जान लें

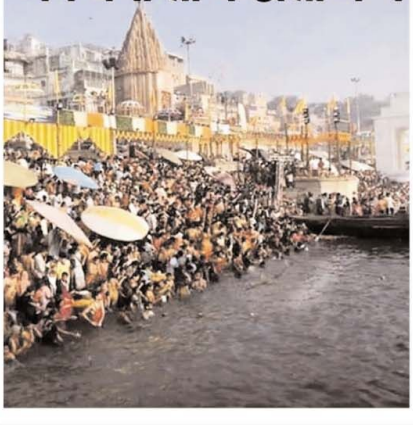

गंगा केवल कोई जल नही है कि तुम मुँह में डालो और निर्मल हो जाओगे! कबीर कहते हैं 'कबीर मन निर्मल भयो जैसे गंगा नीर।', मतलब, गंगा की तरह मेरा मन भी अंदर से निर्मल हो गया यानी मेरे अंदर कोई विकार नही रहा। मैंने इस जगत को मरा हुआ देख लिया,और अंदर मेरे अब कुछ नहीं चलता है। आइए जानते हैं आध्यात्मिक गुरु मास्टरजी से गंगा स्नान का वास्तविक अर्थ क्या है...

संसारी शरीर में जीता है और शरीर में ही मर जाता है। उसका आत्मा से कोई लेना-देना नहीं है। और जो पारब्रह्म से यात्रा होती है, वहाँ शरीर की बात ही नहीं है, वहाँ केवल अशरीर है। अशरीर को हमने शरीर में छुपी आत्मा कहा है। जो अशरीर और आत्मा पर यात्रा करते हैं, वो अपने शरीर की और अपने संबंधों की चिंता जलती हुई देख लेते हैं। तुम्हारे कितने जन्म हो गए और कितने जन्म होंगे, अगर तुम इस शरीर में ही अटके रहोगे। क्योंकि एक मनुष्य देह का जन्म व्यर्थ जाते ही तुम्हें चौरासी लाख मौतों से गुजरना पड़ता है। यहाँ कोई किसी को नहीं पूछता, कोई किसी को प्यार नहीं करता, सब ड्रामा और तमाशा है। गंगा यही कह रही है क्योंकि गंगा सब कुछ छोड़कर भागकर आई और सागर में मिल गई। गंगा को रास्ते में किसी से भी कोई लेना-देना नहीं है; वो अपने सागर से मिलकर एक हो जाती है।

भागीरथ संसार के अंदर गंगा को लेकर आए। भागीरथ इक्ष्वाकु वंश के थे। जब भागीरथ को पता चला कि उनके साठ हजार पूर्वजों के शरीर ऐसे ही राख बने पड़े हुए हैं, तो उन्होंने उनका उद्धार करने के लिए तपस्या की और कपिल मुनि को प्रसन्न किया। कपिल मुनि ने कहा, 'जा स्वर्ग से गंगा को लेकर आ। जब गंगा में इनकी राख और अस्थियाँ प्रवाहित होंगी, तब उनका उद्धार हो जाएगा।' तब भागीरथ गंगा को लेने गए। विष्णुजी के अंगूठे से गंगा निकली, और जब गंगा निकली तो वो बहुत तेज धारा में बह रही थी। फिर कहा गया कि गंगा को शिव की जटाओं में डाल दो, ताकि शिव की जटाएँ धारा को रोक सकें। विष्णु के अंगूठे से गंगा शिव की जटाओं में गई और वहाँ से धरती पर गंगोत्री से गंगा आई और भागीरथ के साठ हजार पूर्वजों का उद्धार किया। फिर गंगा को कहा गया, कि तू पृथ्वी पर ही रुक और संसार को संदेश दे कि वो तेरी तरह दौड़े, किसी जगह पर भी रुके नहीं, किसी संबंधों में अटके नहीं। क्योंकि अगर अटक गए तो गंदे नाले के अंदर चले जाएँगे। गंगा संसार को यही संदेश दे रही है, ध्यान रखो।

गंगा केवल कोई जल नही है कि तुम मुंह में डालो और निर्मल हो जाओगे! तुम्हारे अंदर गंदा नाला चल रहा है, तुम्हारे विकारों का! विकारों का अर्थ है गंदा नाला: कामवासना, क्रोध ,लोभ, मोह, और अहंकार। तुम्हारे अंदर पाँच विकार भरे पड़े हैं तो तुम्हारे अंदर गंगा क्या करेगी? कबीर कहते हैं 'कबीर मन निर्मल भयो जैसे गंगा नीर।', मतलब, गंगा की तरह मेरा मन भी अंदर से निर्मल हो गया यानी मेरे अंदर कोई विकार नहीं रहा। मैंने इस जगत को मरा हुआ देख लिया, और अंदर मेरे अब कुछ नहीं चलता, मेरा विष्णु अंदर बैठा है। तुम्हारे अंदर भी स्वयं परमात्मा बैठा हुआ है, पर तुम्हारे विकारों के कारण तुम्हारे मन की गंगा मैली हो गई है, और तुम्हारे जन्म-मरण का कारण बन गई है। गंगा मतलब तुम्हारे विकारों कि अंदर से छुट्टी, तुम्हारे अंदर कोई विकार ना रहे और अंदर विकार तभी नहीं रहता जब तुम जगत को पूरी तरह मिथ्या देख लेते हो। तुम्हारे अंदर की गंगा निर्मल हो सकती है, अगर तुम अपने को 'मैं-मेरा' से विरक्त कर दो। 'मैं-मेरा' से विरक्त होते ही गंगा निर्मल हो जाएगी और सागर से मिलकर एक हो जाएगी। तब तुम्हें पारब्रह्म परमेश्वर का धाम मिलता है। तो ये अंदर का सारा खेल समझना है! सारा अंदर का खेल है, बाहर का कुछ नहीं है। संत रविदास बोलते हैं, 'मन होय चंगा तो कठौती विच गंगा।' मतलब, चमड़े के अंदर भी गंगा है, पर अगर तुम्हारा मन निर्मल नहीं है, तो तुम हरिद्वार में लाख स्नान कर आओ, गंगा भी तुम्हें अस्वीकार कर देगी। जन्मों से तुम मर-मर कर इस धरती पर जन्म लेकर आ रहे हो इसलिए जीवन के सत्य को जानना होगा, गंगा जैसा निर्मल बनो। शरीर कभी पवित्र नहीं होता ध्यान रखना, आत्मा ही पवित्र होती है। जिस दिन तुम्हारे विकार हट जाते हैं, तब तुम्हारी आत्मा पवित्र हो जाती है। मनुष्य जन्म की कद्र करो, क्योंकि 'मनुष्य जन्म ना मिले बारंबार।' इसलिए अपने को जगाओ,अपने निर्मल रूप में आओ ताकि परमात्मा से मिलकर एक हो सको!